आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रात:नागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 3, अंक : 50 रांची, शुक्रवार, 30 जनवरी, 2026 (माघ, शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082) पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये, email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

संक्षिप्त

एक हजार करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआई का छापा

कोलकाता। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने हजार करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में गुरुवार सुबह बड़ी कार्रवाई शुरू की। अलीपुर समेत कोलकाता के कई इलाकों में एक साथ सीबीआई की छापेमारी की कार्रवाई हुई है। यह कार्रवाई एक फाइनेंस कंपनी और उसकी सहयोगी इकाई के प्रमोटरों के खिलाफ की गई है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सीबीआई की टीमें संबंधित फाइनेंस कंपनी के प्रमोटरों के आवास और कार्यालयों में तलाशी ली। सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त केंद्रीय बलों को भी तैनात किया गया था। सीबीआई सूत्रों ने बताया कि वर्ष 2014 से 2020 के बीच एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक से ऋण लेने के नाम पर लगभग एक हजार करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी की गई। पूर्व कोलकाता स्थित इस फाइनेंस कंपनी के खिलाफ बैंक प्रबंधन ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर सीबीआई ने जांच शुरू की।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के पामेड़ थाना क्षेत्र में गुरुवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों को ढेर कर दिया है। मौके से एके-47 राइफल, 9 एमएम पिस्टल और गोला-बारूद बरामद किया गया है। बीजापुर, सुकमा और तेलंगाना राज्य के सीमावर्ती इलाकों में नक्सलियों की बटालियन सक्रिय है। विशेष रूप से पामेड़ थाना क्षेत्र में नक्सलियों की सक्रियता ज्यादा देखी जा रही है। इसी पामेड़ इलाके में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन जारी है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि बीजापुर जिले के दक्षिणी इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना के बाद डीआरजी (जिला रिजर्व गार्ड) जवानों को सर्चिंग अभियान पर रवाना किया गया। इसी दौरान जंगल में नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ के बाद सर्चिंग के दौरान अब तक दो नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर घुसपैठ नाकाम, हथियारों का जखीरा बरामद

चंडीगढ़। बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर भारत-पाक सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठ को असफल बनाते हुए भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। घुसपैठ को रोकने के लिए बीएसएफ ने कई राउंड फायर भी किए। इसके बाद पंजाब पुलिस के साथ मिलकर सीमावर्ती क्षेत्र में गुरुवार को कई घंटे सर्च ऑपरेशन भी चलाया। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि सीमावर्ती जिला फाजिल्का में काउंटर इंटेलीजेंस तथा बीएसएफ ने मिलकर आज सुबह एक ऑपरेशन फाजिल्का के पास गांव तेजा राहेला में चलाया।

अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी-2026-27 में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

युवा राज्य की संभावनाओं को आकार देनेवाला हो बजट : सीएम

नई पीढ़ी की जरूरतों के अनुरूप अवसर उपलब्ध कराने के लिए बजट बनाने की है जरूरत

मुख्यमंत्री ने व्यापक, संतुलित, समावेशी और सतत विकास आधारित बजट निर्माण पर दिया जोर

प्रात: नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड 25 वर्षों का सफर तय कर चुका है। ऐसे में इस बार राज्य के लिए मजबूत और बहुआयामी बजट की आवश्यकता है। बजट ऐसा हो, जो इस युवा राज्य की संभावनाओं को आकार दे सके। बजट संतुलित, समावेशी और व्यापक हो, जिसमें जन आकांक्षाएं परिलक्षित हो और विकास को भी गति मिले। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आज झारखंड मंत्रालय में अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बजट ऐसा होना चाहिए, जो हर वर्ग और क्षेत्र को पूरी मजबूती के साथ आगे ले जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी बजट लगभग 1 लाख करोड़ रुपए के होने का अनुमान है। आने वाले वर्षों में बजट की राशि में और वृद्धि होगी। ऐसे में राजस्व संग्रहण बढ़ाने की दिशा में भी हमें ठोस तरीके से कार्य करना होगा ताकि विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में राशि की कमी नहीं हो।

बजट से आम लोगों को भी जोड़ना होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का बजट बेहतर बने, इसके लिए आम लोगों को भी जिम्मेदारी देनी होगी। इस दिशा में हमारी सरकार आम लोगों से लगातार सुझाव ले रही है। मेरा मानना है कि लोगों की भागीदारी से ही हम एक संतुलित और विकास आधारित बजट इस राज्य का बना सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक और लंदन दौरे से लौटा हूं। वहां काफी करीब से उनकी नीतियों, समृद्ध अर्थव्यवस्था, लोगों की जीवन और कार्य शैली तथा परंपरा- संस्कृति देखने - समझने का मौका मिला। विदेश दौरे में हमें जो अनुभव प्राप्त हुए हैं, उसके जरिए हम राज्य को नई दिशा देने देंगे का प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा की नई पीढ़ी अलग सोच के साथ आगे बढ़ रही है। ये पीढ़ी पारंपरिक व्यवस्थाओं से अलग रास्ते तलाश रही है। ऐसे में नई पीढ़ी की जरूरतों तथा आवश्यकताओं के अनुरूप बजट को तैयार करना होगा ताकि उन्हें उन्हें हम बेहतर अवसर उपलब्ध करा सकें।

संसाधनों और क्षमताओं की कोई कमी नहीं है

झारखंड में किसी भी क्षेत्र में संसाधन और क्षमताओं की कोई कमी नहीं है। जल - जंगल जैसे प्राकृतिक संसाधन हैं। प्रचुर खनिज संपदा है। उद्यमी हैं। मानव संसाधन है। मेहनतकश श्रम बल है। किसान हैं। खिलाड़ी हैं। इसके साथ अनेकों और क्षेत्र हैं, जहां काफी संभावनाएं हैं। हमें इन संसाधनों और क्षमताओं का बेहतर से बेहतर इस्तेमाल करने की दिशा में कार्य करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राज्य में प्राकृतिक, औद्योगिक और आर्थिक संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। ऐसे में अपने इन संसाधनों के बलबूते शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, कृषि, खेल, प्राकृतिक, औद्योगिक, आर्थिक और आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- नए नियम अस्पष्ट, दुरुपयोग की आशंका

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा जाति-आधारित भेदभाव की परिभाषा से जुड़े नए रेगुलेशन पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अंतरिम रोक लगा दी है। देशभर में इन नियमों के खिलाफ हो रहे विरोध और दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि नए नियम अस्पष्ट हैं और इनके दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी के साथ ही कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई तक 2012 के पुराने नियम ही लागू रहेंगे। मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति ज्योमाल्या बागची की पीठ ने कहा, कि अदालत इन नियमों की समीक्षा केवल उनकी संवैधानिकता और वैधता के आधार पर करेगी। पीठ ने यह भी टिप्पणी की कि देश के शैक्षणिक संस्थानों में भारत की एकता, विविधता और समावेशिता की भावना झलकनी चाहिए। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, कि नए रेगुलेशन में प्रयुक्त भाषा ऐसी है, जिससे इसके गलत इस्तेमाल की संभावना बनती है। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्षों बाद भी हम समाज को पूरी तरह जाति से मुक्त नहीं कर पाए हैं, लेकिन इसका समाधान ऐसे नियमों से नहीं होना चाहिए, जो भ्रम और विभाजन को बढ़ाएं। न्यायमूर्ति बागची ने भी चिंता जताते हुए कहा कि अदालत एक निष्पक्ष और समावेशी सामाजिक वातावरण बनाए रखने को लेकर गंभीर है।

2सी की क्या है आवश्यकता : कोर्ट

पीठ ने सवाल उठाया कि जब पहले से 3ई जैसी व्यवस्था मौजूद है, तो 2सी की आवश्यकता और प्रासंगिकता क्या है। न्यायमूर्ति बागची ने आशंका जताई कि कहीं भारत उस स्थिति की ओर न बढ़ जाए, जहां अमेरिका में कभी अश्वेत और श्वेत बच्चों के लिए अलग-अलग स्कूल हुआ करते थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, न कि विभाजन को बढ़ावा देना। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दलील दी कि यूजीसी एक्ट की धारा 3(सी) को चुनौती दी गई है, जो असंवैधानिक है। उनका कहना था कि यह प्रावधान इस धारणा पर आधारित है कि सामान्य श्रेणी के छात्र भेदभाव करते हैं, जबकि यह एक सामान्यीकरण है और उचित नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे नियम शैक्षणिक संस्थानों में अनावश्यक तनाव और वर्गीकरण को बढ़ावा दे सकते हैं।

बजट सत्र शुरू : पीएम मोदी ने दिया रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म का मंत्र

प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं के लिए बताए नए अवसर

एजेंसी

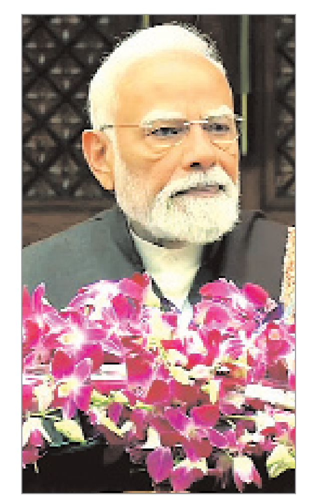

नई दिल्ली। संसद का बहुप्रतीक्षित बजट सत्र गुरुवार से शुरू हो गया। सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए देश के विकास और भविष्य की योजनाओं का खाका खींचा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की नीति रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म (सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन) पर आधारित है और इसी दिशा में रिफॉर्म एक्सप्रेस तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण का जिक्र करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने सांसदों के सामने जो अपेक्षाएं रखी हैं, वे अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी सांसद इन अपेक्षाओं को गंभीरता से लेंगे और सदन की कार्यवाही में सकारात्मक योगदान देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2026 के प्रारंभ में राष्ट्रपति द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का यह एक बड़ा अवसर है।

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती धमक प्रधानमंत्री ने भारत की बढ़ती वैश्विक साख पर जोर देते हुए कहा कि आज का आत्मविश्वास से भरा भारत दुनिया के लिए आशा की किरण और आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। उन्होंने विशेष रूप से भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते का उल्लेख किया। उन्होंने इसे भारतीय युवाओं, किसानों और मछुआरों के लिए स्वर्णिम अवसर बताया। पीएम ने कहा कि 27 यूरोपीय देशों का विशाल बाजार अब भारतीय उत्पादों के लिए खुल गया है, जो युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है। गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा पर जोर प्रधानमंत्री ने देश के उत्पादकों और सर्विस सेक्टर के लोगों से अपील की कि वे इस वैश्विक अवसर का पूरा लाभ उठाएं।

सरकार ने अंतिम छोर तक लाभ पहुंचाने पर दिया बल

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने हमेशा लास्ट माइल डिलीवरी यानी अंतिम छोर तक लाभ पहुंचाने पर बल दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि योजनाओं को केवल फाइलों तक सीमित रखना उनका उद्देश्य नहीं है, बल्कि उन्हें लोगों के जीवन (लाइफ) तक पहुंचाना ही असली सफलता है। अगली पीढ़ी के सुधारों की तैयारी प्रधानमंत्री मोदी ने भविष्य की योजनाओं का संकेत देते हुए कहा कि सरकार नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म की दिशा में आगे बढ़ रही है।

उत्तम गुणवत्ता वाले सामान के साथ बाजार में उतरना होगा

पीएम मोदी ने कहा कि हमें अंतरराष्ट्रीय मानकों की उत्तम गुणवत्ता वाले सामान के साथ बाजार में उतरना होगा ताकि हमारे उत्पाद प्रतिस्पर्धी कीमतों पर दुनिया भर में अपनी पहचान बना सकें। व्यवधान नहीं, समाधान का समय विपक्ष और संसद की कार्यप्रणाली पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज का समय व्यवधान पैदा करने का नहीं, बल्कि समाधान खोजने का है। उन्होंने सांसदों से आग्रह किया कि वे अपनी भूमिका को आलोचनाओं तक सीमित न रखकर समाधान ढूंढने और उन्हें धरातल पर उतारने में लगाएं।

पीएम के नेतृत्व में आत्मनिर्भर और समावेशी भारत का निर्माण : शिवराज

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिह चौहान ने आर्थिक सर्वेक्षण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सर्वांगीण विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उनकी नीतियों से आत्मनिर्भर और समावेशी भारत का निर्माण हो रहा है, जिसका प्रमाण है पिछले पाँच वर्षों में 4.4 प्रतिशत की औसत कृषि विकास दर- जो अपने आप में एक असाधारण उपलब्धि है।

गुरुवार को अपने आवास पर आयोजित प्रेसवार्ता में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से 500 की आबादी तक हर गाँव जुड़ा है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि सभी को गति मिली है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद के बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पेश किया। इसके तुरंत बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही अब एक फरवरी को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026-27 की प्रस्तुति के एक घंटे बाद शुरू होगी। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में चालू वित्त वर्ष के दौरान देश की आर्थिक स्थिति का आधिकारिक आकलन प्रस्तुत किया गया है। इसमें आर्थिक विकास, प्रमुख संकेतकों, उपलब्धियों और अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूद चुनौतियों का उल्लेख किया गया है, साथ ही अगले वित्त वर्ष के लिए आर्थिक परिदृश्य का भी खाका पेश किया गया है। यह दस्तावेज वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग के अंतर्गत आर्थिक प्रभाग द्वारा तैयार किया गया है, जिसे मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) की निगरानी में अंतिम रूप दिया गया। सर्वेक्षण में अप्रैल 2025 से मार्च 2026 की अवधि के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के प्रदर्शन और नीतिगत संकेतों को समाहित किया गया है।

वित्त मंत्री एक फरवरी को पेश करेंगी बजट

लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार को बजट सत्र के दूसरे दिन आर्थिक सर्वेक्षण पेश होने के बाद 1 फरवरी (रविवार) तक के लिए स्थगित कर दी गई। प्रश्न काल के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन के पटल पर आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 रखा। इसके बाद शून्य काल के प्रारंभ होने पर अध्यक्ष ने कार्यवाही को रविवार तक के लिए स्थगित कर दिया। संसद की कार्यवाही अब 1 फरवरी को सुबह 11 बजे फिर से शुरू होगी। सरकार परंपरा को बनाए रखते हुए रविवार होने के बावजूद बजट पेश करेगी। बजट से एक दिन पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाता है, लेकिन इस बार इसे तीन दिन पहले ही टेबल किया गया।

देशभर में एक हजार सरकारी आईटीआई होंगे अपग्रेड

एक साल में 43 लाख से ज्यादा कौशल विकास अप्रेंटिस जोड़े गए : आर्थिक सर्वेक्षण

एजेंसी

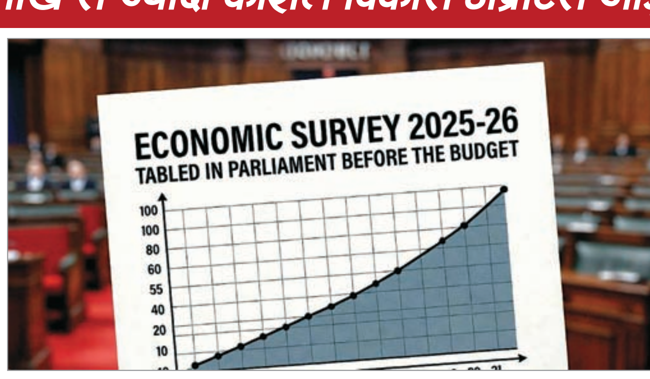

नई दिल्ली। केंद्र सरकार युवाओं के कौशल विकास पर तेजी से काम कर रही है। देश में इस समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, नवीकरणीय ऊर्जा और 3डी प्रिंटिंग जैसे भविष्य-कौशल पाठ्यक्रम तेजी से फैल रहे हैं। यह जानकारी वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में दी। सर्वेक्षण में बताया गया है कि अब तक कुल 169 अलग-अलग व्यवसायिक और तकनीकी क्षेत्रों (ट्रेड्स) में प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिनमें 31 ऐसे पाठ्यक्रम शामिल हैं जो भविष्य की तकनीकों से जुड़े हैं।

इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स, नवीकरणीय ऊर्जा और 3डी प्रिंटिंग जैसे क्षेत्र शामिल हैं। ये कोर्स देशभर के आईटीआई और राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों में पढ़ाए जा रहे हैं। सरकार ने आने वाले समय में देशभर में संचालित 1,000 सरकारी आईटीआई को अपग्रेड करने की योजना बनाई है। इनमें 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई होंगे। इन्हें स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक लैब और डिजिटल सामग्री से लैस किया जाएगा ताकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता बेहतर हो और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कोर्स तैयार किए जा सकें। सर्वेक्षण में बताया गया कि उद्योग को सीधे प्रशिक्षण और पाठ्यक्रमों से जोड़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई 4.0) के तहत डिजिटल तकनीक, ग्रीन एनर्जी, स्वास्थ्य सेवा, आधुनिक कृषि, वित्तीय सेवाएं और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों पर खास ध्यान दिया जा रहा है।

20 प्रतिशत तक पहुंची महिला भागीदारी

रोजगार मेले और राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेले नियोक्ताओं और नौकरी चाहने वालों को जोड़ने का काम कर रहे हैं। देश में राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना (पीएम-एनएपीएस) के तहत अब तक 43.47 लाख अप्रेंटिस 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जुड़े हैं। इसमें 51,000 से ज्यादा प्रतिष्ठानों की भागीदारी रही है और महिला भागीदारी 20 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद

नागरिक उड्डयन मंत्रालय बोला - समयबद्ध होगी जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार का कहना है कि बारामती विमान दुर्घटना में ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। जांच जारी है और इसे तय समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि हादसे के बाद सभी आवश्यक प्रतिक्रिया और जांच तंत्रों को तुरंत सक्रिय कर दिया गया है। एक संपूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करना मंत्रालय की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को पुणे जिले के बारामती हवाई अड्डे के पास एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार और विमान में सवार चार अन्य की मौत हो गई थी।

मंत्रालय ने बताया कि नई दिल्ली स्थित विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के तीन अधिकारियों की एक टीम और मुंबई स्थित नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के तीन अधिकारियों की एक अन्य टीम आज दुर्घटनास्थल पर पहुंची। एएआईबी के महानिदेशक जी.वी.जी. युगंधर भी कल ही घटनास्थल पर पहुंच गए थे। दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है और जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। बयान में कहा गया है कि मंत्रालय निर्धारित समय-सीमा के भीतर स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार जांच पूरी करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। ये जांच एएआईबी नियम, 2025 के नियम 5 और 11 के अनुसार शुरू की गई है।

बच्चे का अपहरण करने का आरोपित गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। सदर थाना क्षेत्र के छतर मांडू गांव में 11 वर्षीय बच्चे का अपहरण करने की कोशिश करने के आरोपित सुधांशु रंजन को गुरुवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। नशे में धूत होकर सुधांशु रंजन ने अपहरण की इस वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया था। लेकिन बहादुर आदित्य ने उसके मंसूबे पर पानी फेर दिया। वह चलती गाड़ी से कूद कर न सिर्फ अपनी जान बचाई, बल्कि शोर मचाकर ग्रामीणों को इकट्ठा किया और अपहरणकर्ता को पकड़वाने में भी मदद की। छतर मांडू गांव निवासी सुधांशु रंजन ने ग्रैंड विटारा कार जेएच 01 एफएन 5455 से बच्चे के अपहरण का प्रयास किया था। इस संबंध में बच्चे के पिता संतोष कुमार वर्मा रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 28 जनवरी की शाम को आदित्य ट्यूशन पढकर घर लौट रहा था। इसी दौरान आरोपित ने जेएम डीवाइन पब्लिक स्कूल छतरमांडू के ग्राउंड से जबरन उसे अपनी गाड़ी में बिठाया। इसके बाद उसने दरवाजा लॉक कर शीशा पैक कर दिया। आदित्य सोनी जोर-जोर से चिल्लाता रहा। उसे चुप कराने के लिए सुधांशु रंजन ने जान से मारने की धमकी दी। उसने उस बच्चे का गला दबाया और मारकर फेंक देने की धमकी भी दी। साथ ही उसकी किडनी और गुर्दा निकाल कर बेचने की भी बात कही। वहीं छतरमांडू से लोधमा जाने के रास्ते में बंध फुलवार मोड़ के पास जब गाड़ी थोड़ी धीरे हुई तो उस 11 वर्षीय बहादुर बच्चे आदित्य ने दरवाजा खोलकर छलांग लगा दी। इसके बाद वह एक होटल में जाकर छिप गया। उसने जब ग्रामीणों को शोर मचाकर बुलाया तब सुधांशु रंजन ने अपनी कार लेकर भागने लगा।

माता वैष्णो देवी मंदिर का 35वां वार्षिकोत्सव भंडारे के साथ संपन्न

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। शहर के झंडा चौक स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में माता की प्रतिमा की स्थापना का 35 वां वार्षिकोत्सव गुरुवार को माता के अटूट भंडारा के साथ संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि माता का वार्षिकोत्सव बीते 23 जनवरी को कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ था। सात दिनों तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान के मुख्य यजमान हर्ष आनंद और उनकी पत्नी निशु आनंद थे। सभी धार्मिक अनुष्ठान पंडित गोविंद बल्लभ शर्मा और उनके सहयोगी पंडित लीलाधर शर्मा, किशोर शर्मा, मुरारी मोहन शर्मा, राजेश पांडेय, उपेंद्र पांडेय, सत्येंद्र द्विवेदी एवं अंकित पाठक ने कराया। गुरुवार को हवन, कंजक पूजन और अन्य धार्मिक अनुष्ठान के बाद माता का अटूट भंडारा किया गया। इसमें पूरे रामगढ़ जिले के हजारों श्रद्धालुओं ने माता के भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इसके पूर्व बुधवार की रात में माता वैष्णो देवी मंदिर में चल रहे धार्मिक अनुष्ठानों के क्रम में माता की प्रतिमा का दुग्धाभिषेक किया गया। श्रद्धालु और मंदिर ट्रस्ट की ओर से उपलब्ध कराए गए सवा दो क्विंटल दूध से माता की प्रतिमा का दुग्धाभिषेक किया। इसके बाद माता का श्रृंगार किया गया। माता के दुग्धाभिषेक को देखने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में देर रात तक मौजूद थे। भंडारे के दौरान व्यवस्था बनाए रखने में माता वैष्णो देवी मंदिर ट्रस्ट और पंजाबी हिन्दू बिरादरी के अध्यक्ष सूरत चन्द्र वासुदेव, महासचिव महेश मारवाह सहित सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

संक्षिप्त

प्रिंस सुपर किंग बना चैंपियन

सोनाहातू। प्रखंड के हारिन राधारानी मंदिर मैदान में दिन दिवसीय सोनाहातू पूर्वी चैंपियंस लीग कैनवास बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन गुरुवार को किया गया। तीन दिन से आठ टीमों के बीच मुकाबला होने के बाद फाइनल मुकाबला प्रिंस सुपर किंग और मां दुर्गा इलेवन के बीच हुआ। काफी संघर्ष के बाद प्रिंस सुपर किंग विजेता बना। फाइनल मुकाबला का उद्घाटन पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो के द्वारा किया गया। विजेता टीम को नगद 18 हजार तथा उपविजेता को नगद 12 हजार रुपए पुरस्कार दिया गया। मैन ऑफ द मनोज महतो, मैन ऑफ द सीरीज राहुल सोनी को दिया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व जिप उपाध्यक्ष चितरंजन महतो, सिल्ली प्रमुख जितेंद्र बड़ाईक, अक्षय महतो, अशोक दास, पूर्व मुखिया सहदर महतो आदि मौजूद थे। सोनाहातू पूर्वी चैंपियंस लीग के आयोजन में राजेश महतो, संजय दास, मनोज महतो, जगदीश महतो सहित कमिटी के सदस्यों का योगदान रहा।

हाथियों के झुंड ने फसल नष्ट किया

सोनाहातू। थाना क्षेत्र के कुड़ियामु गांव के किसान भीमसेन महतो के खलियान में रखा धान चाकी को हाथियों के झुंड ने मन भर खाया ओर नष्ट किए है। किसान के दो एकड़ के धान चाकी में रखा हुआ था। इधर लोवाहातू पंचायत के दुलमी गांव के किसान दल गोविंद कोइरी के खेते लगे आलू के फसल को हाथियों ने खाया ओर नष्ट किया है। शाम होते ही कोई न कोई गांव में नुकसान करते है। लोग भयभीत भी है और हताश भी है। हाथी भागने के कोई पहल नहीं किया जा रहा जिससे वन विभाग के प्रति काफी लोगों का काफी आक्रोश व्याप्त है।

नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए 4 लोगों ने खरीदा नामांकन पत्र

रामगढ़। रामगढ़ नगर पालिका आम निर्वाचन में बड़े पैमाने पर उम्मीदवार अपनी किस्?मत आजमा रहे हैं। चुनाव को लेकर गुरुवार को अध्यक्ष पद के लिए 4 और वार्ड पार्षद पद के लिए 94 अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र खरीदा है।

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान का दूसरा चरण होगा शुरू : डीसी

कुष्ठ रोग खोज अभियान के द्वितीय चरण को लेकर डीसी ने की बैठक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ जिले में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पुण्यतिथि के आलोक में 30 जनवरी से 14 फरवरी तक चलाए जाने वाले स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान सह कुष्ठ रोग खोज अभियान द्वितीय चरण शुरू होगा। यह अभियान नौ मार्च से 26 मार्च तक चलेगा। इसको लेकर गुरुवार को डीसी फैज अक अहमद मुमताज ने जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक की। इस दौरान चिकित्सक सावन कर ठाकुर की ओर से राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन अभियान के तहत आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कुष्ठ रोग के उपचार और रोकथाम कर वर्ष 2027 तक कुष्ठ रोग के तहत जीरो स्टिग्मा का लक्ष्य प्राप्त करना है। गांवों में शिविर लगाकर दें जानकारीः डीसी डीसी ने अभियान के तहत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित किए जाने वाले शिविरों के माध्यम से लोगों को कुष्ठ रोग से जुड़े भ्रांतियों को दूर करने, रोग की पहचान एवं त्वरित रूप से उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र सहित अन्य में जाने को लेकर जागरूक करने का निर्देश दिया। ज्यादा से ज्यादा ग्राम सभा आयोजित करने, इन कार्यों में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करने, विद्यालय स्तर पर बच्चों को कुष्ठ रोग से जुड़ी भ्रांतियों के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया। कुष्ठ मुक्त जिला बनाने का लें संकल्प बैठक के दौरान डीसी ने सभी को जिले को कुष्ठ मुक्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ने को कहा। कुष्ठ रोगियों की यथाशीघ्र पहचान के लिए हर संभव प्रयास करने, लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जिले में उपलब्ध संसाधनों का यथासंभव उपयोग करने, जो भी व्यक्ति कुष्ठ रोग से ग्रसित हैं उनके साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करने, ना ही किसी अन्य को इसकी इजाजत देने, व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव और घृणा खत्म करने के लिए कार्य करने और उन्हें मुख्य धारा में लाने के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान देने से संबंधित शपथ दिलाई।

दिव्यानी लिंडा का भारतीय फुटबॉल टीम में चयन

पिठोरिया। नेपाल में आयोजित होने वाली सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप के लिए भारतीय महिला फुटबॉल टीम की घोषणा की गई है। इस टीम में झारखंड की छह प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इनमें रांची जिले के ओरमांझी प्रखंड अंतर्गत चंद्रा गांव की रहने वाली दिव्यानी लिंडा भी शामिल है। दिव्यानी लिंडा पूरी भारतीय टीम के साथ नेपाल पहुंच चुकी हैं। भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 31 जनवरी को खेलेगी। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद दिव्यानी ने अपने संघर्ष और मेहनत के बल पर एक बार फिर टीम इंडिया में स्थान बनाकर झारखंड का नाम रोशन किया है। दिव्यानी लिंडा की इस उपलब्धि पर समाजसेवी जगदीश सिंह जग्गू, रश्मि तिर्की, उनके कोच अनवरुल हक उर्फ बबलू, डॉ. शहनवाज कुरैशी, स्वामी देवेंद्र प्रकाश, समंदर लाल, आशुतोष त्रिवेदी, रेखा महतो, सुरेंद्र उरांव एवं शकील अहमद साथ ही एक्स आर्मी साथियों ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की है।

पिठोरिया थाना क्षेत्र में दो एकड़ में लगी अवैध अफीम की फसल किया नष्ट

पिठोरिया। रांची जिले के पिठोरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुरैठा, पत्राटोली एवं चिरुआ के वन क्षेत्र में पुलिस ने विशेष अभियान के तहत अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को नष्ट किया। इस कार्रवाई में लगभग दो एकड़ क्षेत्रफल में लगी अफीम की फसल को पूरी तरह नष्ट किया गया। यह अभियान थाना प्रभारी सतीश कुमार पांडे के नेतृत्व में चलाया गया। इसमें एसआई एकबाल हुसैन, सुनील कुमार दास एवं संतोष यादव सहित पिठोरिया पुलिस बल के जवान शामिल थे। पुलिस टीम ने वन क्षेत्र में सघन छापेमारी कर अफीम की अवैध खेती को चिन्हित किया। नियमानुसार उसे नष्ट किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशीले पदार्थों की अवैध खेती एवं कारोबार के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। आम जनता से भी अपील की गई है कि यदि कहीं भी नशीले पदार्थों की खेती या तस्करी की सूचना मिले तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें, ताकि समय रहते सख़्त कार्रवाई की जा सके। इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशीले पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान को बड़ी सफलता मिली है। ग्रामीणों में पुलिस की सक्रियता को लेकर सकारात्मक संदेश गया है।

इटकी के गांवों में जंगली हाथियों का तांडव जारी, फसलों को पहुंचाया भारी नुकसान

इटकी। प्रखण्ड के गांवों में जंगली हाथियों का झुण्ड पिछले डेढ़ माह से उत्पात मचा रखा है। बुधवार की देर रात चार जंगली हाथियों ने हरही, रानीडीह और महतो टोली में किसानो के खेतों में लगी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। हरही गांव के निकट हाथियों के आने की सूचना पर ग्रामीण एक जुट होकर खदेड़ना शुरू किया। इसके बाद हाथी रानीडीह और हरही गांव से सटे खेतों में पहुंच कर आलू, फ्रेंचबीन, मकई सहित अन्य फसलों को आहार बनाकर या फिर रौंद कर बर्बाद कर दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों की संख्या चार है जो अलग अलग बट गये है और फसलों को लगातार क्षति पहुंचा रहे है। शाम ढलते ही हाथी अपनी भूख मिटाने के लिए जंगल से बाहर निकल आते है और खेतों में पहुंच कर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है। फिलहाल हाथियों का झुण्ड कादी जंगल में अड्डा जमा रखें है। हाथियों ने हरही गांव के रंजीत गोप, मनोज शाही, करम शाही, विक्रम शाही, रानीडीह के सिकन्दर महतो और आनन्द महली सहित कई किसानों के खेतों में लगी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। हाथियों ने लगातार फसलों को क्षति पहुंचाकर किसानों को हजारों की आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे है। वन कर्मियों द्वारा हाथियों को खदेड़ने के लिए प्रयास जारी है,किन्तु उन्हें सफलता नही मिली है।

निकाय चुनाव की घोषणा के बाद बगैर अनुमति के नहीं निकलेगा जुलूस

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

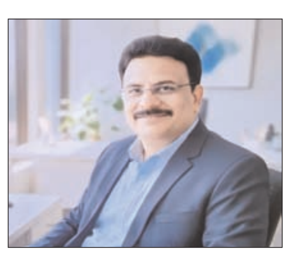

रामगढ़। नगर निकाय चुनाव की घोषणा के बाद रामगढ़ अनुमंडल क्षेत्र में डेली प्रचार और आमसभा पर रोक लगा दी गई है। एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी ने अनुमंडल क्षेत्र के संपूर्ण नगर परिषद क्षेत्र में धारा 163 लगा दिया है। उन्होंने कहा है कि कोई भी व्यक्ति राजनीतिक दल, संगठन, प्रत्याशी की ओर से बिना अनुमति के न तो सभा कर सकेंगे और न ही ना ही जुलूस निकाला जा सकेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग जिनके पास हथियार होगा वे उसे चला नहीं सकेंगे है। एसडीओ ने बताया कि रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर का प्रयोग नहीं होगा। उन्होंने बताया कि सभा और जुलूस में राजनीतिक प्रतिद्वंदिता और प्रतिस्पर्धा के कारण मतदाताओं को प्रभावित और आतंकित किए जाने की भी संभावना है। इसलिए ऐसे मामलों पर तत्काल कार्रवाई होगी। इसके अलावा इस दौरान किसी सार्वजनिक व सरकारी संपत्ति पर नारा लिखना, पोस्टर और पंपलेट चिपकाना, पार्टी विशेष का झंडा लगाना, सार्वजनिक सड़कों पर बैनर लगाना प्रतिबंधित कर दिया गया है।

जीएम लैंड पर कब्जा कर रहे भू-माफियाओं को सीओ ने रोका

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ शहर में भू माफिया एक बार फिर सरकारी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे। गुरुवार को रामगढ़ अंचल अधिकारी रमेश रविदास ने इस मामले में कार्रवाई की और भू माफियाओं को सरकारी जमीन पर चारदीवारी करने से रोक दिया। अंचल अधिकारी रमेश रविदास ने बताया कि गढ़बांध के पारे बस्ती में एक फैक्ट्री के बगल में लगभग तीन एकड़ से अधिक भू-भाग पर कुछ लोगों की ओर से चारदिवारी का निर्माण किया जा रहा था। जिस जगह पर काम हो रहा था वहां पर गैरमंजरूआ जमीन भी है, जिसे कब्जा करने का प्रयास हो रहा था। जानकारी मिलते ही सीआई, कर्मचारी और अमीन को पारे बस्ती में भेजा गया। सभी लोगों ने मिलकर जमीन की मापी की। साथ ही सरकारी जमीन पर हो रहे कब्जे को रोका गया। उन्हें सरकारी जमीन से हटकर अपने निजी जमीन पर काम करने का हिदायत दिया गया है। अंचल अधिकारी ने कहा कि किसी भी स्तर पर भू माफियाओं को सक्रिय नहीं होने दिया जाएगा।

नगर परिषद चुनाव को लेकर निर्वाची व सहायक निर्वाची पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ नगर परिषद चुनाव के सफल और सुचारु रूप से संचालन को लेकर निवार्ची पदाधिकारियों एवं सहायक निवार्ची पदाधिकारियों को जिला समाहरणालय के सभागार में गुरुवार को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान नामांकन प्रक्रिया से संबंधित सभी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा भी की गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता की ओर से अधिकारियों को नामांकन से जुड़ी सभी आवश्यक प्रक्रियाओं, दिशा-निदेर्शों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि नामांकन प्रक्रिया निर्वाचन की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसमें पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है।

मौके पर नामांकन पत्रों की जांच, प्राप्ति, स्क्रूटनी, आपत्तियों के निस्तारण, अभ्यर्थियों को दी जाने वाली सूचनाओं, दस्तावेजों के संधारण, निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुपालन एवं आदर्श आचार संहिता के पालन पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। साथ ही नामांकन से संबंधित व्यवस्थाओं जैसे काउंटर प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों एवं उनके प्रस्तावकों की सुविधा, भीड़ प्रबंधन तथा अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर भी चर्चा की गई। प्रशिक्षण के दौरान सभी निवार्ची एवं सहायक निवार्ची पदाधिकारियों से अपील की गई कि वे अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, सतर्कता एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप करें, ताकि नगर परिषद आम निर्वाचन को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया जा सके।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। कर्रा प्रखंड के बिरदा ग्राम स्थित राजकीयकृत मध्य सह उत्क्रमित उच्च विद्यालय में राष्ट्रीय बालिका दिवस सप्ताह के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) विकास भारती की ओर से गुरुवार को समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकडों बालिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में बालिकाओं के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जेएसएस के प्रभारी निदेशक राजेश शर्मा ने बालिकाओं को कौशल विकास के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक और जीवनोपयोगी कौशल बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बालिका दिवस के महत्व, बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसरों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यालय के प्राचार्य नागेंद्र तिवारी ने बालिकाओं को आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ने और समाज में सकारात्मक बदलाव की वाहक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान मेधावी छात्राओं को जन शिक्षण संस्थान की ओर से मोमेंटो, प्रमाण-पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होनेवाली छात्राओं में सालेहा, मिस्कत, रजनी, सुप्रिया और काजल शामिल रहीं। वहीं चित्रांकन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली अंजलि, अर्चना, अनिशा सहित अन्य छात्राओं को मेडल और प्रमाण-पत्र दिया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी शशि प्रकाश ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजीव ठाकुर, अनामिका कुमारी और विद्यालय के शिक्षकों की सराहनीय भूमिका रही।

श्री खाटू श्याम के भजन पर झूमे श्रद्धालु

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ शहर के नेहरू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर का प्रथम वर्षिकोत्सव पर लगातार कार्यक्रम हो रहा है। दूसरे दिन गुरुवार को कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पाठकर्ता पंडित घनश्याम व्यास और संतोष भाई ने किया। समस्त पूजन कार्य विष्णु पोद्दार, संजय अग्रवाल, मुकेश बौंदिया, ऋषभ पटवारी, रितिक परशुरामपुरिया सपत्नीक के हाथों पुजारी ने संपन्न कराया। इसके बाद श्री श्याम चौरासी का पाठ, श्री श्याम परिवार अरदास मंडल के द्वारा किया गया। वहीं, अयोध्या से आए बंकू सिस्टर और लव अग्रवाल ने एक से बढ़कर एक भजन पेश कर श्रद्धालुओं को झुमाया। कार्यक्रम को लेकर कोलकाता से आए मालियों के द्वारा पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक खुशबूदार फूलों से सजाया गया था। मुख्य द्वार को पूरी के जगन्नाथ मंदिर का रूप दिया गया। यहां लोगों को भगवान जगन्नाथ के दर्शन भी हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक विनय अग्रवाल ने सारे कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। अध्यक्ष सांवरमल अग्रवाल, सचिव अनिल अग्रवाल, ट्रस्टी रमेश अग्रवाल, राजेश पथरवा, मुरारी अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, सोनू पटवारी, कमल बगड़िया सहित अन्य शामिल थे।

मोरहाबादी मैदान में रोड सेफ्टी मैराथन 2026 का आयोजन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को मोरहाबादी मैदान में रोड सेफ्टी मैराथन 2026 का आयोजन किया गया। इस मैराथन में युवाओं, खिलाड़ियों, स्कूली बच्चों, सामाजिक संगठनों के सदस्यों और आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना था कि यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है।

मैराथन जिला प्रशासन और राज्य सरकार के सहयोग से आयोजित की गई, जिसकी थीम सीख से सुरक्षा रखी गई थी। मैराथन के दौरान प्रतिभागियों के हाथों में सड़क सुरक्षा से जुड़े स्लोगन और संदेश लिखी तख्तियां दिखाई दीं। इनमें सुरक्षित ड्राइविंग, हेलमेट और सीटबेल्ट के उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचाव और ट्रैफिक नियमों के पालन पर विशेष जोर दिया गया। आयोजन स्थल से लेकर पूरे मैराथन रूट तक सड़क सुरक्षा का संदेश गूंजता रहा।

इस अवसर पर रांची के यातायात पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह ने कहा कि इस मैराथन का विशेष फोकस बच्चों और युवाओं पर रखा गया है। उन्होंने बताया कि बच्चों के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश परिवार और समाज तक आसानी से पहुंचता है। यदि बच्चे ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक होंगे, तो वे अपने आसपास के लोगों को भी सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। इसी कारण इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित की गई। उन्होंने यह भी बताया कि यातायात जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसके तहत लोगों को समझाया जा रहा है कि हेलमेट और सीटबेल्ट केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि जान बचाने के लिए जरूरी हैं। साथ ही, शराब पीकर वाहन चलाने, मोबाइल फोन के इस्तेमाल और तेज रफ्तार से होने वाली दुर्घटनाओं के खतरों के बारे में भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जनवरी माह को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने और सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं से जोड़ने के लिए राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य जिलों में भी कई जागरूकता कार्यक्रम और अभियान चलाए गए।

फिरायालाल पब्लिक स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरुकता सत्र

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। फिरायालाल पब्लिक स्कूल में कक्षा चार के विद्यार्थियों के लिए सड़क सुरक्षा जागरुकता सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र यंग इंडियंस के रोड सेफ्टी वर्टिकल के रीजनल मेंटर राहुल मारू द्वारा संचालित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में यातायात नियमों के पालन एवं सड़क पर सुरक्षित व्यवहार के प्रति जागरूकता विकसित करना था।

इस सत्र में 9-10 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों को केंद्र में रखा गया। सत्र में सड़क सुरक्षा शिक्षा, अभिभावकों की सहभागिता, सामुदायिक भागीदारी, ट्रैफिक लाइट्स की समझ, सुरक्षा उपकरणों के उपयोग का महत्व और सतर्क रहने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया।

संक्षिप्त

डीएसपीएमयू में छात्र संगठनों ने प्रशासनिक भवन में की तालाबंदी

रांची। रांची स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के प्रशासनिक भवन में गुरुवार को आदिवासी छात्र संघ, ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) छात्र संघ और नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने संयुक्त रूप से तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और चयन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया। छात्र संगठनों के नेताओं ने बताया कि यह विरोध विश्वविद्यालय युवा महोत्सव स्पंदन के तहत केंद्रीय स्तर पर भेजे गए प्रतिभागियों के चयन में पक्षपात और अनियमितता के आरोपों को लेकर किया गया है। आदिवासी छात्र संघ के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के अध्यक्ष विवेक तिर्की ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि आदिवासी विद्यार्थियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि छात्रों की मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को चरणबद्ध रूप से तेज किया जाएगा।

बीआईटी मेसरा में रोबोसागा 2026 का आयोजन

रांची। बीआईटी, मेसरा में रोबोसागा 2026 का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों, संकाय सदस्यों और उद्योग विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी रही। संस्थान के रोबोल्यूशन क्लब द्वारा आयोजित यह रोबोटिक्स कार्यक्रम 23 जनवरी से 25 जनवरी 2026 तक चला। कार्यक्रम में प्रतिस्पर्धी रोबोटिक्स चुनौतियां, तकनीकी प्रदर्शनी, विशेषज्ञ व्याख्यान और व्यावहारिक कार्यशालाएं शामिल रहीं। उद्घाटन सत्र में डॉ. प्रविण श्रीवास्तव, छात्र कल्याण अधिष्ठाता; डॉ. दिलीप कुमार उपाध्याय एवं डॉ. गौतम शांडिल्य, सह-छात्र कल्याण अधिष्ठाता और डॉ. विनय कुमार, रोबोल्यूशन क्लब के संकाय सलाहकार उपस्थित रहे।

झारखंड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शो-2026 का किया उद्घाटन

देश के खनन क्षेत्र में झारखंड की भूमिका अहम : संतोष कुमार गंगवार

प्रभात तारा मैदान धुर्वा में 31 जनवरी तक चलेगा एक्जीबिशन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। ओलंपिया एग्जिबिशन प्राइवेट लिमिटेड के तत्वावधान में प्रभात तारा मैदान में आयोजित तीन दिवसीय ह्लद्वितीय संस्करण झारखंड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शोझ्र2026ह्व का उद्घाटन राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने 29 जनवरी को किया। मौके पर उन्होंने कहा कि झारखंड प्राकृतिक एवं खनिज संसाधनों से अत्यन्त समृद्ध राज्य है। देश के खनन क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। देश के कुल खनिज संसाधनों का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा झारखंड में पाया जाता है, जिससे राज्य में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

राज्यपाल ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की यह पावन धरती सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ-साथ राष्ट्र को विभिन्न क्षेत्रों में नई दिशा प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश ह्वआत्मनिर्भर एवं सशक्त भारतह्व के संकल्प के साथ ह्वविकसित भारत @2047ह्व के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, जिसमें झारखंड की भी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह स्पष्ट दृष्टिकोण है कि संसाधनों का उपयोग केवल आर्थिक लाभ तक सीमित न रहे, बल्कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शो-2026 केवल खनन गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तरदायी एवं तकनीक आधारित खनन, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, श्रम-कल्याण, अधोसंरचना विकास, निवेश संवर्धन तथा रोजगार सृजन जैसे समकालीन विषयों को भी समाहित करता है। उन्होंने विकास और पर्यावरण, उद्योग और श्रमिक हित तथा आर्थिक प्रगति और सामाजिक संतुलन के बीच समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने कहा कि माइनिंग सेक्टर में झारखंड की अहमियत अधिक है। यहां माइनिंग सेक्टर की असीम संभावना है। माइनिंग सेक्टर में लगातार बदलाव आ रहा है। अभी एक बिलियन टन कोयला का खनन हो रहा है। अब कोयला आयत की जगह पर निर्यात करने की बात हो रही है। स्टील में प्रोडक्शन लगातार बढ़ रहा है। माइनिंग सेक्टर में छोटे-छोटे माइनर भी आ रहे हैं, जो विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देंगे।

ओलंपिया एग्जिबिशन प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन लोकेश चौधरी और सीईओ एसके त्रिपाठी ने कहा कि खनन, निर्माण और बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़े उद्योगों के लिए रांची में दूसरी बार झारखंड माइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन शो 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में माइनिंग, मिनरल्स, कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, पावर, स्टील, सीमेंट और सहायक उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी।

पढ़ाई में भी जाति के नाम पर समाज को बांटना चाह रही है केंद्र सरकार : ब्राह्मण महासभा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड ब्राह्मण महासभा ने यूजीसी 2026 नियमावली को लेकर केंद्र सरकार पर समाज को जाति के आधार पर बांटने का आरोप लगाया है। महासभा के संयोजक मनोज कुमार पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रस्तावित प्रावधानों से देश के सामान्य वर्ग के छात्र-छात्राओं का भविष्य प्रभावित होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार शिक्षा के क्षेत्र में भी जाति को आधार बनाकर आपसी भाईचारे को कमजोर करना चाहती है। मनोज कुमार पाण्डेय ने कहा कि यूजीसी 2026 के तहत पढ़ाई के बजाय छात्रों को आपसी विभाजन की ओर धकेलने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इसे काला कानून बताते हुए कहा कि इसके जरिए पूरे देश में आपसी विद्वेष फैलाने की साजिश रची जा रही है। झारखंड सहित पूरे देश का ब्राह्मण समाज इस कानून का पुरजोर विरोध करता है और आगामी भारत बंद का समर्थन करेगा। महासभा की महिला सेल की संयोजिका ललिता ओझा ने कहा कि झारखंड की ब्राह्मण महिलाएं भी इस कानून के खिलाफ एकजुट हैं।

विद्यार्थियों के बीच फलदार पौधों का किया गया वितरण

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम ने समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से बरियातू रोड स्थित स्वर्णरेखा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के नर्सिंग, फामेर्सी व पारा मेडिकल के विद्यार्थियों के बीच 100 फलदार पौधों का वितरण किया। मौके पर समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट एवं रिलेशंस ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सेमिनार का भी आयोजन किया। इसमें पर्यावरण संरक्षण संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों को शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीए व समाजसेवी दीपक बंका थे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर निगम के उप प्रशासक रविन्द्र कुमार, सहायक अभियंता सौरभ कुमार केसरी, स्वर्णरेखा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के निदेशक डॉ सिद्धार्थ प्रकाश, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, निगम के सुपरवाइजर लोकेश कुमार, समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया व सुधाकर यादव उपस्थित थे।

मौके पर प्राचार्य (स्वर्णरेखा कॉलेज ऑफ फामेर्सी) डॉ विद्यासागर, प्राचार्या (स्वर्णरेखा कॉलेज ऑफ नर्सिंग) सोनी प्रसाद, रजनीश झा, नेहा चौहान, नीलोफर जमीर, डोली कच्छप, अन्नू कुमारी, सिकंदर यादव, तान्या कुमारी, अलका सुधा कुजूर, सलोनी सोनी, अनीता बासकी आदि कई लोग उपस्थित थे।

श्री चैती दुर्गा मंदिर भुताहा तालाब से निकली भव्य कलश यात्रा

कलश यात्रा के साथ मंदिर का दसवां वार्षिकोत्सव हुआ शुरू

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। श्री चैती दुर्गा मंदिर, भुताहा तालाब का दसवां वार्षिक महोत्सव गुरुवार, 29 जनवरी 2026 को श्रद्धा और भक्ति के साथ प्रारंभ हुआ। महोत्सव के पहले दिन सुबह 8:30 बजे भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महोत्सव की शुरूआत प्रातः 5:30 बजे माता का पट खुलने के साथ हुई। इसके बाद सुबह 7:30 बजे माता की विधिवत आरती की गई। सुबह 9:30 बजे गाजे-बाजे और जयकारों के साथ कलश यात्रा निकाली गई, जो महावीर चौक, गांधी चौक, शहीद चौक, सुभाष चौक होते हुए त्रिकोण हवन कुंड पहुंची। वहां जल भरकर कलश यात्रा कचहरी रोड, जयपाल सिंह स्टेडियम होते हुए श्री चैती दुर्गा मंदिर प्रांगण पहुंची।

कलश यात्रा में शामिल 501 महिलाओं का मंदिर परिसर में पहुंचने पर मंदिर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। पंडित सुभाष चंद्र मिश्रा के द्वारा पूजा संपन्न कराई गई। इसके बाद गौरी पूजन, वेदी पूजन, आरती एवं पुष्पांजलि की गई तथा श्रद्धालुओं के बीच भोग का प्रसाद वितरित किया गया। दसवें वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को सुबह 9 बजे माता का महा स्नान, दुर्गा अष्टमी पाठ, आरती एवं पुष्पांजलि का आयोजन होगा। वहीं महोत्सव के तीसरे दिन शनिवार को दोपहर 1 बजे से महाभंडारा और शाम 6:30 बजे महाआरती का आयोजन किया जाएगा।

श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में 1 फरवरी को महाप्रसाद व निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में 1 फरवरी (रविवार) को धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने संयुक्त रूप से यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट द्वारा मंदिर परिसर में प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाले अन्नपूर्णा महाप्रसाद भंडारा को पाँच वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर 1 फरवरी को 251वां अन्नपूर्णा महाप्रसाद भंडारा, श्री राधा रानी का अलौकिक एवं भव्य श्रृंगार, भजन जागरण तथा सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया है। इसके साथ ही भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल के सौजन्य से एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच चिकित्सा शिविर भी लगाया जाएगा। इस शिविर में ईसीजी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, वजन, पल्स ऑक्सीजन सहित अन्य जांच सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। साथ ही चिकित्सकों द्वारा मरीजों को आवश्यक परामर्श एवं इलाज संबंधी मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। ट्रस्ट की ओर से सभी श्रद्धालुओं और आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रमों एवं स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाने की अपील की गई है।

अमिटी विश्वविद्यालय झारखंड में मूट कोर्ट : विधिक अभ्यास की नींव विषय पर कार्यशाला का आयोजन

रांची। अमिटी विश्वविद्यालय झारखंड की दृष्टि एवं मिशन के अनुरूप तथा माननीय संस्थापक अध्यक्ष एवं माननीय कुलाधिपति के आशीर्वाद से, अमिटी विश्वविद्यालय झारखंड के अमिटी लॉ स्कूल की मूट कोर्ट एसोसिएशन द्वारा 29 जनवरी 2026 को मूट कोर्ट : विधिक अभ्यास की नींव विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अमिटी विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति डॉ. अशोक के. श्रीवास्तव ने अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यशाला का संचालन एडवोकेट श्रुति भारती, एसोसिएट (कॉर्पोरेट एवं कमर्शियल लॉ), विधि एसोसिएट्स द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को मूट कोर्ट अभ्यास की बारीकियों से अवगत कराया तथा इसे विधि शिक्षा का एक अभिन्न और महत्वपूर्ण अंग बताया। वक्ता ने मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं में भाग लेते समय ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में उन्होंने कहा, मूट कोर्ट कानून के अभ्यास में प्रवेश का पहला कदम है। एक वकील के रूप में आप कभी कोई मामला नहीं हारते, आप कभी खेल से बाहर नहीं होते; आप हमेशा खेल में बने रहते हैं। उन्होंने छात्रों को चुनौतियों को स्वीकार करने, गहन शोध में संलग्न होने तथा अपने तर्कों को आत्मविश्वास और दृढ़ विश्वास के साथ प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया।

एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल के नए ब्रांच का उद्घाटन 01 फरवरी को, विधायक नवीन जायसवाल होंगे मुख्य अतिथि

रांची। शिव नगर, झिरी रोड, कमड़े स्थित एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल के नए ब्रांच का शुभ उद्घाटन 01 फरवरी 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर हटिया विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक नवीन जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर वरिष्ठ भाजपा नेता सह समाजसेवी देवेंद्र सिंह, रातू प्रखंड की प्रमुख संगीता तिर्की, फुटकल टोली पंचायत की मुखिया प्रभा तिर्की, पंचायत समिति सदस्य रश्मि रेणु कुमारी, छात्र क्लब मानव कल्याण मंच (यूनिट—छात्र क्लब ग्रुप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, वरीय संरक्षक विजय कुमार पाठक, विद्यालय के संस्थापक शिव कुमार विश्वकर्मा, विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश तथा समाजसेवी राजकुमार भगत सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। विद्यालय के निदेशक कार्तिक विश्वकर्मा ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं विद्यालय की प्राचार्या शोभा देवी ने कहा कि उद्घाटन समारोह की सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं और स्थानीय लोगों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। यह जानकारी विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य सच्चिदानंद विश्वकर्मा एवं प्रबंधक दयानंद विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से दी।

अभिभावक बेटियों को शिक्षा दें, बाल विवाह से रोकें : सुमन ठाकुर

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। बाल विवाह के खिलाफ 100 दिवसीय कार्रवाई के तहत गुरुवार को चान्हो प्रखंड अंतर्गत रोल पंचायत भवन, चान्हो में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माननीय न्यायामूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर, माननीय न्यायायुक्त रांची अनिल कुमार मिश्रा-1 के नेतृत्व में तथा डालसा सचिव राकेश रौशन की देखरेख में आयोजित किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा संचालित आशा अभियान के अंतर्गत हुआ।

इस अवसर पर पीएलवी सुमन ठाकुर, हरिराम करमाली, सोनु कुमार, निलश्याम कुमार, संजीत उरांव, सुमाती कुमारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। पीएलवी सुमन ठाकुर ने कहा कि बाल विवाह समाज के विकास में सबसे बड़ी बाधा है और इससे लड़कियों का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। उन्होंने अभिभावकों से बेटियों को शिक्षा देने और समय से पहले विवाह न कराने की अपील की। पीएलवी निलश्याम कुमार ने जानकारी दी कि बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत लड़के की न्यूनतम विवाह आयु 21 वर्ष और लड़की की 18 वर्ष निर्धारित है। इससे कम उम्र में किया गया विवाह कानूनन अपराध है। पीएलवी हरिराम करमाली ने कहा कि न्यायालय को संभावित बाल विवाह रोकने, बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आवश्यकता पड़ने पर संरक्षण गृह में रखने का अधिकार है।

पीएलवी सोनु कुमार ने बताया कि बाल विवाह की सूचना मिलते ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चाइल्डलाइन-1098, टॉल फ्री नंबर 15100 या नजदीकी थाना को सूचित करना प्रत्येक नागरिक का कानूनी और नैतिक दायित्व है। पीएलवी निलश्याम ने नशा उन्मूलन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशा तन और धन दोनों की हानि करता है। वहीं संजीत उरांव ने पीड़ित मुआवजा योजना एवं मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम के बारे में जानकारी दी। सुमाती कुमारी ने डालसा रांची द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली कानूनी सहायता सेवाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों के बीच पंपलेट और लीफलेट का वितरण किया गया तथा आगामी 14 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी भी दी गई। यह जानकारी डालसा सचिव राकेश रौशन ने दी।

कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से मिली मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

मनरेगा, पेसा और ग्रामीण मजदूरों के मुद्दे पर हुई चर्चा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिल्ली में कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की। इस दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), उसमें झारखंड की भूमिका, असंगठित क्षेत्र के ग्रामीण मजदूरों की भागीदारी तथा पेसा कानून को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पहले की तरह नियमित रोजगार उपलब्ध होता रहे, इसके लिए कांग्रेस संगठन जमीनी स्तर पर आंदोलन के जरिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाएगा। उन्होंने झारखंड में मनरेगा से जुड़े विभिन्न मुद्दों, मजदूरों के सामने आ रही चुनौतियों और रोजगार सृजन की बढ़ती जरूरतों से संगठन महासचिव को अवगत कराया। मुलाकात के दौरान अनुसूचित क्षेत्रों में राज्य सरकार द्वारा लागू पेसा नियमावली के महत्व, उसके प्रभावी क्रियान्वयन और भविष्य की कार्ययोजना पर भी गहन चर्चा हुई।

मंत्री ने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि पेसा कानून के तहत पारंपरिक ग्राम सभाओं को मिले अधिकारों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में कांग्रेस संगठन सक्रिय भूमिका निभाएगा। इसके अलावा मंत्री तिर्की ने झारखंड में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा किसानों को समृद्ध बनाने, उन्हें नवाचार से जोड़ने और उनके उत्पादों को उचित मूल्य दिलाने की दिशा में चल रही विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी केसी वेणुगोपाल को दी।

पांच निकायों के लिए पहले दिन 333 नामांकन फार्म बिके, नॉमिनेशन शून्य

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। पलामू जिले के पांच नगर निकायों के लिए गुरुवार से नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। पहले दिन किसी क्षेत्र से कोई नामांकन नहीं हुआ, लेकिन बड़े पैमाने पर नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। कुल 333 नामांकन फार्म बिके, जिसमें पार्षद पद के लिए 292, मेयर पद के लिए 8 एवं अध्यक्ष पद के लिए 33 शामिल है। 4 फरवरी तक नामांकन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। नॉमिनेशन वापस लेने की आखिरी तारीख छह फरवरी हैं। वहीं सात फरवरी को निर्वाचन प्रतीक आवंटित किया जाएगा। 23 फरवरी को चुनाव होंगे। वहीं मतगणना 27 फरवरी को होगी। उल्लेखनीय है कि जिले में मेदिनीनगर नगर निगम, बिश्रामपुर नगर पर्षद, हुसैनाबाद, हरिहरगंज एवं छतरपुर नगर पंचायत के लिए चुनाव हो रहा है। नामांकन के पहले दिन मेदिनीनगर नगर निगम चुनाव को लेकर पार्षद के लिए जहां 106 आवेदन फार्म बिके, वही मेयर पद के लिए आठ नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। सदर प्रखंड कार्यालय परिसर में वार्ड पार्षद पद के लिए दो अलग-अलग काउंटर बनाकर नामांकन पत्रों की बिक्री की गई, जबकि मेयर पद के लिए समाहरणालय स्थित अपर समाहर्ता के कार्यालय में नामांकन फॉर्म की बिक्री हुई। नामांकन फार्म खरीदने के लिए दोपहर तीन बजे तक सदर प्रखंड कार्यालय में भीड़ भाड़ रही।

मृत बाबा परिहस्त गिरोह के दो सक्रिय सदस्य अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

देवघर। नगर थाना पुलिस ने अवैध हथियार के साथ किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक अवैध पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, एक बुलेट मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार 29 जनवरी की शाम करीब 7:40 बजे नगर थाना प्रभारी को सूचना मिली थी कि शिक्षा सभा चौक के पास मृत बाबा परिहस्त गिरोह के दो सक्रिय सदस्य अवैध हथियार के साथ संदिग्ध स्थिति में घूम रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी ने वरीय अधिकारियों को अवगत कराया। उनके निर्देश पर तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया गया।

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और छापेमारी के दौरान दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक अवैध पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और घटना में प्रयुक्त बुलेट मोटरसाइकिल (नंबर जेएच-15एजे-9678) बरामद की गई।

संक्षिप्त

श्री गोपाल फार्मा का शुभारंभ

देवीपुर। एम्स के गेट नंबर वन के सामने श्री गोपाल फार्मा का शुभारम्भ झामुमो किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष व पूर्व जिला परिषद महेंद्र यादव ने किया। फार्मा के ऑनर ने बताया कि यहां ग्राहकों को 5 प्रतिशत से लेकर 85 प्रतिशत तक की भारी छूट मिल रही है। चाहे सामान्य दवाइयां हों, क्रॉनिक बीमारियों की दवाएं या विशेष उपचार से जुड़ी मेडिसीन।

सिंदरी विधानसभा युवा कांग्रेस की कार्यकारिणी की बैठक

धनबाद। सिंदरी विधानसभा युवा कांग्रेस की कार्यकारिणी की बैठक गोविंदपुर स्थित डाक बंगला में हुई। बैठक में जिला युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आदित्य आनंद सहित युवा कांग्रेस के दर्जनों पदधारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मौके पर जिला युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आदित्य आनंद ने कहा कि संगठन सशक्तिकरण को लेकर धनबाद के सभी विधानसभा में कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की जा रही हैं। युवा कांग्रेस जिला के सभी प्रखंडों एवं नगरों में युवाओं को संगठन में जोड़कर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया हैं। आगे उन्होंने कहा कि कांग्रेस संगठन के द्वारा मुझे जो जिम्मेवारी एवं दायित्व दी गई हैं। निश्चित रूप से उस जिम्मेवारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के निर्वहन करुंगा साथ -साथ कांग्रेस संगठन को सशक्त, मजबूत और धारदार बनाने का काम करेंगे!

पाइप लदा ट्रेलर चुटूपालू घाटी में पलटा घंटों यातायात बाधित

रामगढ़। रामगढ़-रांची मुख्यमार्ग 33 पर चुटूपालू घाटी में गुरुवार को पाइप लदा ट्रेलर पलट गया। इस घटना के बाद रांची से रामगढ़ आने वाली मार्ग घंटों जाम हो गई। हालांकि घटना में ट्रेलर चालक और खलासी बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार रांची से रामगढ़ की ओर आ रही ट्रेलर संख्या एनएल 01 एई 9894 घाटी में अनियंत्रित हो कर पलट गई।

उपायुक्त ने की सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त दिनेश यादव ने नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 को लेकर समाहरणालय सभागार में सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान प्रत्येक कोषांग द्वारा अब तक की गई तैयारियों की स्थिति की जानकारी ली। आवश्यक सुधारात्मक एवं कार्यान्वयन संबंधी दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सभी कार्यों को समयबद्ध, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संपन्न कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी कोषांग आपसी समन्वय एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने निर्वाचन अवधि के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नगरपालिका निर्वाचन, 2026 को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान तथा आदर्श आचार संहिता के प्रभावी अनुपालन के लिए सतत निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की अपील की। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, नोडल पदाधिकारी नगरपालिका कोषांग-सह-उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा, अपर समाहर्ता राज महेश्वरम, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुशील कुमार राय, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा संजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी श्री बंशीधरनगर प्रभाकर मिर्धा, अनुमंडल पदाधिकारी रंका रुद्र प्रताप, जिला परिवहन पदाधिकारी धीरज प्रकाश, भूमि सुधार उपसमाहर्ता रवीश राज सिंह, जिला पंचायती राज पदाधिकारी प्रमेश कुशवाहा, पुलिस उपाधीक्षक यशोधरा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंकज कुमार गिरी सहित निर्वाचन कार्य से जुड़े अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

भारतीय फुटबॉल टीम में झारखंड की छह बालिका खिलाड़ी शामिल

गुमला। झारखंड के गुमला आवासीय बालिका फुटबाल प्रशिक्षण केंद्र इंनडोर स्टेडियम की चार महिला खिलाड़ियों का चयन भारतीय टीम में किया गया है। सैफ अंडर 19 महिला फुटबॉल में भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश की टीमें भाग ले रही है। भारत का पहला मैच 31 जनवरी को नेपाल के साथ होगा। साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन के अंतर्गत 31 जनवरी से 7 फरवरी तक नेपाल के काठमांडू शहर में आयोजित सैफ अंडर-19 महिला फुटबॉल चैंपियनशिप 2026 के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की गई है। इसमें झारखंड की06 बालिकाओं को भारतीय टीम में शामिल किया गया है, जो भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। झारखंड सरकार के खेल विभाग द्वारा संचालित आवासीय बालिका फुटबाल प्रशिक्षण केंद्र इनडोर स्टेडियम गुमला की 4 खिलाड़ियों एलिजाबेथ लकड़ा, अनीता डुंगडुंग, सूरज मुनि कुमारी और विनीता होरो, आवासी बालिका फुटबाल प्रशिक्षण केंद्र, हजारीबाग अनुष्का कुमारी एवं स्टार वॉरियर्स रांची से दिव्यानी लिंडा टीम में शामिल की गई हैं। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन,खेल मंत्री सुदीब्य कुमार सोनू, खेल सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक आसिफ इकराम, झारखंड फुटबॉल संघ के महासचिव गुलाब रब्बानी, खेल उपनिदेशक राजेश कुमार, देवेंद्र सिंह,जिला खेल पदाधिकारी गुमला प्रवीण कुमार, रांची शिवेंद्र सिंह, फुटबॉल कोच बिना केरकेट्टा, सोनी कुमारी, सुशीला कुमारी, बबलू समेत राज्य के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

आरआईटी थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई देसी कट्टा के साथ एक गिरफ्तार

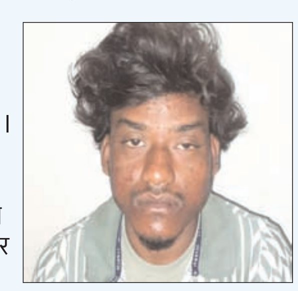

सरायकेला/आरआईटी। नगर निकाय चुनाव को लेकर सरायकेला-खरसावां जिला पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है। इसी क्रम में गुरुवार को आरआईटी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को अवैध देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इच्छापुर निवासी अनिल सरदार उर्फ गोरे के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है और उस पर पूर्व में औद्योगिक क्षेत्र में अशांति फैलाने के आरोप भी लग चुके हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरआईटी थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इच्छापुर लाइन के समीप अनिल सरदार उर्फ गोरे अवैध देसी कट्टा के बल पर लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। थाना प्रभारी संजीव कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की, जिसमें आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर उसके पास से एक देसी कट्टा बरामद किया गया। पुलिस बरामद हथियार के संबंध में सभी पहलुओं पर गहन जांच कर रही है। इस संबंध में थाना प्रभारी संजीव कुमार ने कहा कि चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे असामाजिक तत्वों को संरक्षण देने या किसी भी रूप में सहयोग करने वालों के विरुद्ध भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण का समापन किया गया

देवघर। राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना अंतर्गत देवीपुर प्रखंड की रामुडीह पंचायत भवन में जिला उद्यान कार्यालय के दिशा निर्देश पर चल रहे पांच दिवसीय प्रशिक्षण का समापन किया गया। प्रशिक्षण में मूल रूप से फल, फूल, सब्जी की खेती की तकनीकी खेती के बारे में जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में धोबाना, भोजपुर, हुसैनाबाद, झूमरबाद एवं रामूडीह पंचायत के बीस किसानों ने भाग लिया। किसानों को बागवानी एवं उद्यमी की फसलों एवं योजनाओं के बारे में जानकारी विशेषज्ञ दिनेश कुमार दास, प्रखंड उद्यान मित्र मनोज कुमार सिंह ने दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुखिया रामफल तुरी, किसान आशुतोष शर्मा, भरत मंडल, अजय यादव, रिंकी देवी, मालिया देवी ने भाग लिया।

धनबाद बार एसोसिएशन की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

रास्ता बंद करने पर भड़के अधिवक्ता

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। सदर अस्पताल परिसर के अंदर से गुजरने वाले मार्ग को बंद किए जाने के विरोध में धनबाद बार एसोसिएशन ने गुरुवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। अधिवक्ताओं के पेन डाउन के चलते धनबाद कोर्ट में सभी न्यायिक कार्य ठप हो गए हैं, जिससे वादकारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बार एसोसिएशन का कहना है कि वर्षों से उपयोग में रहे इस मार्ग को जिला प्रशासन द्वारा बाउंड्री वॉल बनाकर बंद कर दिया गया है। अधिवक्ताओं ने बुधवार को रणधीर वर्मा चौक तक विरोध मार्च भी निकाला, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है। बार महासचिव जितेंद्र कुमार ने साफ कहा है कि रास्ता बहाल और पार्किंग की स्थायी व्यवस्था होने तक हड़ताल जारी रहेगी।

एकदिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट में शामिल हुई जिला परिषद उपाध्यक्ष

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। तोपचांची पाकेरबेडा में आयोजित एकदिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद उपाध्यक्ष सरिता रवानी, विशिष्ट अतिथि के रूप में गिरिडीह लोकसभा के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के जिला प्रतिनिधि सुभाष चंद्र रवानी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद उपाध्यक्ष सरिता रवानी ने कहा कि फुटबॉल खेल ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले खिलाड़ियों का मेहनत, लगन, और आत्मविश्वास का सशक्त मिसाल है। सीमित संसाधनों के बावजूद निरंतर परिश्रम अनुशासन एवं लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण से बड़ी से ही बड़ी मिसाल हासिल की जा सकती है।

आईआईटी (आईएसएम) का देश के प्रतिष्ठित वन टॉप्स सेमीकंडक्टर प्रोग्राम में चयन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के लिए यह गर्व का मौका है कि यहां की एक छात्र टीम को देशभर की टॉप 37 टीमों में जगह मिली है। इनका चयन वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया (वीएसआई) के प्रतिष्ठित वन टॉप्स (वन टेप-आउट पर स्टूडेंट) प्रोग्राम में हुआ है। इसका मकसद देश में इंडस्ट्री-रेडी चिप डिजाइन टैलेंट तैयार करना है। इस प्रोग्राम के तहत वीएसआई छात्रों को एमपीडब्ल्यू चिप टेप-आउट के लिए 5 लाख रुपये तक का फंड देगी। इससे वे अपना पूरा सिलिकॉन प्रोटोटाइप तैयार कर सकें। आईआईटी (आईएसएम) की टीम (वीएलएसआईएसएम) इस दौरान 65 नैनोमीटर टेक्नोलॉजी पर आधारित एक लो-पावर और लो-एरिया रिस्क-वी सिस्टम ऑन चिप (एसओसी) डिजाइन और टेप-आउट करेगी। यह एसओसी खास तौर पर रोबोटिक्स और ड्रोन एप्लिकेशन को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। इसमें लिनक्स सपोर्ट वाला रिस्क-वी कोर और कस्टम एआई एक्सेलेरेटर होगा, जो सीएनएन जैसे रियल-टाइम कंप्यूटर विजन टास्क संभाल सकेगा। यह प्रोजेक्ट ओपन-सोर्स रिस्क-वी आर्किटेक्चर और स्वदेशी वीएलएसआई डिजाइन वर्कफ्लो पर आधारित है, जो इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन और आत्मनिर्भर भारत के विजन के साथ पूरी तरह मेल खाता है। टीम को अकादमिक मार्गदर्शन प्रो राजीव कुमार रंजन दे रहे हैं, जबकि इंडस्ट्री मेंटर के तौर पर सुमित कुमार, सीनियर मैनेजर, डिजाइन वेरिफिकेशन इंजीनियरिंग, अनालॉग डिवाइसेस, जुड़े हैं, जिनके पास 15 साल से ज्यादा का अनुभव है। संस्थान ने डॉ सत्य गुप्ता, सीईओ, वीएसआई और उनकी टीम को वन टॉप्स पहल के जरिए भारत में मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने के लिए आभार जताया। इस टीम में महारिशि सोनवानी, सौम्यजीत सामंता, नितिन सिंघल, अमरकांत, आदित्य रंजन, धनंजय झा, कृष्ण सुरलाकर और प्रद्युम्न अग्रवाल शामिल हैं।

एक फरवरी को चतरा मोड़ स्थित होटल शेलिब्रेशन में होगी रणनीतिक बैठक

यूजीसी के नये नियमों के खिलाफ सवर्ण समाज की बैठक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चौपारण (हजारीबाग)। यूजीसी के कथित काले कानून के विरोध में सवर्ण समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस कानून को शिक्षा व्यवस्था और समाज के भविष्य के लिए घातक बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज किया गया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस मुद्दे पर आगे की रणनीति तय करने के लिए 1 फरवरी को चतरा मोड़ स्थित होटल शेलिब्रेशन में समाज की एक अहम रणनीतिक बैठक बुलाई जाएगी। बताते चलें कि बैठक में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि शैक्षणिक संस्थानों में सरकार द्वारा बेतुके और अव्यावहारिक नियम बनाकर सवर्ण समाज के बच्चों के भविष्य को बर्बाद करने की कुंठित चाल चली जा रही है। इसे शिक्षा के अधिकार और सामाजिक संतुलन के खिलाफ बताया गया। समाज के लोगों ने कहा कि यदि ऐसे नियमों को वापस नहीं लिया गया तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा। इस बैठक में रामफल सिंह, राजेश सहाय, बिनोद सिंह, सोनु सिंह, हेमंत पांडेय, अरविंद कुमार सिंह, अभिमन्यु सिंह, मुकेश सिंह, उपेन्द्र सिंह, नीरज सिंह, दया सिंह, बिनोद सिंह एवं चन्दन सिंह, रितेश सिन्हा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। बैठक के अंत में 1 फरवरी को होने वाली बैठक को सफल बनाने के लिए समाज के अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का आह्वान किया गया।

उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने मतगणना व निर्वाचन केंद्रों का किया निरीक्षण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गुमला। नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित एवं पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमां ने आज केओ कॉलेज स्थित मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान डिस्पैच सेंटर, रिसीविंग सेंटर एवं स्ट्रांग रूम का भी बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने केंद्रों की भौतिक व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, साफ-सफाई, आवागमन, सीसीटीवी निगरानी, अग्निशमन व्यवस्था तथा विधि-व्यवस्था व सुरक्षा प्रबंधों का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्वाचन से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध, पारदर्शी एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं। उपायुक्त द्वारा पुराने एनआईसी भवन में सुरक्षित रखी गई मत पेटिकाओं का भी निरीक्षण किया गया। मत पेटिकाओं की स्थिति, सुरक्षा एवं अभिलेख संधारण की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।

निकाय चुनाव के नामांकन के पहले दिन उमड़ी उम्मीदवारों की भीड़

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले में नगरपालिका (आम) चुनाव 2026 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू होते ही पहले दिन से ही चुनावी सरगर्मी तेज हो गई। गुरुवार को जिले के तीनों नगर निकाय क्षेत्रों मानगो नगर निगम, जुगसलाई नगर परिषद और चाकुलिया नगर पंचायत में बड़ी संख्या में संभावित प्रत्याशियों ने नाम निर्देशन प्रपत्र खरीदे और अपनी दावेदारी का संकेत दिया। मानगो नगर निगम में महापौर पद के लिए कुल छह अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन प्रपत्र लिया, जबकि वार्ड सदस्य पद के लिए 120 अभ्यर्थियों ने फॉर्म खरीदा। महापौर पद के लिए नामांकन प्रपत्र लेने वालों में कुमकुम श्रीवास्तव, साइस्ता परवीन, अनीता देवी, काकोली महतो, जेबा कादरी और रायमुनी सुंडी के नाम प्रमुख हैं। पहले ही दिन इन नामों के सामने आने से स्पष्ट है कि महापौर पद के लिए कड़ा और बहुकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है। जुगसलाई नगर परिषद में अध्यक्ष पद के लिए छह लोगों ने नाम निर्देशन प्रपत्र खरीदा, जबकि वार्ड सदस्य के लिए 18 अभ्यर्थियों ने फॉर्म लिया। अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों में निलोफर हुसैन, डौली मलिक, अर्चना दूबे, मुस्सरत खातुन और बलबीर कौर शामिल हैं। यहां भी पहले दिन महिला उम्मीदवारों की मजबूत उपस्थिति ने चुनावी तस्वीर को रोचक बना दिया है। इसी तरह चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र में अध्यक्ष पद के लिए 3 तथा वार्ड सदस्य पद के लिए 22 अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन प्रपत्र खरीदा। अध्यक्ष पद के लिए फॉर्म लेने वालों में संध्या रानी सरदार, सुजाता मुर्मू और शीलावती टुडू के नाम सामने आए हैं, जिससे इस क्षेत्र में भी मुकाबले के संकेत मिलने लगे हैं। पहले दिन ही बड़ी संख्या में फॉर्म की बिक्री से साफ है कि इस बार नगर निकाय चुनाव को लेकर जनता और संभावित प्रत्याशियों में खासा उत्साह है। नामांकन केंद्रों पर दिनभर गहमागहमी का माहौल रहा और समर्थकों की आवाजाही से चुनावी रंगत साफ नजर आई। नामांकन प्रक्रिया आगे बढ़ने के साथ आने वाले दिनों में और अधिक प्रत्याशियों के मैदान में उतरने की संभावना जताई जा रही है, जिससे पूर्वी सिंहभूम में नगर निकाय चुनाव का माहौल और तेज होने वाला है।

झाड़ियों में फंसी बीडीओ की गाड़ी, बाल-बाल बचे

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के नोवामुंडी प्रखंड के बीडीओ पप्पू रजक उस समय गंभीर दुर्घटना से बच गए, जब उनकी सरकारी गाड़ी अचानक झाड़ियों में फंस गई। वे नगर निकाय चुनाव से जुड़ी तैयारियों के सिलसिले में चाईबासा जा रहे थे। इस दौरान टोंटो प्रखंड क्षेत्र के सूरज बासा पास, सामने आए दोपहिया वाहन को बचाने के प्रयास में ड्राइवर ने गाड़ी मोड़ी, जिससे वाहन संतुलन खो बैठा और सीधे झाड़ियों में चला गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गाड़ी दो बड़े पेड़ों के बीच फंस गई और ठीक पीछे गहरी खाई थी, जिससे अगर वाहन थोड़ी और आगे बढ़ता, तो बड़ा, जानलेवा हादसा हो सकता था। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, लेकिन राहत की बात यह रही कि बीडीओ और उनके साथ मौजूद कर्मियों को कोई गंभीर चोट नहीं आई। हालांकि उन्हें और उनके सहयोगियों को हल्की अंदरूनी चोटें आई हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही टोंटो प्रखंड के बीडीओ, स्थानीय थाना प्रभारी और मुखिया तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों और ग्रामीणों की मदद से बीडीओ और उनके साथियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वाहन को भी झाड़ियों से बाहर निकालने का काम सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसके बाद जगन्नाथपुर के अंचल अधिकारी (सीओ) मनोज कुमार मिश्रा भी मौके पर पहुंचे और बीडीओ की सुरक्षा सुनिश्चित की।

संक्षिप्त

नगर निकाय चुनाव को लेकर होगा हथियारों के लाइसेंस का वेरिफिकेशन

पलामू। नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चुनावी माहौल में किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए हथियार लाइसेंस के वेरिफिकेशन का विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह वेरिफिकेशन 31 जनवरी से 5 फरवरी तक किया जाएगा। प्रशासनिक निर्देश के अनुसार, संबंधित क्षेत्र के अंचल अधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सभी वैध हथियार लाइसेंसधारियों के लाइसेंस का भौतिक सत्यापन करेंगे। इस दौरान लाइसेंस की वैधता, शर्तों का पालन और हथियारों की स्थिति की जांच की जाएगी। प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित लाइसेंसधारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है। जिला प्रशासन ने सभी हथियार लाइसेंसधारियों से अपील की है कि वे तय तिथि पर वेरिफिकेशन प्रक्रिया में सहयोग करें, ताकि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष निकाय चुनाव सुनिश्चित किया जा सके।

आईसीएसपीबी-2026 का शुभारंभ, स्टील निर्माण पर मंथन

पूर्वी सिंहभूम। टाटा स्टील की ओर से सतत और भविष्यपरक स्टील निर्माण को बढ़ावा देने को लेकर द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ऑन सिन्टरिंग, पेलेटाइजिंग एवं ब्रिकेटिंग (आईसीएसपीबी) 2026 का गुरुवार को अल्कोर होटल में शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में स्टील निर्माण के विभिन्न आयामों पर मंथन किया गया। दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि चैतन्य भानु, वाइस प्रेसिडेंट, टीएसजे ऑपरेशंस, टाटा स्टील एवं आईसीएसपीबी 2026 के चेयरमैन थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चैतन्य भानु ने सम्मेलन स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया, जहां अत्याधुनिक तकनीकों, नवाचारों और औद्योगिक समाधानों को प्रदर्शित किया गया है। इस अवसर पर सुरजीत सिन्हा, चीफ एग्लोमरेट्स एंड आयरन, टीएसजे, टाटा स्टील (को-चेयरमैन आईसीएसपीबी 2026), पुनीत आर्य, प्रेसिडेंट, पीएमएआई तथा ब्रिगेडियर अरुण गांगुली, सेक्रेटरी जनरल, आईआईएम सहित अन्य मौजूद थे।

शैक्षणिक संस्थान केवल डिग्री तक सीमित न रहें नवाचार और सामाजिक समाधान का केंद्र बनें : राज्यपाल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि आज शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका केवल डिग्री प्रदान करने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि उन्हें अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक समस्याओं के समाधान के केंद्र के रूप में विकसित होना चाहिए। वे गुरुवार को जमशेदपुर स्थित आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की ओर से आयोजित छठवें इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (आईईईई) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने इस अवसर पर युवा शोधकताओं और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी तकनीकी दक्षता और ज्ञान का उपयोग समाज की वास्तविक और जमीनी समस्याओं के समाधान के लिए करें। उन्होंने कहा कि अनुसंधान तभी सार्थक होता है, जब उसका प्रत्यक्ष लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और वह मानव कल्याण से जुड़ा हो। उन्होंने कहा कि लौहनगरी जमशेदपुर केवल एक औद्योगिक नगर नहीं है, बल्कि यह दूरदर्शी औद्योगिक सोच, नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्व का भी उत्कृष्ट उदाहरण है। इस गौरवशाली परंपरा की नींव टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी नुसरवानजी टाटा ने रखी थी, जिन्होंने उद्योग को केवल लाभ का साधन न मानकर राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा का प्रभावी माध्यम बनाया। शिक्षा, अनुसंधान, तकनीक और मानव कल्याण के क्षेत्र में टाटा समूह का योगदान आज भी देश-दुनिया के लिए प्रेरणास्रोत है। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड राज्य अपनी समृद्ध प्राकृतिक एवं खनिज संपदा, सांस्कृतिक विविधता और युवा प्रतिभाओं के लिए जाना जाता है। वर्तमान समय में, जब पूरी दुनिया तीव्र तकनीकी परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, तब विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार किसी भी राज्य और राष्ट्र के सतत एवं समावेशी विकास की आधारशिला बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संचार प्रौद्योगिकी (आईटी), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्मार्ट सिस्टम्स, साइबर-फिजिकल सिस्टम्स तथा अन्य उभरती डिजिटल तकनीकों पर मंथन किया जा रहा है। ये तकनीकें न केवल वर्तमान की आवश्यकता हैं, बल्कि भविष्य की दिशा भी तय कर रही हैं। इनके माध्यम से उद्योग, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, स्मार्ट गवर्नेंस और सामाजिक विकास को नई गति मिल रही है। राज्यपाल ने कहा कि आईईईई जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संगठन की ओर से आयोजित इस तरह के सम्मेलन ज्ञान के आदान-प्रदान के साथ-साथ वैश्विक चुनौतियों के व्यावहारिक और प्रभावी समाधान विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे मंच विद्यार्थियों, शोधकताओं और विशेषज्ञों को वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, वोकल फॉर लोकल और ह्यविकसित भारत @2047 जैसे अभियानों के माध्यम से आत्मनिर्भरता और तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

नाम निर्देशन की प्रक्रिया हुई आरंभ नामांकन 4 फरवरी तक कर सकेंगे

लोहरदगा। नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के अंतर्गत लोहरदगा नगर परिषद के नगर परिषद अध्यक्ष के एक पद और 23 वार्ड पार्षद पदों के लिए नाम निर्देशन की प्रक्रिया 29 जनवरी से प्रारंभ हो गयी, जो 4 फरवरी के दोपहर 3 बजे तक चलेगी। नामांकन पत्र पूर्वाहन 11 बजे से 3 बजे तक क्रय किया और भरकर जमा किया जा सकता है। जो अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करना चाहते हैं, वे अपर समाहर्ता-सह-निवार्ची पदाधिकारी के कार्यालय से नामांकन पत्र क्रय कर सकते हैं। वार्ड 1-6 के वार्ड पार्षद पद के लिए निवार्ची पदाधिकारी-सह-भूमि सुधार उपसमाहर्ता के अनुमंडल स्थित कार्यालय से नामांकन पत्र क्रय कर सकते हैं। वार्ड 7-12 के वार्ड पार्षद पद के लिए निवार्ची पदाधिकारी-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी के कार्यालय (समाहरणालय भवन, नीचे तल) से नामांकन पत्र कर सकते हैं। वार्ड 13-18 तक के वार्ड पार्षद पद के लिए निवार्ची पदाधिकारी-सह-कार्यपालक दंडाधिकारी के जिला नजारत स्थित कार्यालय से अपना नामांकन पत्र क्रय कर सकते हैं। वहीं वार्ड 19-23 तक के वार्ड पार्षद पद के लिए निवार्ची पदाधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी के समाहरणालय भवन के प्रथम तल स्थित पीएमयू कार्यालय (अपर समाहर्ता कार्यालय के बगल) से अपना नामांकन पत्र क्रय कर सकते हैं।

ड्यूटी से 2 घंटे गायब रही सदर अस्पताल की महिला डॉक्टर डीएस ने मांगा स्पष्टीकरण

गुमला। सदर अस्पताल के ओपीडी महिलाकक्ष में फिर महिला चिकित्सक हिना कौशल अपने ड्यूटी से लगभग 2 घंटे गायब दिखी। इस बीच दर्जनों मरीज चिकित्सक का इंतजार करते देखी गई। मरीजों ने बताया कि लगभग 2 घंटे से यहां पर इंतजार कर रहें हैं। अब तक डॉक्टर नहीं आयी है। स्टॉफ ने बताया कि कुछ काम से गई हुई हैं। लौटने पर मरीज को देखेंगी। डॉ. हिना कौशर ने पूछे जाने पर बताया कि वह लंच करने के लिए नया समाहरणालय चांदली के समक्ष अपने एक रिश्तेदार के पास जाती हैं। उन्होंने बताया कि 2 घंटे वह ड्यूटी से गायब नहीं थी। मात्र 45 मिनट ही गायब थी। डॉक्टर ने कहा कि मेरा रात्रि ड्यूटी भी थी। 1:15 में ओपीडी से निकलकर नया समाहरणालय गई थी और 1:45 बजे ड्यूटी पर आ गई थी। मैं सभी मरीजों को बारीकी से देखती हूं। मेरे ऊपर लगाया गया आरोप निराधार है। डीएस डॉ. अनूपम किशोर ने बताया कि उन्हें चिकित्सक के नहीं रहने की जानकारी मिली थी। इसके बाद उन्होंने डॉ हिना कौशर से स्पष्टीकरण की मांग की है। डॉ. अनूपम ने बताया कि लंच 3 बजे के बाद ओपीडी समाप्त कर जाएं। अस्पताल की विधि व्यवस्था से खिलवाड़ को कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सीएसआईआर, एनएमएल ने एक्सपो में तकनीकी क्षमता का किया प्रदर्शन

पूर्वी सिंहभूम। सीएसआईआर, राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (सीएसआईआर, एनएमएल) 29 से 31 जनवरी 2026 तक आयोजित रेडिएंट झारखंड 2.0 एक्सपो में शामिल हुआ। कार्यक्रम में सीएसआईआर, एनएमएल की भागीदारी पर टिप्पणी करते हुए निदेशक डॉ संदीप घोष चौधुरी ने कहा कि रेडिएंट झारखंड 2.0 में हमारी उपस्थिति यह दशार्ती है कि हम वैज्ञानिक अनुसंधान को व्यावहारिक और लागू करने योग्य प्रौद्योगिकियों में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन?होंने कहा कि यह क्षेत्रीय विकास को समर्थन देने और औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत जैसे राष्ट्रीय मिशनों में योगदान देने का एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं एक्सपो के दौरान, सीएसआईआरझ्रएनएमएल ने धातुकर्म, खनिज प्रसंस्करण, उन्नत सामग्री विकास और सतत प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में अपनी तकनीकी क्षमताओं, चल रही अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं और नवाचार-आधारित पहलों को प्रदर्शित किया। प्रयोगशाला के स्टॉल को उद्योग प्रतिनिधियों, नीति-निमार्ताओं और आम आगंतुकों से विशेष रुचि प्राप्त हुई, जिनमें से कई ने भविष्य में सहयोग की संभावनाओं पर विचार किया। प्रदर्शनी समिति के अध्यक्ष और मुख्य वैज्ञानिक डॉ के गोपाला कृष्णा ने अपनी टीम के साथ मिलकर हितधारकों के साथ बातचीत की और क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप सीएसआईआरझ्रएनएमएल के उद्योग-संबंधी समाधानों और अनुसंधान परिणामों को प्रस्तुत किया।

क्षमता से अधिक सवारी बैठाने वाले वाहनों पर डीटीओ सख्त, कई वाहनों पर लगाया जुर्माना

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम। शहर में क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर चलाए जा रहे वाहनों के खिलाफ जिला परिवहन पदाधिकारी गौतम (डीटीओ) कुमार के निर्देश पर गुरुवार को कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई लगातार मिल रही शिकायतों और वाहन चालकों और वाहन स्वामियों को पूर्व में कई बार समझाने के बावजूद नियमों का पालन नहीं किए जाने के बाद की गई। मौके पर डीटीओ ने बताया कि जांच के दौरान कई वाहन निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी ले जाते पाए गए, जिस पर दंडात्मक कार्रवाई करते हुए दर्जनों वाहनों पर जुमार्ना लगाया गया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को लेकर चलने वाले वाहनों में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्रों की सुरक्षा परिवहन विभाग की प्राथमिकता है। बच्चे देश के भविष्य हैं और उन्हें सड़कों पर सुरक्षित रखना सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। ऐसे में नियमों की अनदेखी कर छात्रों की जान जोखिम में डालने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। जिला परिवहन पदाधिकारी ने यह भी बताया कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। जो भी वाहन चालक या स्वामी नियमों का उल्लंघन करते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल ने नामांकन से पूर्व बाबा श्याम के दरबार में मत्था

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। नगर निकाय चुनाव 2026 के लिए पूर्व मेयर और महापौर पद के प्रत्याशी चंद्रशेखर अग्रवाल ने आज झरिया स्थित प्रसिद्ध खाटू वाले बाबा श्याम मंदिर में अपने साथ धर्मपत्नी श्रीमती बीना अग्रवाल के साथ माथा टेका। मंदिर समिति के सदस्यों और भाजपा कार्यकताओं ने उनका फूलों की माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।इस अवसर पर चंद्रशेखर अग्रवाल ने बाबा श्याम की पूजा-अर्चना कर धनबादवासियों की सुख-समृद्धि और अपनी चुनावी विजय की कामना की। उन्होंने कहा, आज एकादशी का पावन दिन है और बाबा के बिना यह दिन अधूरा है। मैं धनबाद की जनता से आशीर्वाद मांगता हूँ ताकि वे मुझे पिछले कार्यकाल की तरह इस बार भी सेवा करने का अवसर दें।नामांकन से पूर्व समर्थकों के साथ झरिया से समाहरणालय तक निकाली गई भव्य रैली में भारी संख्या में लोग शामिल हुए। रैली झरिया से धनसार, शक्ति मंदिर, नया बाजार, राजेंद्र सरोवर, सिटी सेंटर होते हुए मेमको मोड़ तक पहुँची, जहां से अग्रवाल पैदल समाहरणालय पहुंचे और अपना नामांकन पत्र निवार्ची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार के समक्ष जमा किया।

यूजीसी के फैसले के खिलाफ सड़क पर उतर कर स्वर्ण महासंघ ने जताया विरोध

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के हालिया फैसलों के विरोध में गुरुवार को स्वर्ण महासंघ के आह्वान पर सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे और उपायुक्त कार्यालय के समक्ष एकजुट होकर केंद्र सरकार एवं यूजीसी की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यूजीसी की ओर से जारी किए गए नए नियम और नीतियां न केवल देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रही हैं, बल्कि सामाजिक संतुलन और निष्पक्षता पर भी प्रतिकूल असर डाल रही हैं। स्वर्ण महासंघ के नेताओं ने आरोप लगाया कि इन फैसलों से समाज के विभिन्न वर्गों में असंतोष बढ़ रहा है और यदि समय रहते इन्हें वापस नहीं लिया गया, तो इसके दूरगामी नकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है और उससे जुड़े निर्णय समानता, न्याय और सामाजिक समरसता के आधार पर होने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा फैसला आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है। वक्ताओं ने सरकार और यूजीसी से मांग किया कि वे इन निर्णयों पर पुनर्विचार करें, अन्यथा आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। स्वर्ण महासंघ ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले दिनों में राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा। इस क्रम में प्रदर्शनकारियों ने उपायुक्त के माध्यम से राज्यपाल और केंद्र सरकार को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें यूजीसी के निर्णयों को तत्काल निरस्त करने की मांग की गई। प्रदर्शन में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि एक मंच पर नजर आए। ब्राह्मण समाज से जुड़े पूर्व डीएसपी कमल किशोर, क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष शंभू सिंह और शिवशंकर सिंह, ब्रह्मर्षि समाज के रामनारायण शर्मा, सतीश सिंह, दीपू सिंह और कायस्थ समाज से अजय श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

आईआईटी (आईएसएम) के रिसर्च स्कॉलर को मिला जीवाईटीआई अवॉर्ड

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के लिए बड़ी खुशखबरी है, केमिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के रिसर्चर डॉ शिवशंकर प्रसाद को गांधी यंग टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन (जीवाईटीआई) एप्रिसिएशन अवॉर्ड-2024 से सम्मानित किया गया है। अवॉर्ड सेरेमनी गुरुवार को सीएसआईआरझ्रनेशनल फिजिकल लेबोरेटरी (एनपीएल), नई दिल्ली में हुई, जहां यह सम्मान भारत सरकार के प्रिंसिपल साइंटिफिक एडवाइजर प्रो अजय कुमार सूद ने दिया। डॉ प्रसाद को यह अवॉर्ड उनके इनोवेटिव रिसर्च के लिए मिला है, जो 2,5-फ्यूरान डाइकार्बोक्सिलिक एसिड (एफडीसीए) के प्रोडक्शन से जुड़ा है। एफडीसीए बायोमास से बनने वाला एक अहम बायोपॉलिमर बेस केमिकल है, जो आगे चलकर इको-फ्रेंडली और सस्टेनेबल मटेरियल बनाने में काम आ सकता है। यह रिसर्च ग्रीन केमिस्ट्री, सर्कुलर इकॉनमी और पर्यावरण के लिए बेहतर टेक्नोलॉजी की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। उन्होंने यह काम प्रो एजाज अहमद और प्रो सुमन दत्ता की जॉइंट गाइडेंस में किया। खास बात यह है कि प्रो एजाज अहमद खुद भी जीवाईटीआई अवॉर्डी रह चुके हैं और उन्हें 2018 में स्टूडेंट कैटेगरी में और 2020 में फैकल्टी कैटेगरी में इनोवेशन के लिए सम्मान मिला था। इससे साफ है कि डिपार्टमेंट में इनोवेशन और क्वालिटी रिसर्च की मजबूत परंपरा है। जनवरी 2026 इस रिसर्च ग्रुप के लिए काफी उपलब्धियों वाला महीना रहा। टीम को 1.51 करोड़ रुपये की प्रोजेक्ट फंडिंग लीओन बैटरी रीसाइक्लिंग पर मिली है, साथ ही ग्रुप का सिलेक्शन इंडो-यूरोपियन होराइजन प्रोजेक्ट ऑन बायोहाइड्रोजन में भी हुआ है। संस्थान ने डॉ शिवशंकर प्रसाद और उनके गाइड्स को बधाई देते हुए कहा कि आईआईटी (आईएसएम) धनबाद ऐसे रिसर्च को बढ़ावा देता रहेगा जो समाज और इंडस्ट्री दोनों के लिए फायदेमंद हो।

सांसद ने आंगनबाडी सेविका और सहायिकाओं का मामला लोस में उठाया

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। पलामू और गढवा जिले के आंगनवाडी सेविका-सहायिकाओं के मामले को गुरूवार को सांसद विष्णु दयाल राम ने लोकसभा में उठाया। मामला उठाते हुए उन्होंने कहा कि सेविका और सहायिकाओं की ओर से लंबे समय से सेवाओं के नियमितीकरण, मानदेय में संशोधन और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने, पेंशन, भविष्य निधि, ग्रेच्युटी एवं बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं देने की मांगों को रखा। सांसद ने कहा कि एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजना के अंतर्गत कार्यरत आंगनवाड़ी सेविका और सहायिकाओं की ओर से लंबे समय से उनकी सेवाओं के नियमितीकरण, मानदेय में संशोधन एवं उसका समय पर भुगतान करने, पेंशन, भविष्य निधि, ग्रेच्युटी तथा बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा की मांग की जा रही है। इसके अलावा गैर-आईसीडीएस कार्यों और अत्यधिक प्रशासनिक दायित्वों को कम करने, आंगनवाडी केंद्रों में आधारभूत संरचना और जरूरी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं पारदर्शी भर्ती तथा पदोन्नति प्रक्रिया सुनिश्चित करने की भी सांसद ने महिला एवं बाल विकास मंत्री से अनुरोध किया कि सभी मामलों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए सरकार जरूरी कदम उठाए।

संपादकीय

हिमालय में बर्फबारी की देरी

हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी का समय पर न होना केवल एक मौसमी विचलन नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के गहराते संकट का संकेत है। आम तौर पर नवंबर-दिसंबर में शुरू होने वाली बर्फबारी इस वर्ष जनवरी के उत्तरार्ध तक टल गई। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और कश्मीर में करीब दो माह की देरी से हुई पहली बर्फबारी ने पर्यावरणविदों की आशंकाओं को और पुख्ता कर दिया है कि वैश्विक ताप अब प्रत्यक्ष रूप से अपना प्रभाव दिखाने लगा है। हिमालय सदियों से भारत के जलवायु संतुलन, मानसून चक्र और जल स्रोतों का आधार रहा है। यहां होने वाली बर्फबारी न केवल पहाड़ी इलाकों की पारिस्थितिकी को संजीवनी देती है, बल्कि नदियों के प्रवाह, कृषि और मैदानी क्षेत्रों की जीवनरेखा भी तय करती है। ऐसे में ठंड के मौसम में बर्फ का न होना या देर से होना गंभीर संकेत है। इसका अर्थ है कि हिमखंडों में अपेक्षित जमाव नहीं हो पा रहा, जिससे आगे चलकर पिघलन तेज होगी और जल असंतुलन की स्थिति बनेगी। चिंता की बात यह भी है कि अब थोड़ी-बहुत बर्फबारी होने पर भी तापमान अपेक्षाकृत अधिक रहने से वह लंबे समय तक टिक नहीं पा रही। इससे ग्लेशियरों का सिकुड़ना तेज हुआ है, जिसका सीधा असर पहाड़ों की स्थिरता पर पड़ता है। हाल के वर्षों में हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ती आपदाएं–भूस्खलन, बादल फटना और ग्लेशियल झीलों का फटना–इसी अस्थिरता की चेतावनी हैं। मौसम में उतार-चढ़ाव को सामान्य कहकर अनदेखा करना अब आत्मघाती दृष्टिकोण होगा। हिमालय में बदलता मिजाज केवल पहाड़ों की समस्या नहीं है; यह मैदानी भारत की खाद्य सुरक्षा, जल उपलब्धता और समग्र पर्यावरणीय संतुलन से जुड़ा प्रश्न है। जरूरत है कि जलवायु परिवर्तन को गंभीर नीति के केंद्र में रखा जाए, पर्वतीय पारिस्थितिकी की रक्षा की जाए और विकास के नाम पर हिमालय की सहनशीलता को और कमजोर न किया जाए। हिमालय की खामोशी में छिपी यह चेतावनी अगर अब भी नहीं सुनी गई, तो इसके परिणाम पूरे देश को भुगतने पड़ेंगे।

दुनिया में गहरा रहा जल संकट

अमर पाल सिंह

दुनिया में बढ़ता जल संकट चिंता का विषय बना हुआ है। अगला विश्व युद्ध पानी के लिए लड़े जाने की भविष्यवाणियां तक की जा चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान के शोधकताओं की हाल में आई एक रपट इन चिंताओं को और गंभीर रूप दे रही है। इसमें कहा गया है कि पिछले कई दशकों के दौरान जल के अत्यधिक दोहन, सिमटते भूजल स्त्रोतों, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर वैश्विक जल दिवालियापन की स्थिति में कदम रख चुकी है। जब कोई इंसान दिवालिया होता है, तो उसके पास पैसा नहीं बचता, घर तक गिरवी हो जाता है और विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। बड़ा सवाल यह है कि अगर दुनिया पानी के लिहाज से दिवालिया हो गई, तो क्या होगा? रपट में शोधकताओं ने जो कुछ कहा है, उसका मतलब यह नहीं कि दुनिया से पानी अचानक खत्म हो जाएगा, बल्कि जिस ढंग से जल का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे जल व्यवस्था की रीढ़ टूटनी शुरू हो गई है।

समूचे विश्व में बहुत पहले से जल संकट की चर्चा होती रही है, मगर इसे एक ऐसे झटके की तरह देखा जाता रहा है, जिससे समय के साथ उबरा जा सकता है। अगर जल संकट के बारे में चेतावनी दी जाती रही है, तो यह भरोसा भी दिलाया जाता रहा है कि फिर से अच्छी बरसात होगी, जल का स्तर सुधर जाएगा और हालात पुनः सामान्य हो जाएंगे। मगर नई रपट ने इस भरोसे पर सवालिया निशान लगा दिया है। रपट में साफ कहा गया है कि विश्व की जल आपूर्ति प्रणाली कई जगहों पर पतन के दौर में पहुंच चुकी है। अनेक क्षेत्रों में पानी की कमी अब स्थायी स्वरूप लेती जा रही है। यह स्थिति केवल पानी की कमी की नहीं, बल्कि व्यवस्था के टूटने की ओर संकेत करती है। ऐसे में अब हमें पानी के बारे में अपने सोचने का ढंग बदलना होगा। अब तक जल संकट को एक अस्थायी समस्या माना जाता रहा है। अकाल पड़े, परेशानियां आईं, मगर कुछ साल बाद हालात सुधर गए। किसी साल वर्षा कम हुई, लेकिन अगले मानसून में भरपाई हो गई। जब ऐसा चल रहा था, तो नीतियों का निर्धारण भी इसी अनुरूप होता रहा। कभी जल की बूंद-बूंद को सहेजने वाले समाज ने भी लापरवाही बरतना शुरू कर दिया। कई जगहों पर जलस्त्रोत इतने कमजोर हो चुके हैं कि उन्हें पहले जैसी स्थिति में लौटने में दशकों लग सकते हैं और कई मामलों में शायद लौटना संभव ही न हो पाए।

हम दिवालियापन को व्यक्ति के आर्थिक रूप से कंगाल होने के संदर्भ में ही समझते आए हैं। जब कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से दिवालिया होता है, तो इसका मतलब यह नहीं होता कि दुनिया से पैसा खत्म हो गया है। पैसा रहता है लेकिन उस व्यक्ति की आमदनी, खर्च और कर्ज के बीच का संतुलन बिगड़ जाता है। इसी तरह दुनिया में पानी मौजूद है, लेकिन उसकी उपलब्धता, उसके उपयोग और उसके पुनर्भरण के बीच संतुलन तेजी से टूट रहा है। हम भू-गर्भ से जितना पानी निकाल रहे हैं, उतना पुनर्भरण नहीं कर रहे हैं। यानी जल खाता खाली हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र के शोधकताओं ने रपट में जो कुछ कहा है, उसके अनुसार इस असंतुलन की जड़ें दशकों पुरानी हैं। भूजल के अंधाधुंध दोहन, नदियों को गंदे नालों में बदल दिए जाने, वनों की कटाई, मिट्टी के क्षरण और जलवायु परिवर्तन ने मिलकर पानी की प्राकृतिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया है। जब पानी प्रदूषित हो जाता है, तो वह मौजूद होते हुए भी उपयोग के लायक नहीं रहता। जब भूजल जरूरत से ज्यादा निकाला जाता है, तो वह वापस भरने से पहले ही खत्म हो जाता है।

समूचे विश्व में बहुत पहले से जल संकट की चर्चा होती रही है, मगर इसे एक ऐसे झटके की तरह देखा जाता रहा है, जिससे समय के साथ उबरा जा सकता है। अगर जल संकट के बारे में चेतावनी दी जाती रही है, तो यह भरोसा भी दिलाया जाता रहा है कि फिर से अच्छी बरसात होगी, जल का स्तर सुधर जाएगा और हालात पुन: सामान्य हो जाएंगे। मगर नई रपट ने इस भरोसे पर सवालिया निशान लगा दिया है। रपट में साफ कहा गया है कि विश्व की जल आपूर्ति प्रणाली कई जगहों पर पतन के दौर में पहुंच चुकी है। अनेक क्षेत्रों में पानी की कमी अब स्थायी स्वरूप लेती जा रही है। यह स्थिति केवल पानी की कमी की नहीं, बल्कि व्यवस्था के टूटने की ओर संकेत करती है। ऐसे में अब हमें पानी के बारे में अपने सोचने का ढंग बदलना होगा। अब तक जल संकट को एक अस्थायी समस्या माना जाता रहा है। अकाल पड़े, परेशानियां आईं, मगर कुछ साल बाद हालात सुधर गए। किसी साल वर्षा कम हुई, लेकिन अगले मानसून में भरपाई हो गई। जब ऐसा चल रहा था, तो नीतियों का निर्धारण भी इसी अनुरूप होता रहा। कभी जल की बूंद-बूंद को सहेजने वाले समाज ने भी लापरवाही बरतना शुरू कर दिया। कई जगहों पर जलस्रोत इतने कमजोर हो चुके हैं कि उन्हें पहले जैसी स्थिति में लौटने में दशकों लग सकते हैं और कई मामलों में शायद लौटना संभव ही न हो पाए। हम दिवालियापन को व्यक्ति के आर्थिक रूप से कंगाल होने के संदर्भ में ही समझते आए हैं। जब कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से दिवालिया होता है, तो इसका मतलब यह नहीं होता कि दुनिया से पैसा खत्म हो गया है। पैसा रहता है लेकिन उस व्यक्ति की आमदनी, खर्च और कर्ज के बीच का संतुलन बिगड़ जाता है। इसी तरह दुनिया में पानी मौजूद है, लेकिन उसकी उपलब्धता, उसके उपयोग और उसके पुनर्भरण के बीच संतुलन तेजी से टूट रहा है।

धीरे-धीरे यह स्थिति एक ऐसी सीमा पर पहुंच जाती है, जहां से लौटना बेहद मुश्किल हो जाता है। यह बात भी सच है कि इस संकट का असर सब पर बराबर नहीं पड़ता। जिस प्रकार आर्थिक दिवालियापन में सबसे पहले गरीब तबके टूटते हैं, वैसे ही जल संकट और जल दिवालियापन का सबसे बड़ा बोझ भी कमजोर वर्गों पर पड?ा स्वाभाविक है। छोटे किसानों, आदिवासियों, शहरी गरीब बस्तियों, महिलाओं और युवाओं के जीवन पर सबसे पहले इसका प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीत जिन संपन्न एवं शक्तिशाली वर्गों ने सबसे ज्यादा पानी का दोहन किया होता है, उसके लाभ तो अक्सर उन्हीं तक सीमित रहते हैं, लेकिन इसके दुष्परिणाम दूसरों को भुगतने पड़ते हैं। भारत के संदर्भ में देखें, तो संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी और भी गहरी चिंता पैदा करने वाली है। दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा हमारे देश में है, पर उसके हिस्से में उपलब्ध मीठा पानी सीमित है। इसके बावजूद भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जो सबसे ज्यादा भूजल दोहन कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। कुएं सूख रहे हैं, हैंडपंप में पानी नहीं आ रहा और हर साल गहरे नलकूप खोदे जा रहे हैं। हमारी नदियों की हालत भी सबके सामने है। कई नदियां मृत कही जाने लगी हैं, तो कई अब वषार्काल तक सीमित हो गई हैं। शहरों में तालाब और झीलें या तो पाट दी गई हैं या गंदे पानी का भंडार बन चुकी हैं। वर्षा जल व्यर्थ बह जाता है, उसे सहेजने के उपाय नहीं हो रहे। तमाम मुश्किलों के बावजूद यह तय है कि हमारे यहां पानी मौजूद है, मगर हम उसका प्रबंधन नहीं कर पा रहे हैं। जाहिर है, भारत में भी जल संकट प्राकृतिक से अधिक नीतिगत है।

ऐसे उद्योगों की स्थापना पर चिंता व्यक्त की जा रही है, जिनमें जल खपत अत्यधिक होती है। खेती में ज्यादा सिंचाई की जरूरत वाली फसलों को बढ़ावा दिया जाना भी एक बड़ा कारण है। सस्ती या मुफ्त बिजली देने के निर्णयों ने भूजल दोहन को और बढ़ा दिया है। औद्योगिक और शहरी प्रदूषण ने उपलब्ध जल को अनुपयोगी बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। अगर हम जल संकट से पार पाना चाहते हैं, तो हमें सबसे पहले यह मानना होगा कि पानी असीमित नहीं है। भूजल को निजी संपत्ति मानने की सोच में बदलाव लाना होगा। भूगर्भ में मौजूद पानी सामूहिक धरोहर है और उसकी रक्षा करना भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जल संकट और खेती के बीच गहरा संबंध है। हमें खेती में फसलों के चयन को पानी की उपलब्धता से जोड़ना होगा। शहरों और गांवों में जल की बचत को औपचारिकता भर से ऊपर उठकर और जरूरत बनाकर काम करना होगा। गंदे पानी को बहाने की जगह उसे साफ करके पुनः उपयोग में लाने के काम को बढ़ावा देना होगा। मगर बड़ा सवाल यह है कि यह सब करेगा कौन? केवल सरकारों पर जिम्मेदारी डाल कर इस संकट से नहीं उबरा जा सकता। इसके लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे, क्योंकि जल है तो कल है।

- लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं।

मनोबल की नांव है जीवन के तूफानों में सफलता का आधार

शिशिर शुक्ला

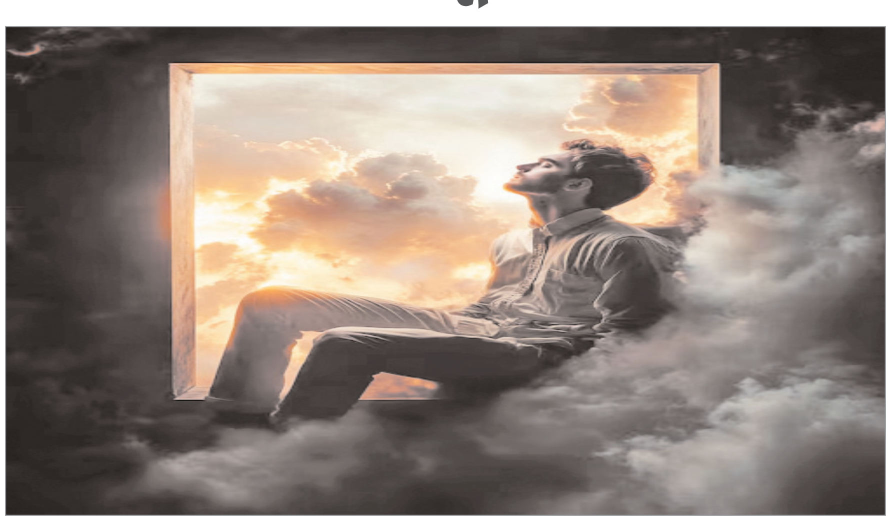

साधन अल्प और अपर्याप्त हों, परिस्थितियां विपरीत हों तथा भविष्य धुंधला दिख रहा हो, फिर अगर मनोबल सुदृढ़ है, तो यात्रा की सफलता सुनिश्चित है। मनोबल कोई जन्मजात उपहार नहीं है, बल्कि यह अनुभवों, विश्वासों और मूल्यों से निर्मित एक जीवंत शक्ति है। यह आत्मविश्वास से थोड़ा-सा अलग है, लेकिन उसके साथ गहराई से जुड़ा है। आत्मविश्वास अक्सर क्षणिक उपलब्धियों से पोषित होता है, जबकि मनोबल दीर्घकालिक धैर्य, संकल्प और आशा से निर्मित होता है। जब पराजय सामने खड़ी हो, तब क्षण भर के लिए आत्मविश्वास तो डगमगा सकता है, लेकिन मनोबल हाथ थामे रखता है और कहता है। आज प्रतिस्पर्धा की तीव्रता, सूचना का अतिभार, सामाजिक तुलना और त्वरित सफलता के दबाव ने मन को अस्थिर बना दिया है।

असफलता को जीवन का स्वाभाविक पड़ाव मानने के बजाय उसे यात्रा का अंत समझ लिया जाता है। इसलिए मनोबल की नौका बार-बार डगमगाती है। तूफान तो आएंगे ही। प्रश्न यह है कि हमारे मनोबल की नौका कितनी मजबूत है। जिसके जीवन में उद्देश्य सुस्पष्ट होता है, उसके लिए बड़ी से बड़ी कठिनाइयां और विषम परिस्थितियां भी अर्थपूर्ण हो जाती हैं। निश्चित और दिशायुक्त उद्देश्य संघर्ष को भी निश्चित दिशा प्रदान करता है। उद्देश्य कोई बहुत विशाल लक्ष्य ही हो, यह आवश्यक नहीं है। उद्देश्य के रूप में ईमानदारीयुक्त श्रम, सेवा-भाव या आत्म-विकास का संकल्प भी हो सकता है। दूसरा महत्त्वपूर्ण आधार है अनुशासन और नियमितता। मनोबल आकस्मिक प्रेरणा से नहीं, बल्कि सतत और नियमित अभ्यास से सुदृढ़ होता है। समय पर उठना, कार्य को टालने की प्रवृत्ति से बचना तथा छोटे-छोटे लक्ष्यों को पूरा करना- ये सब मन के भीतर विश्वास का निर्माण करते हैं। प्रत्येक कृतपूर्ण लघु लक्ष्य मनोबल की नौका में एक मजबूत पटरा जोड़ देता है। तीसरा आधार है- सकारात्मक संवाद। हम स्वयं से क्या कहते हैं, यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। नकारात्मक आत्मसंवाद मनोबल को भीतर से खोखला कर देता है। इसके विपरीत, यथार्थवादी और आशामय संवाद, जो कठिनाइयों को अंगीकार करते हुए समाधान खोजता है, मनोबल की नौका के लिए पतवार की भूमिका अदा करता है।

एक बात विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि यहां विवेकरहित आशा नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण तथा उद्देश्यपरक आशा की बात है।चौथा आधार है- परस्पर सहयोग, समन्वय और संबंध। मनोबल की नौका दरअसल एक पतवार से नहीं चलती। इसको गति प्रदान करने के लिए अनेक पतवारों का होना अनिवार्य है। परिवार, मित्र, समाज और सहकर्मी- ये सभी हमारे मनोबल की नौका के सहयात्री हैं। संकट में साझा किया गया दुख परिमाण में आधा रह जाता है और साझा की गई आशा परिमाण में दोगुनी हो जाती है। समाज में संवाद और संवेदना का अभाव मनोबल को कमजोर करता है, इसलिए स्वस्थ संबंधों का निर्माण नितांत आवश्यक है। धैर्य व्यक्ति को समय के साथ तालमेल बिठाकर चलना सिखाता है, नौका को लहरों के साथ संतुलन में रखता है। धैर्य का अर्थ निष्क्रियता नहीं, निरंतर, लेकिन बिना विचलित हुए शांतिपूर्वक प्रयत्न है। यह एक ऐसा अमूल्य गुण है जो व्यक्ति को थकान के क्षण में भी उत्साहपूर्वक एक कदम और बढ़ाने की शक्ति देता है। आध्यात्मिकता भी मनोबल की नौका को आवेग प्रदान करती है। यहां आध्यात्मिकता से आशय किसी संकीर्ण धार्मिक अर्थ में नहीं, बल्कि जीवन के व्यापक अर्थ-बोध के रूप में है। जब व्यक्ति अपने जीवन को किसी बड़े उद्देश्य से जोड़ता है, तब छोटी असफलताएं उसे तोड़ नहीं पातीं।

उद्देश्य की ओर देख कर ही मनोबल की दिशा तय होती है। बिना उद्देश्य के मनोबल क्षणिक एवं अस्थायी होता है, जबकि उद्देश्य के साथ वह दीर्घकालिक रूप ग्रहण कर लेता है। मनोबल की नौका की गतिशीलता को बनाए रखने के लिए स्वयं की देखभाल अनिवार्य है। शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, पर्याप्त विश्राम और ध्यान- ये सभी मन के महासागर में उठने वाली लहरों को शांत करते हैं। थका हुआ मन छोटी-सी चुनौती में भी घबरा जाता है, जबकि संतुलित मन बड़े से बड़े संकट का बखूबी सामना कर सकता है। मनोबल की नौका हमें यह सिखाती है कि जीवन में तूफानों से बचना तो संभव नहीं है, लेकिन उनके बीच डूबना भी अनिवार्य नहीं। मनोबल गिरने के बाद उठने का साहस देती है, असफलता के बाद भी प्रयास की सततता के लिए प्रेरणा देती है। जब मनोबल सुरक्षित एवं सशक्त होता है, तब भविष्य भय का नहीं, संभावनाओं का समुद्र बन जाता है। आज के परिवेश में आवश्यकता है कि हम व्यक्तिगत, सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर मनोबल की नौका को सुदृढ़ करें, क्योंकि मजबूत मनोबल ही वह आधार है, जिस पर समृद्ध समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है। लहरें आती रहेंगी, समुद्र भी उग्रता को धारण किए रहेगा, लेकिन मनोबल की नौका मजबूत है, तो यात्रा बिना किसी व्यवधान के अवश्य पूरी होगी।

- लेखक के व्यक्तिग विचार हैं।

आज का पंचांग

दैनिक पंचांग

30 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2026 वर्ष का 30 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 11.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 03.28 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वैधृति 16.59 बजे को समाप्त। **करण** बालव 11.10 बजे तदनन्तर कौलव 21.47 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 43'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872605
जूलियन दिन 2461070.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान **तारीख** 10
विशेष प्रदोष व्रत, महात्मा गाँधी पुण्यतिथि।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	कुंभ	07.32 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मीन	09.05 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	10.36 बजे से
बुध	धनु में	वृष	12.16 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.14 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	16.27 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.43 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.55 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.06 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	01.21 ब.से
10.30 से		धनु	03.37 बजे से
12.00 बजे तक		मकर	05.42 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8753

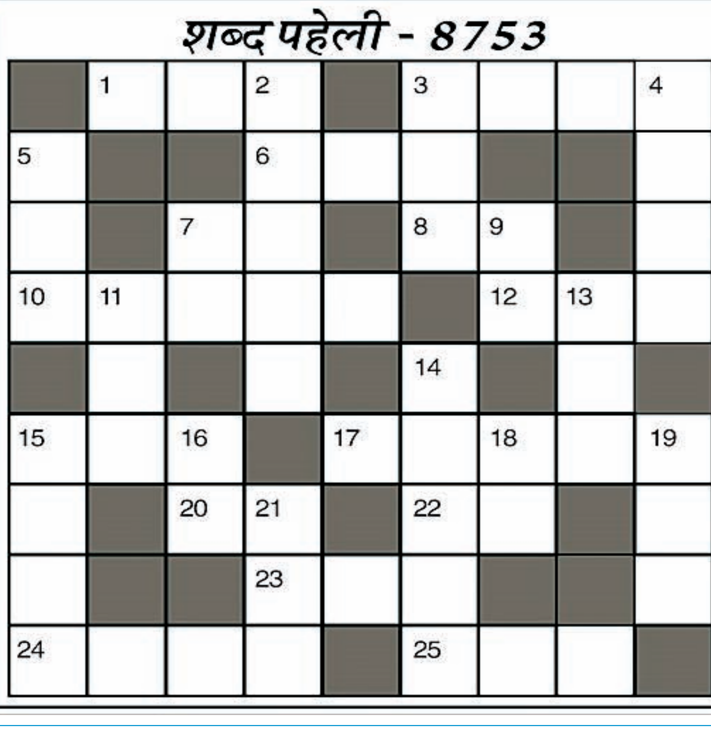

बाएँ से दाएँ

1. अभिप्राय, अभिव्यक्ति-3
3. सादापन, भोलापन-4
6. अवश्य-3
7. कांच का मर्तबान-2
8. पानी से सराबोर-2
10. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12. उद्धार, उत्कृष्ट-3
15. माला का मोती-3
17. सेवक, रोगी की देखभाल करने वाला-5
20. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22. चलने का ढ़ंग-2
23. गर्भ-3
24. निम्न, निकृष्ट-4
25. कथा, गाथा-3

ऊपर से नीचे

2. कमरे में बंद करना-5
3. ईमान, नियत-3
4. क्षारीय-4
5. दीदार-3
7. आशिक, यार-2
9. एक विदेशी मदिरा-2
11. लीन, व्यस्त, मशगूल-3
13. उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15. मतवाला, उन्मादी-4
16. चाचा, अंकल-2
18. पैंतरा, वेग-2
19. काफी, कोको -3
21. गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -8752 का हल

	स	ज	ग		ह	सी	न	
वा	दा		र		म		व	ध
प		फि	ल	हा	ल			मा
सी	र	त		नि		रु	ब	ल
		र	ज		न	ख		
नी	जा	त		जो		सा	हि	ल
र			क	र	ता	र		ह
व	श		स		मी		ता	जा
	क	ल	म		ल	की	र	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सुडोकू

सूडोकु नवताल- 7690 ★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7689 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

वरुण धवन की एक्टिंग की कायल हुई खुशबू पाटनी, 'बॉर्डर-2' को देखकर आई पुराने दिनों की याद

सनी देओल और मल्टीस्टार फिल्म 'बॉर्डर-2' रिलीज के साथ ही सिनेमाघरों में शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म ने रिलीज के बाद से अब तक वैश्विक स्तर पर लगभग 250 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है और कहा जा रहा है कि फिल्म के लिए ये हफ्ता भी लाजवाब रहने वाला है। इसी बीच सेना में मेजर पद पर रही खुशबू पाटनी ने फिल्म देख ली है और फिल्म देखने के लिए उन्हें अपने पुराने दिन याद आ गए। महिला सुरक्षा पर खुलकर बात रखने वाली खुशबू पाटनी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर वरुण धवन की एक्टिंग स्किल्स की तारीफ की है और अपने पुराने आर्मी के दिनों को भी याद किया है। उन्होंने वरुण की मेजर होशियार सिंह दहिया लुक के साथ फोटो पोस्ट की और लिखा, 'बॉर्डर-2 अभी देखी, वरुण धवन का काम लाजवाब है, उनके द्वारा निभाई गई होशियार सिंह दहिया की यादगार परफॉर्मेंस को हमेशा याद रखा जाएगा। मेरी कुछ पुरानी यादें ताजा हो चुकी हैं, खासकर ट्रेनिंग के दिनों की। हम भाई और बहन की तरह जीते हैं, भाई और बहन की तरह मरते हैं। नाम, नमक और निशान को कभी नहीं भूलते। जय हिंद, जय भवानी। इससे पहले खुशबू ने गणतंत्र दिवस के मौके पर अपनी फौजी की वर्दी के साथ फोटोज पोस्ट की, जिसमें वे अपने पुराने मेजर अवतार में दिखीं।

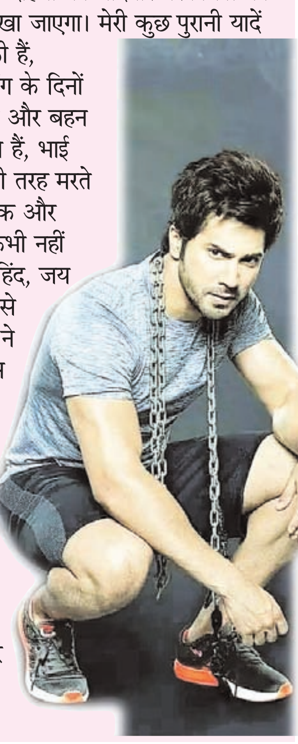

➤ बॉर्डर 2' का बॉक्स ऑफिस पर धमाका

आलिया भट्ट ने की 'बॉर्डर 2' की तारीफ

वॉर ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर-2' रिलीज के बाद से ही दर्शकों और सेलिब्रिटीज के बीच खूब चर्चा में है। फिल्म को मिल रही तारीफों की लिस्ट में नाम मशहूर अभिनेत्री आलिया भट्ट का भी जुड़ गया है। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए फिल्म के सभी कलाकारों की तारीफ की। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म 'बॉर्डर-2' की एक क्लिप शेयर की। इस सीन में वरुण, दिलजीत, अहान शेट्टी, और सनी देओल समेत फिल्म के कई कलाकार नजर आ रहे हैं। इसमें फिल्म के कुछ पावरफुल क्लिप्स भी शामिल हैं। आलिया ने लिखा, 'फिल्म 'बॉर्डर-2' शानदार फिल्मों में से एक है।'

अभिनेत्री ने फिल्म के डायरेक्टर अनुराग सिंह और पूरी स्टारकास्ट की परफॉर्मेंस को कमाल का बताया। इसी के साथ ही उन्होंने फिल्म के मुख्य कलाकारों की तारीफ करते हुए लिखा, 'सोनम बाजवा, सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मोना सिंह, मेधा राणा और आन्या समेत सभी ने शानदार काम किया है। खासतौर पर मेरे करीबी दोस्त वरुण धवन ने तो हर सीन में अपना दिल और जान डाल दी है, जो कि वह सबसे बेहतर करते हैं। आपके लिए बहुत खुशी हो रही है, वरुण धवन। आपके लिए साल की शुरुआत वाकई जबरदस्त रही। पूरी टीम को मेरी तरफ से बधाई। फिल्म बॉर्डर 2 को रिलीज के बाद से ही दर्शकों को जबरदस्त प्यार मिल रहा है।

अमीषा पटेल बोलीं- तारा सिंह को पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हूं

सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद फिल्म 'बॉर्डर-2' बॉक्स ऑफिस में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। 1997 की क्लासिक ड्रामा फिल्म की सीक्वल फिल्म कमाई के साथ दर्शकों का भी दिल जीतने में पीछे नहीं हट रही है। आम जनता से लेकर मनोरंजन जगत तक हर कोई फिल्म की तारीफ किए बिना नहीं रह पा रहा है। हाल ही में अभिनेत्री अमीषा पटेल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए फिल्म की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'तारा सिंह को देखकर मैं बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। मैं मानती हूं कि फिल्म में वरुण, दिलजीत और अहान समेत सभी कलाकारों ने अच्छा काम किया होगा। मैं फिल्म और उसके गानों को फिर से महसूस करने के लिए बहुत ज्यादा उत्साहित हूं।' उन्होंने कहा, 'मैंने अभी तक 'बॉर्डर 2' नहीं देखी है, लेकिन 1997 की 'बॉर्डर' देखी है। फिर भी, जिस तरह लोग इसे पसंद कर रहे हैं, लगता है कि टीम ने बहुत शानदार काम किया है। जैसे 'गदर 2' की तुलना 'गदर' से की गई थी, लेकिन 'गदर 2' के हिट होने के बाद सबने माना था कि यह अलग और शानदार फिल्म है, इसलिए मुझे लगता है कि तुलना नहीं करनी चाहिए।

अरिजीत सिंह के संन्यास पर सिंगर अरमान मलिक ने दी शुभकामनाएं

सिंगिग के क्षेत्र में योदगान को बताया उत्कृष्ट

'बर्फी', 'जग्गा जासूस', 'लूडो', और 'मेट्रो इन दिनों' जैसी फिल्मों में शानदार हिट गाने देने वाले सिंगर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग को अलविदा कह दिया है। सिंगर ने संन्यास का फैसला तब लिया है जब वे अपने करियर के कई हिट गाने दे चुके हैं। अब उनके फैसले पर सिंगर अरमान मलिक ने अपना पक्ष रखा है। सिंगर के फैसले का सम्मान करते हुए उन्हें दिल से आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी हैं। अरिजीत सिंह की आवाज कई लोगों के लिए प्रेरणा रही है, और अरमान मलिक भी उन्हीं सिंगर्स में से एक हैं। उन्होंने सिंगर के संन्यास लेने के फैसले पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आत्मा खुद समझ लेती है कि अब रास्ता बदलने का समय आ गया है, क्योंकि जो सामने है, वह अब उसके सबसे ऊंचे उद्देश्य को पूरा नहीं कर पा रहा। मुझे यह नहीं पता कि नदी फिर कहां जाकर समुद्र से मिलेगी, लेकिन मैं उसकी धारा पर और उसे दिशा देने वाली ईश्वरीय कृपा पर भरोसा करता हूं। आगे आने वाले जादू के लिए शुभकामनाएं! प्लेबैक गायन की कला को आपने जो कुछ भी दिया, उसके लिए दिल से धन्यवाद। अरिजीत ने मंगलवार को देर रात सोशल मीडिया पर हिंदी सिनेमा में गीत नहीं गाने को लेकर पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा था, 'हैलो, आप सभी को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं। इतने सालों से श्रोताओं के रूप में मुझे जो इतना प्यार दिया है, उसके लिए आप सबका धन्यवाद। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब से मैं एक प्लेबैक सिंगर के तौर पर कोई भी नया काम नहीं लूंगा। मैं इसे यहीं खत्म कर रहा हूं। यह एक शानदार सफर रहा। गौर करने वाली बात ये है कि सिंगर भले ही हिंदी सिनेमा में अपनी आवाज नहीं देंगे लेकिन अब वे कई इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के साथ कई ऊंचाइयों की तलाश में हैं। उन्होंने संगीत से संन्यास नहीं लिया है। सिंगर 2027 में कई बड़े प्रोजेक्ट और टूर करने वाले हैं। 2027 से सिंगर का वर्ल्ड टूर शुरू होगा।

अनन्या ने शेयर की मिरर सेल्फी

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने मंगलवार को अपनी वैनिटी वैन से एक मिरर सेल्फी शेयर की। इस मिरर सेल्फी में फैंस को उनके पर्सनल वैनिटी स्पेस की झलक मिली और साथ ही यह भी पता चला कि वह फिलहाल एक चोट से रिकवर हो रही हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की गई तस्वीर में, एक्ट्रेस ग्रे ओवरसाइज्ड हुडी पहने और हाथ में स्लिंग लगाए दिखीं, जिससे पता चला कि उन्हें चोट लगी है। उन्होंने तस्वीर पर एक स्टिकर लगाया था जिस पर लिखा था, '2026 में नजर लग गई। जिस चीज ने ध्यान खींचा, वह था अनन्या का वैनिटी मिरर, जो बॉलीवुड स्टार करिश्मा कपूर और सलमान खान के पोस्टर्स और कट-आउट से सजा था। 80 ??और 90 के दशक के कई बच्चों की तरह, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया के आने से पहले अपने पसंदीदा सितारों के पोस्टर लगाते थे, अनन्या के मिरर पर भी करिश्मा कपूर और सलमान खान की तस्वीरें लगी थीं।

विरासत से नहीं टैलेंट से बनीं सफल अभिनेत्री और गायिका

भारतीय सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। ये नाम अपनी बहुआयामी प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाते हैं। एक सफल अभिनेत्री, गायिका, संगीतकार और परफॉर्मर, जिनकी पहचान केवल एक स्टार किड के तौर पर नहीं, बल्कि एक मेहनती और टैलेंटेड आर्टिस्ट के रूप में बनी है। श्रुति हासन, भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और मशहूर अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। हासन परिवार में जन्म लेने के बावजूद श्रुति ने अपनी राह खुद बनाई। वह न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं, बल्कि एक स्थापित गायिका और म्यूजिक कंपोजर भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। श्रुति ने चेन्नई के एबाकस मोंटेसरी स्कूल में पढ़ाई की और दसवीं तक वहीं शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद मुंबई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज से साइकोलॉजी की पढ़ाई की। बचपन से ही उन्हें संगीत और सिनेमा में गहरी रुचि थी। इसी लगाव ने उन्हें आगे चलकर अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित म्यूजिशियंस इंस्टीट्यूट तक पहुंचाया, जहां उन्होंने संगीत की औपचारिक ट्रेनिंग ली। महज छह साल की उम्र में श्रुति हासन ने अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया, जिसे इलैया राजा ने कंपोज किया था। इसके बाद स्कूल के दिनों में उन्होंने हिंदी फिल्म 'चाची 420' (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म 'हे राम' में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम 'रामा रामा' भी गाई। एक अभिनेत्री के तौर पर श्रुति ने वयस्क भूमिका में डेब्यू 2009 में बॉलीवुड फिल्म 'लक' से किया। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा की ओर रुख किया और यहीं से उनका करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। श्रुति को असली पहचान तेलुगु फिल्म 'अनागनगा ओ धीरुडु' (2011) से मिली। इन फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू साउथ दिलाया। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया। 'रेस गुर्रम' (2014) में दमदार भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस तेलुगु मिला। कुल मिलाकर श्रुति के नाम तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स सहित कई सम्मान दर्ज हैं। हिंदी सिनेमा में श्रुति हासन ने 'डी-डे', 'रामैया वस्तावैया', 'गब्बर इज बैक', 'वेलकम बैक', 'रॉकी हैंडसम' जैसी फिल्मों में काम किया। जहां कुछ फिल्मों को समीक्षकों की सराहना मिली, वहीं कुछ बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। अभिनय के साथ-साथ संगीत श्रुति हासन की पहचान का अहम हिस्सा है। वह एक स्थापित पार्श्व गायिका हैं। साल 2009 में उन्होंने अपने पिता के प्रोडक्शन 'उन्नैपोल ओरुवन' से बतौर म्यूजिक डायरेक्टर भी डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने अपना खुद का म्यूजिक भी तैयार किया और बैंड के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई।

फिल्म लाइकी लाइका में दिखाई देंगे राशा थडानी और अभय वर्मा

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने जनवरी 2025 में रिलीज हुई फिल्म आजाद के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली, लेकिन ठीक-ठाक प्रतिक्रिया मिली थी। अब राशा अपनी दूसरी फिल्म लाइकी लाइका के साथ एक बार फिर बड़े परदे पर नजर आने के लिए तैयार हैं। हाल ही में फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया गया है, जिसके साथ इसकी रिलीज टाइमलाइन का भी खुलासा हुआ है। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन सौरभ गुप्ता कर रहे हैं। इस फिल्म में राशा के साथ अभय वर्मा मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे, जिन्हें हाल ही में फिल्म मुंज्या से बड़ी पहचान मिली थी। यह पहली बार होगा जब राशा और अभय की जोड़ी बड़े परदे पर साथ नजर आएगी। फिल्म का पोस्टर काफी अलग और दिलचस्प है। पोस्टर सामने आने के बाद से ही फिल्म को लेकर दर्शकों और खासकर युवाओं में उत्सुकता बढ़ गई है। राशा और अभय की नई जोड़ी को लेकर भी फैंस काफी उत्साहित हैं। निर्माताओं के मुताबिक लाइकी लाइका इसी साल गर्मियों में सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है।

सुंदर सी की फिल्म पुरुषन में नजर आएंगी तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया और निर्देशक सुंदर सी फिर से एक साथ काम करने जा रहे हैं। उनकी नई फिल्म का नाम पुरुषन है। बुधवार को इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा हुई और साथ ही धमाकेदार एक्शन के साथ टीजर भी जारी किया गया। पुरुषन फिल्म की कहानी एक्शन से भरपूर है, जैसा की टीजर में दिखाया गया है। एक्टर विशाल का रोल एक शांत और आज्ञाकारी पति का है, जो घर में सारा काम करता है। लेकिन उसके अंदर एक छिपा हुआ हिंसक और एक्शन वाला इंसान है, जिसके बारे में उसकी दबंग पत्नी (तमन्ना) को शायद पता नहीं है। टीजर में दिखाया गया है कि वह घर की रसोई में ही गुंडों से लड़ता है। फिल्म पुरुषन का निर्माण एसीएस अरुण कुमार ने बेन्ज मीडिया के तहत किया है। इसमें खुशबू सुंदर भी शामिल हैं। संगीत हिपहॉप तमिझा ने दिया है, कैमरा गोपी अमरनाथ ने संभाला है और एडिटिंग रोजर कर रहे हैं। इस फिल्म में योगी बाबू भी हैं, जिससे और मजा आने की उम्मीद है। अभी फिल्म की रिलीज डेट नहीं बताई गई है।

पहले भी साथ काम कर चुके हैं सुंदर सी और विशाल

यह विशाल और सुंदर सी की एक साथ चौथी फिल्म है। पहले वे आंबला, एक्शन और मधा गज राजा जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। फैंस को हमेशा विशाल-सुंदर सी की हिट जोड़ी की फिल्म का इंतजार रहता है। तमन्ना के फैंस बेसब्री से उनकी फिल्म पुरुषन की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

मेरे लिए भाषा नहीं, इमोशन मायने रखता है

शरमन जोशी अब अपनी पहली बंगाली फिल्म के साथ एक दूसरी इंडस्ट्री में कदम रख रहे हैं। इस अनुभव को चुनौतीपूर्ण बताते हुए शरमन ने कहा कि भाषा की बाधा मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी, लेकिन मैंने अभिनय में इमोशन को प्राथमिकता दी। अपनी भूमिका की तैयारी के लिए फिल्म की पटकथा के हिंदी और अंग्रेजी संस्करण की मदद ली, क्योंकि बंगाली भाषा मेरे लिए बिल्कुल नई थी। भाषा की कमी को दूर करने के लिए मुख्य सहायक निर्देशक के साथ मिलकर हर सीन की बारीकी से रिहर्सल की। मैं भले ही भाषा नहीं बोल पा रहा था, लेकिन मैंने इमोशंस को सच्चाई के साथ निभाने पर ध्यान दिया। सटीक तैयारी और कड़ी मेहनत ने मेरे एक्ट को मजबूती दी। शरमन ने यह भी स्वीकार किया कि फिल्म में उनके किरदार के लिए डबिंग आर्टिस्ट का इस्तेमाल होगा। फिल्मों के साथ-साथ शरमन एक बार फिर रंगमंच की ओर लौट रहे हैं।

अंकिता लोखंडे ने उषा नाडकर्णी को बताया 'रॉकस्टार'

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार विजय सेतुपति की आगामी फिल्म 'गांधी टॉक्स' का टीजर मंगलवार को सामने आ गया। यह एक साइलेंट फिल्म है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं है। फिल्म में एआर रहमान का म्यूजिक है, जो कहानी के उतार-चढ़ाव को जीवंत करेगा। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मराठी और हिंदी सिनेमा की वरिष्ठ कलाकार उषा नाडकर्णी भी शामिल हुईं। उन्हें फिल्म में काम करते देख उनकी पुरानी को-स्टार और 'पवित्र रिश्ता' फेम अभिनेत्री अंकिता लोखंडे भावुक हो गईं। अंकिता ने अपने इंस्टाग्राम पर उषा नाडकर्णी का एक वीडियो शेयर करते हुए उनके प्रति अपना सम्मान और प्यार व्यक्त किया। अंकिता उन्हें प्यार से 'आई' (मां) कहकर बुलाती हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में उषा जी की जमकर तारीफ की और उन्हें एक 'रॉकस्टार' बताया। अंकिता ने लिखा, 'आई, आप वास्तव में एक रॉकस्टार हैं और हर तरह से हम सभी के लिए प्रेरणादायक हैं। आपसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। आप आज भी अपने काम के प्रति जुनूनी, समर्पित और विनम्र हैं। आपकी ईमानदारी और सादगी को मेरा सलाम है। मुझे आपसे बहुत प्यार है। बता दें कि अंकिता और उषा ने टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता में साथ में काम किया था। इसमें उषा ने अंकिता की सास का रोल निभाया था। यह सीरियल 2009 में ऑन एयर हुआ था, जिसमें अंकिता लोखंडे और दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने अर्चना और मानव के रूप में लीड रोल निभाया था। किशोर पांडुरंग द्वारा निर्देशित फिल्म 'गांधी टॉक्स' में विजय सेतुपति के अलावा अरविंद स्वामी, अदिति राव हैदरी, सिद्धार्थ जाधव और महेश मांजरेकर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'गांधी टॉक्स' के ट्रेलर ने सोशल मीडिया पर पहले ही हलचल मचा दी है। यह फिल्म एक बेरोजगार की कहानी है, जिसे पड़ोसन अदिती राव से प्यार हो जाता है। एआर रहमान के दमदार संगीत और सेतुपति, स्वामी और अदिति के शानदार अभिनय ने ट्रेलर को और भी ज्यादा आकर्षक बना दिया है। 'गांधी टॉक्स' 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सांसद रूडी के प्रयास से सोनपुर–छपरा कनेक्टिविटी को नई दिशा

गंगा नदी पर नया सिक्स लेन सेतुः सोनपुर–छपरा संपर्क मार्ग को लेकर केंद्र का बड़ा निर्णय

मोर्थ के सचिव वी॰ उमाशंकर की अध्यक्षता में सांसद रुडी की अधिकारियों के साथ बैठक

प्रातः नागपुरी संवाददाता

छपरा। निमार्णाधीन छह लेन दीघाझसोनपुर पुल (गंगा नदी पर नया सिक्स लेन सेतु) के सोनपुरझछपरा एवं दीघाझपटना संपर्क मार्गों से जुड़ी यातायात समस्याओं के समाधान की दिशा में केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सारण सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी के आग्रह पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में 14 एवं 20 जनवरी को उच्चस्तरीय बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें MoRTH, NHAI तथा बिहार सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में सोनपुरझछपरा साइड की कनेक्टिविटी को विशेष रूप से केंद्र में रखते हुए निर्णय लिया गया कि बजरंग चौक से सोनपुरझछपरा रोड तक दोनों ओर सर्विस रोड उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि सोनपुरझछपरा रोड से रेलवे ओवरब्रिज तक शेष 250 मीटर क्षेत्र में सर्विस रोड एवं यू-टर्न विकसित किए जाएंगे। मौजूदा रेलवे ओवरब्रिज के रश लोडिंग के अनुरूप न होने के कारण, ठलअक द्वारा नए रेलवे

ओवरब्रिज तथा वायाडक्ट/फ्लाईओवर के निर्माण पर भी सहमति बनी है, जिससे सोनपुर, नयागांव एवं छपरा की ओर यातायात निर्बाध हो सकेगा। इसके साथ ही, भविष्य में बढ़ने वाले यातायात दबाव को ध्यान में रखते हुए सोनपुर साइड संपर्क मार्ग को छह लेन में विकसित करने की व्यवहार्यता का अध्ययन करने का निर्णय लिया गया। उत्तर गंगा तट पर प्रस्तावित गंगा पथ परियोजना को ध्यान में रखते हुए यह भी स्पष्ट किया गया कि पुल एवं वायाडक्ट के नीचे पर्याप्त ऊर्ध्वाधर एवं क्षैतिज क्लियरेंस उपलब्ध रहेगा।

पटनाझदीघा साइड पर संभावित ट्रैफिक जाम की आशंका को देखते हुए MoRTH द्वारा एक टाउन/ट्रांसपोर्ट प्लानर की नियुक्ति कर विस्तृत यातायात अध्ययन कराने का भी निर्णय लिया गया है, ताकि नया जेपी सेतु दोनों ओर से सुचारु एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था के साथ जनता को समर्पित किया जा सके।

सांसद रूडी ने कहा कि नया सिक्स लेन सेतु सारण और उत्तर बिहार की जीवनरेखा है तथा उनकी प्राथमिकता है कि यह परियोजना भविष्य की जरूरतों के अनुरूप मजबूत, सुरक्षित और जाम-मुक्त कनेक्टिविटी प्रदान करे। कहा कि नया जेपी सेतु केवल एक पुल नहीं, बल्कि उत्तर बिहार विशेषकर सारण, सोनपुर, नयागांव एवं छपरा क्षेत्र की आर्थिक, सामाजिक और यातायात कनेक्टिविटी की जीवनरेखा है। मेरा निरंतर प्रयास रहा है कि यह पुल भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप, निर्बाध और सुरक्षित यातायात व्यवस्था के साथ जनता को समर्पित हो।

उन्होंने केंद्र सरकार, MoRTH, NHAI तथा बिहार सरकार के अधिकारियों को सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि सारण की जनता को ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में कार्य सतत जारी रहेगा।

सीएम नीतीश ने समृद्धि यात्रा के दौरान समस्तीपुर वासियों को दी बड़ी सौगात

827 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दूसरे चरण की समृद्धि यात्रा के तहत आज समस्तीपुर पहुंच चुके हैं। उन्होंने समस्तीपुरवासियों को 827 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। इसमें 470 करोड़ रुपये की लागत से 71 योजनाओं का शिलान्यास किया। वहीं 273.02 करोड़ की लागत से 74 योजनाओं का शुभारंभ और 83.29 करोड़ रुपये की लागत से 43 योजानाओं का काम शुरू करवाया। इसके बाद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने एनडीए सरकार के कामों को गिनाया। उन्होंने 2005 से पहले की सरकार पर हमला बोला। लालू-राबड़ी राज की याद दिलाते हुए कहा कि याद है ना पहले क्या स्थिति थी? पहले बहुत बुरा हाल था? लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलते थे। समाज में कितना विवाद होता था, कितना

हिन्दू-मुस्लिम झगड़ा होता था? पढ़ाई का क्या हाल था? बहुत कम बच्चे पढ़ते थे, बहुत कम पढ़ाई होती थी। पहले इलाज का पूरा इंतजाम नहीं था। सड़कें बहुत कम थी और जो थी उनका बुरा हाल था।

सीएम नीतीश ने कहा कि हम लोगों के पहले की सरकार ने कोई काम नहीं किया था। उन्होंने लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए कहा कि अपने मुख्यमंत्री पद से हटा तो अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनवा दिया। उनलोगों ने किसी के लिए कुछ नहीं किया, महिलाओं के लिए भी कभी कुछ नहीं किया।बिजली बहुत कम जगह थी। शुरू से ही बिहार के विकास का काम हो रहा है। अब किसी प्रकार के डर एवं भय का वातावरण नहीं है। राज्य में प्रेम, भाईचारा एवं शांति का माहौल है।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि शुरू से ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है। राज्य में बड़े पैमाने पर सड़कों, पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया है। वर्ष 2015 में सात निश्चय के तहत हर घर तक बिजली, हर घर नल का जल, हर घर शौचालय तथा टोलों को पक्की सड़कों से जोड? का काम पूरा हो गया है। वर्ष 2018 में ही हर घर बिजली पहुंचा दी गयी। सरकार द्वारा शुरू से ही बहुत सस्ती दर पर बिजली दी गयी। अब लगभग सभी घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली मुफ्त दी जा रही है।

महिला सशक्तीकरण के लिए बहुत काम हुआ : मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में अगले 5 वर्षों (2025-2030) में कई कार्य कराये जायेंगे। सरकार द्वारा पहले कार्यकाल 2005-2010 तक, दूसरे कार्यकाल 2010-2015 तक, तीसरे कार्यकाल 2015-2020 तथा चौथे कार्यकाल 2020-2025 को मिलाकर चारों कार्यकाल में हर क्षेत्र में काम हुआ है चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सड़क हो, बिजली हो, कृषि हो। महिला सशक्तीकरण के लिए बहुत काम हुआ है। अब विकास की गति को और तेज किया जायेगा।

गढ़हरा यार्ड में मान्यता प्राप्त यूनियन ने जंगल में फहराया तिरंगा

शाखा कार्यालय न मिलने पर रेलवे प्रशासन पर भेदभाव का आरोप

एजेंसी

बेगूसराय। मान्यता प्राप्त यूनियन ईसीआरईयू / इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन (बरगद छाप) गढ़हरा शाखा द्वारा गढ़हरा यार्ड क्षेत्र में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ध्वजारोहण शाखा अध्यक्ष पप्पू कुमार ने किया, जिसके पश्चात सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाकर तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए शाखा मंत्री कृष्णकांत ने वीर शहीदों एवं भारतीय संविधान के निमार्ता भारत रत्न डॉ। भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कहा कि 26 जनवरी 1950 को लागू संविधान ने देशवासियों को संवैधानिक स्वतंत्रता प्रदान की। उन्होंने कहा कि वास्तविक आजादी तब ही संभव है जब सभी नागरिकों को समान शिक्षा, समान सुरक्षा और

समान स्वास्थ्य व्यवस्था मिले। कृष्णकांत ने सरकार द्वारा पारित चार श्रम कानूनों को मजदूर विरोधी बताते हुए इन्हें निरस्त करने की मांग की। उन्होंने रेलवे प्रशासन पर आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक तरीके से मान्यता प्राप्त यूनियन को 13 माह बाद भी शाखा कार्यालय नहीं दिया गया, जबकि पराजित यूनियन को कार्यालय उपलब्ध करा दिया गया। कार्यालय के अभाव में यूनियन को जंगल में ध्वजारोहण करना पड़ा।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में 270 से अधिक लोगों की हुई जांच

एजेंसी

तेघड़ा/बेगूसराय। किरण नेत्रालय सेवा समिति द्वारा तारा अड्डा ऑक्सीजन फैक्ट्री के निकट, फूलवड़िया बरौनी में निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन नेत्रालय के निदेशक एवं प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार के नेतृत्व में किया गया। इस निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर में बरौनी, तेघड़ा, बीहट, खगड़िया, समस्तीपुर, लखीसराय सहित आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी आँखों एवं चश्मे की जाँच कराने पहुँचे। शिविर में डॉ. अजीत कुमार एवं उनकी टीम द्वारा 270 से अधिक लोगों की आँख व चश्मा जाँच की गई, जबकि जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयाँ एवं चश्मा भी उपलब्ध कराया गया। डॉ. अजीत कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान 25 मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान की गई है, जिनका ऑपरेशन शीघ्र ही प्रसिद्ध नेत्र सर्जन डॉ. विवेकानंद द्वारा

किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 40 वर्ष की आयु के बाद आँखों से जुड़ी समस्याएँ बढ़ने लगती हैं, इसलिए समय-समय पर नेत्र जाँच कराना अत्यंत आवश्यक है। डॉ. अजीत कुमार ने यह भी बताया कि किरण नेत्रालय सेवा समिति द्वारा पिछले 20 वर्षों से स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क नेत्र जाँच एवं इलाज की व्यवस्था की जाती रही है।इस शिविर को सफल बनाने में ऑप्टोमेट्रिस्ट ऋतिक कुमार, मोनोल कुमारी, सानिया कुमारी, जागृति कुमारी, राहुल किरपाल, बादल कुमार, मिंटू पासवान, ईशान राय, राहुल सिंह,मनु कुमार,प्रशांत कुमार,सूरज सहित अन्य सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

सोशल मीडिया पर हथियार के साथ युवक का फोटो वायरल, क्षेत्र में चर्चा तेज

बलिया/बेगूसराय। सोशल मीडिया पर एक युवक का हथियार के साथ फोटो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लेकर लोगों के बीच तरह–तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। वायरल तस्वीर में युवक खुलेआम हथियार लहराते हुए नजर आ रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है।बताया जा रहा है कि यह वायरल फोटो बेगूसराय जिले के बलिया थाना क्षेत्र की है। सूत्रों के अनुसार कुछ लोगों का दावा है कि फोटो हाल का है, जबकि कुछ इसे पुराना बता रहे हैं। हालांकि अब तक इस फोटो के संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। इस पूरे मामले में दैनिक हिंदी आज वायरल फोटो की पुष्टि नहीं करता है। वहीं, सोशल मीडिया पर इस तरह की तस्वीरें वायरल होना कानून–व्यवस्था और युवाओं की मानसिकता को लेकर भी सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को ऐसे मामलों पर गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए, ताकि क्षेत्र में भय का माहौल न बने। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक कौन है, हथियार असली है या नहीं, और फोटो कब की है।अब देखना यह होगा कि पुलिस प्रशासन इस वायरल फोटो को लेकर क्या कदम उठाता है और सच्चाई सामने लाने के लिए कोई जांच शुरू होती है या नहीं।

भागलपुर में गाड़ी की टक्कर से चाचा-भतीजा जख्मी

भागलपुर। भागलपुर के स्नोहला थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क हादसा हुआ। कमालपुर पेट्रोल पंप के पास गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार चाचा–भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल (मायागंज) में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घायलों की पहचान आजमपुर गांव निवासी गौरव कुमार (17) और उनके चाचा जितेंद्र यादव (30) के रूप में हुई है। दोनों स्नोहला बाजार से सामान खरीदकर एक ही बाइक पर अपने गांव लौट रहे थे। कमालपुर पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात हाइवा वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद हाइवा चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत स्नोहला थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। उन्होंने घायलों को तत्काल स्नोहला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया।

दरभंगा में दो पक्षों में पत्थरबाजी के बाद 17 गिरफ्तार

दरभंगा। दरभंगा में दो पक्षों के बीच पत्थरबाजी और मारपीट हुई थी। जिसमें दोनों ओर से पुलिस ने कुल 17 लोगों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल इलाके में शांति है, पुलिस बल को तैनात कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। दरअसल, रविवार को सरस्वती पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान अश्लील गाना बजाने को लेकर कहासुनी हुई थी। जिसके बाद स्थानीय लोगों की पहल पर मामले को उस समय शांत करा दिया गया था, लेकिन सोमवार शाम 4 बजे फिर से माहौल तनावपूर्ण हो गया। गुलजार नाम युवक तेज आवाज वाली बुलेट बाइक लेकर ताता टोल के एक दरवाजे के पास खड़ा हो गया। वहां बच्चे खेल रहे थे। बुलेट की आवाज से बच्चे घबरा गए थे। जब बच्चों के अभिभावकों ने युवक को समझाने का प्रयास किया, तभी बात बढ़ गई और देखते–ही–देखते दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। कुछ ही देर में पथराव होने लगा, जिससे पूरा इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। मामला अलीनगर प्रखंड के जयंतीपुर तांती टोल की है।घटना में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। जिनका इलाज अनुमंडल अस्पताल बेनीपुर और निजी अस्पतालों में कराया गया था। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और दोनों पक्षों के 17 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। तनाव को देखते हुए बहेड़ा थाना की पुलिस घटना स्थल पर कैंप कर रही है। वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी ने कहा कि घटना का सरस्वती पूजा प्रतिमा विसर्जन से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि विवाद की शुरूआत बाइक के तेज आवाज वाले बदले हुए साइलेंसर को लेकर हुई थी। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

पांच सुपारी किलर हथियार के साथ गिरफ्तार

बेगूसराय। बेगूसराय नगर थाना एवं जिला आसूचना इकाई, बेगूसराय एवं एस टी एफ के द्वारा मुन्ना सिंह हत्या कांड के गवाह की हत्या की योजना को किया गया विफल। पुलिस टीम के द्वारा संयुक्त कार्रवाई में 05 सुपारी किल्लर गिरफ्तार। 02 पिस्टल, 01 देशी कट्टा, 22 कारतूस, 04 मोबाईल, 01 मोटरसाईकिल किया गया जप्त।› घटना का विवरण: नगर थाना को दिनांक–27.01.26 को रळऋटीम के द्वारा सूचना मिली की बेगूसराय मंडल कारा में बंद कुख्यात अपराधकर्मी 01 सुरज कुमार 02 विमलेश सिंह उर्फ अमलेश सिंह के द्वारा पुरानी रंजीश के कारण कुछ स्थानी अपराधियों को सुपारी देकर मुन्ना सिंह हत्याकांड के गवाह की हत्या बेगूसराय कोर्ट परिसर के आस पास कारवाना चाहते है। तुरंत कारवाई करने पर पकडा जा सकता है।› प्राप्त सूचना को वरीय पुलिस पदाधिकारी के संज्ञान में दिया गया तथा निदेर्शानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधीकारी सदर–01 के नेतृत्व में एक टीम गठन किया गया। तत्पश्चात सिंघौल थाना क्षेत्र में ग्राम मचहा से निगम कुमार को अभिरक्षा में लेकर पुछताछ किया गया। इसके पास से एक मोबाईल बरामद हुआ। पुछताछ में निगम कुमार अपना अपराध स्वीकार किया। और बताया कि जेल में बंद सूरज कुमार एवं विमलेश कुमार के द्वारा उसे पांच लाख रूपया की सुपारी मुन्ना सिंह हत्याकांड के गवाह की हत्या लेकर करने के लिए दी गयी। पकड़ाए व्यक्ति निगम कुमार के निशानदेही पर हरहर महादेव चौकके पास से एक मोटरसाईकिल पर सवार गुलशन कुमार, रविश कुमार, प्रीतम कुमार को पकड़ा गया। प्रीतम कुमार के पास से लोडेड देशी पिस्टल, 03 गोली बरामद किया गया मोबाईल बरामद किया गया।› प्रीतम कुमार से पुछताछ करने पर उसने बताया कि हम तीनों मोटरसाईकिल से मुन्ना सिंह हत्या कांड के गवाह के हत्या करने हेतू घुम रहें थे।

छपरा में गड्ढे में गिरी दो सहेलियों की हुई मौत

छपरा। सारण जिले के खैरा थाना क्षेत्र के खानपुर गांव में दो युवतियों की गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब दोनों युवतियां अईठा (घोंघा) चुनने के लिए गड्ढे के किनारे गई थीं और संतुलन बिगड? के कारण गहरे पानी में गिर गईं।मृतकों की पहचान धर्मनाथ महतो की 20 वर्षीय पुत्री प्रियंका कुमारी और विश्वनाथ महतो की 19 वर्षीय पुत्री सिंकी कुमारी के रूप में हुई है। दोनों युवतियां सहेलियां बताई जा रही हैं। घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा और परिजनों में कोहराम मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गड्ढे के किनारे मिट्टी गीली होने के कारण दोनों का पैर फिसल गया। आसपास मौजूद लोगों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार यह गड्ढा सड़क निर्माण के दौरान जेसीबी द्वारा खोदा गया था, जिसे भरने का काम नहीं किया गया, जिससे पानी भर गया और यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलने पर खैरा थाने के थानाध्यक्ष अखिलेश पासवान और अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। दोनों शवों को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह दुर्घटना प्रतीत होती है।

किशनगंज में दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग

किशनगंज। किशनगंज में शहर में अपराधियों के हौसले एक बार फिर बुलंद नजर आए हैं। बुधवार को डेमार्केट ओवर ब्रिज के पास बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े एक 65 वर्षीय वृद्ध महिला से सोने की चेन छीन ली और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई, वहीं लोगों में दहशत का माहौल बन गया है। पीड़ित महिला की पहचान रूईधासा निवासी इति घोष (65) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, इति घोष डेमार्केट से दवा खरीदने के बाद डेमार्केट ओवर ब्रिज के पास स्थित एक साइबर कैफे की ओर जा रही थीं। इसी दौरान पहले से घात लगाए बाइक सवार दो युवक उनके पास पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार युवक महिला के आगे बढ़े और जैसे ही महिला ओवर ब्रिज के पास पहुंची, बाइक पर पीछे बैठे युवक ने अचानक महिला को धक्का दिया और उनके गले से सोने की चेन झपट ली। घटना इतनी अचानक हुई कि महिला कुछ समझ पाती, इससे पहले ही बदमाश तेजी से फरार हो गए। बाइक सवार दोनों युवक डुमरिया ओवर ब्रिज की ओर भाग निकले। वृद्ध महिला के अनुसार, बदमाशों की संख्या दो थी और दोनों युवक बाइक पर सवार थे। चेन छीने जाने के बाद महिला मौके पर ही चिल्लाने लगीं। उनकी आवाज सुनकर आसपास के दुकानदार और राहगीर घटनास्थल पर जमा हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही कुछ स्थानीय लोगों ने बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन तब तक वे काफी दूर निकल चुके थे। भीड़ बढ? के साथ ही घटना की सूचना सदर थाना की पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सदर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के इलाकों में जांच शुरू की। पुलिस ने संभावित रास्तों पर चेक पोस्ट भी लगाया, लेकिन तब तक बदमाश पुलिस की पकड़ से बाहर हो चुके थे। पुलिस को दिए गए बयान में पीड़िता इति घोष ने बताया कि बाइक पर सवार दो युवक वारदात को अंजाम देकर फरार हुए हैं। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने बेहद चालाकी से घटना को अंजाम दिया और कुछ ही सेकंड में मौके से भाग निकले।घटना के बाद पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है। डेमार्केट और ओवर ब्रिज के आसपास कई निजी और सरकारी प्रतिष्ठानों में कैमरे लगे हुए हैं, जिनके फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि बदमाशों की पहचान की जा सके।

दो फरवरी से शुरू होगी इंटरमीडिएट की परीक्षा, तैयारी पूरी

एजेंसी

भागलपुर। भागलपुर में 2 फरवरी से 13 फरवरी तक इंटरमीडिएट वार्षिक सैद्धांतिक परीक्षा आयोजित होगी। इसको लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा के शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त संचालन को लेकर जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी की अध्यक्षता में समीक्षा भवन में केंद्र अधीक्षकों और प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। बैठक में परीक्षा से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं और सुरक्षा उपायों को अंतिम रूप दिया गया। इस साल भागलपुर जिले में कुल 59 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें सदर अनुमंडल में सर्वाधिक 40 केंद्र, नवगछिया अनुमंडल में 10 और कहलगांव अनुमंडल में 9 परीक्षा केंद्र शामिल है।

पहली पाली की परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को सुबह 9 बजे तक ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी, जबकि द्वितीय पाली के लिए यह समय दोपहर 1:30

बजे निर्धारित किया गया है। तय समय के बाद किसी भी परीक्षार्थी को केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सख्त नियम लागू किए गए हैं। केंद्र अधीक्षक के अलावा किसी भी अधिकारी, कर्मी या परीक्षार्थी को मोबाइल फोन रखने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा अवधि के दौरान केंद्र परिसर में फोटो स्टेट मशीन, कॉपीयर, डुप्लीकेटर जैसी मशीनों का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार को छोड़कर सभी पार्श्व अथवा पीछे के द्वारों को सुबह 8 बजे से परीक्षा समाप्ति तक बंद रखने का निर्देश दिया गया है। परीक्षार्थियों के लिए भी डीएम ने स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षा केंद्र में जूता-मोजा पहनकर प्रवेश वर्जित रहेगा। परीक्षार्थियों को केवल चप्पल पहनकर ही केंद्र में प्रवेश करना होगा। परीक्षा कक्ष में एक बेंच पर अधिकतम दो परीक्षार्थियों को बैठाया जाएगा, ताकि अनुशासन और निगरानी बनी रहे। परीक्षा के दौरान किसी भी आपात स्थिति या शिकायत के समाधान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष भी सक्रिय रहेगा। यह नियंत्रण कक्ष अनुमंडल कार्यालय, सदर भागलपुर परिसर स्थित सभाकक्ष में संचालित किया जाएगा।

नियंत्रण कक्ष की जिम्मेदारी अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी वंदना कुमारी को सौंपी गई है, जिनके साथ अन्य पदाधिकारी भी तैनात रहेंगे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त परीक्षा कराना है, ताकि परीक्षार्थी बिना किसी दबाव के परीक्षा दे सकें।

पंचतत्व में विलीन हुए अजित पवार, बेटों ने दी मुखाग्नि

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख नेता अजित पवार (66) का गुरुवार को बारामती स्थित विद्या प्रतिष्ठान मैदान में राजकीय सम्मान के अंतिम संस्कार किया गया। बेटे पार्थ पवार और जय पवार ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। इससे पहले केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितीन गडकरी, रामदास आठवले, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित प्रमुख नेताओं ने अजीत पवार को पुष्पचक्र अर्पित कर अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। पत्नी सुनेत्रा पवार, बेटा पार्थ पवार, जय पवार और पवार परिवार के अन्य सदस्यों ने भी अजित पवार को आखिरी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान अपने नेता के आखिरी दर्शन करने के लिए समर्थकों की भी भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने नम आंखों से अजित पवार को अंतिम विदाई दी।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार को बारामती में हुए प्लेन क्रैश हादसे में निधन हो गया। यह हादसा लैंडिंग की कोशिश करते वक्त हुआ था। इस हादसे में उनका पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर, एक अटेंडेंट और दो क्रू मेंबर की भी मौत हो गई। महाराष्ट्र सरकार ने तीन दिन के राजकीय शोक का ऐलान किया है। बुधवार शाम को अजित पवार का पार्थिव शरीर विद्या प्रतिष्ठान में लाया गया था। इसके बाद आज सुबह पार्थिव शरीर बारामती स्थित काठेवाड़ी में लाया गया। काठेवाड़ी से अजित पवार की अंतिम यात्रा निकाली गई। इस दौरान पूरा बारामती ₹दादा, वापस आ जाओ₹ की आवाज से गुंज उठा। समर्थकों ने एक वादा अजीत दादा के नारे लगाकर उन्हें आखिरी विदाई दी।

अजित पवार के निधन से महाराष्ट्र और बारामती में गम का माहौल है। पवार परिवार और बारामती के लोगों के बीच का रिश्ता अटूट है। इस परिवार ने अपनी उपलब्धियों से देश और राज्य की राजनीति में अपना नाम बनाया है। वरिष्ठ नेता शरद पवार ने 1988 में बारामती की बागडोर अजित पवार को सौंपी थी। उसके बाद अजित पवार ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। बारामती के लोगों ने उन्हें सात बार विधायक चुनकर उनसे बहुत प्यार किया। बारामती के लोगों के लिए काम करने वाले अजित पवार ने बारामती की धरती पर ही आखिरी सांस ली। बारामती को देश का नंबर वन शहर बनाने का उनका सपना अधूरा रह गया। अभी बारामती में कई प्रोजेक्ट पूरे होने की कगार पर हैं, जैसे आयुर्वेदिक कॉलेज, करहा नदी का ब्यूटीफिकेशन, करहा-नीरा योजना, जो खेती लायक इलाकों के लिए वरदान साबित होगी और शिवश्रुति।

लोकसभा को अध्यक्ष बिरला ने सीएसपीओसी-2026 के सफल आयोजन से अवगत कराया

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को सदन को राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) 2026 के सफल आयोजन से अवगत कराया। सदन को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा, भारतीय संसद द्वारा 14-16 जनवरी के बीच सीएसपीओसी का 28वां सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह सम्मेलन 16 वर्षों के बाद भारत में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में संसद सदस्यों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। इसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाए रखने में अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों की भूमिका, संसदों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जन-भागीदारी, सुरक्षा एवं कल्याण और लोकतांत्रिक सशक्तीकरण जैसे विषय शामिल थे। अध्यक्ष बिरला ने जानकारी दी कि सम्मेलन के दौरान उन्होंने 40 से अधिक देशों के समकक्षों के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान अतिथियों ने भारत के सशक्त और जीवंत संसदीय लोकतंत्र की सराहना की और भारत के साथ मजबूत मित्रवत सहयोग बनाए रखने की इच्छा व्यक्त की। सम्मेलन की परंपरा को निभाते हुए, मुख्य सत्रों के समापन के बाद 17 जनवरी को विदेशी शिष्टमंडलों के लिए जयपुर के भ्रमण का आयोजन किया गया। इस यात्रा के माध्यम से प्रतिनिधियों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करने का अवसर मिला। ओम बिरला ने बताया कि सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 जनवरी 2026 को ऐतिहासिक संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में किया था। इस सम्मेलन ने 53 राष्ट्रमंडल देशों और 14 अर्ध-स्वायत्त संसदों को एक साझा मंच प्रदान किया। सम्मेलन में विशेष अतिथि इंटर-पार्लियामेंट्री यूनियन (आईपीयू) की अध्यक्ष डॉ. तुलिया एक्सन और कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (सीपीए) के अध्यक्ष डॉ. क्रिस्टोफर कलिला सहित अन्य 60 अध्यक्ष, पीठासीन अधिकारी और लगभग 200 प्रतिनिधिमंडल उपस्थित रहे।

कोलकाता के आनंदपुर गोदाम अग्निकांड में मृतकों की संख्या बढ़कर 21, 27 अब भी लापता

कोलकाता। कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके आनंदपुर में स्थित दो गोदामों में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। वहीं, अब भी करीब 27 लोग लापता हैं। इनकी तलाश जारी है। इस बीच, जले हुए पुष्पांजलि डेकोरेटर्स गोदाम के मालिक गंगाधर दास को पुलिस ने लापरवाही से मौत के आरोप में गिरफ्तार किया है। बुधवार को उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। पुष्पांजलि डेकोरेटर्स का गोदाम मोमो कंपनी वॉव मोमो के गोदाम से सटा हुआ था, जो आग में पूरी तरह जलकर खाक हो गया। मोमो कंपनी के मालिकों के खिलाफ भी समान धाराओं में मामला दर्ज किया गया है, हालांकि, अब तक कंपनी से किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। वॉव मोमो ने बुधवार रात बयान जारी कर कहा कि इस हादसे में कंपनी के तीन कर्मचारियों की मौत हुई है। बयान में कहा गया कि 26 जनवरी तड़के करीब तीन बजे पास के एक गोदाम में लगी आग फैलकर उनके गोदाम तक पहुंच गई, जिससे वह पूरी तरह नष्ट हो गया। कंपनी ने मृतकों के परिवारों के लिए मुआवजा की घोषणा की है, जिसमें प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये, आजीवन मासिक वेतन और बच्चों की पूरी शिक्षा का खर्च शामिल है। कंपनी ने यह भी दावा किया कि आग पड़ोसी गोदाम में अवैध रूप से खाना पकाने के कारण लगी। आग सोमवार तड़के करीब तीन बजे लगी और मंगलवार दोपहर तक उस पर काबू पाया जा सका। घटना के समय वहां मौजूद लोगों की सटीक संख्या अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार, शव बुरी तरह झुलसने के कारण उनकी पहचान संभव नहीं हो पा रही है। अदालत से अनुमति मिलने के बाद डीएनए जांच के जरिए मृतकों की पहचान की जाएगी। अग्निकांड के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। दमकल विभाग की शिकायत पर नरेंद्रपुर थाने में लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए भी मामला दर्ज किया है। इन्हीं मामलों के आधार पर मंगलवार रात गरिया इलाके से गंगाधर दास को गिरफ्तार किया गया।

बांग्लादेश चुनाव को लेकर यूनुस सरकार पर भड़कीं शेख हसीना

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ नेता शेख हसीना ने भारत में निर्वासन में रहते हुए अपने देश के आगामी चुनावों की कड़ी आलोचना की है। ऐसा उन्होंने इसलिए किया, क्योंकि उनकी पार्टी को चुनावों में भाग लेने से रोक दिया गया है। उनके ये बयान अगले महीने होने वाले महत्वपूर्ण मतदान से पहले तनाव को और गहरा कर सकते हैं। हसीना, जिन्हें 2024 में छात्र विद्रोह को दबाने के लिए मौत की सजा सुनाई गई थी, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे। जिसके कारण उनका 15 साल का शासन समाप्त हो गया था। उन्होंने पिछले सप्ताह एसोसिएटेड प्रेस को एक ईमेल में चेतावनी दी थी कि समावेशी और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के बिना बांग्लादेश को लंबे समय तक अस्थिरता का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने जानबूझकर उनकी पार्टी - पूर्व सत्तारूढ़ अवामी लीग को चुनाव से बाहर कर रही है। वहीं, उनके लाखों समर्थकों को मताधिकार से वंचित कर दिया। उन्होंने लिखा, 'जब भी आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से को राजनीतिक भागीदारी से वंचित किया जाता है, तो इससे असंतोष गहराता है, संस्थानों की वैधता कम होती है और भविष्य में अस्थिरता की स्थिति पैदा होती है।इ हसीना ने आगे कहा बहिष्कार पर आधारित सरकार विभाजित राष्ट्र को एकजुट नहीं कर सकती।

ट्रम्प का हाथ थामकर मंच पर पहुंची अमेरिकी रैपर निकी मिनाज

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की हिप-हॉप सिंगर और रैपर निकी मिनाज ने बुधवार को वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हाथ मिलाया और खुद को राष्ट्रपति का सबसे बड़ा प्रशंसक बताया। निकी मिनाज ने मंच पर ट्रम्प के साथ हाथ जोड़ते हुए दर्शकों से कहा, 'मैं शायद राष्ट्रपति की नंबर 1 फैन हूं, और यह बात नहीं बदलेगी। मिनाज ने कहा कि आलोचकों की आलोचना और नफरत से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, बल्कि यह उनकी समर्थन को और मजबूत करती है। उन्होंने कहा, 'लोग जो कहते हैं, वह मुो प्रभावित नहीं करता। यह मुो राष्ट्रपति का समर्थन करने के लिए और अधिक प्रेरित करता है। यह हमें सभी को और अधिक समर्थन करने के लिए प्रेरित करेगा।' निकी ने ट्रम्प के विरोधियों पर आरोप लगाया कि वे राष्ट्रपति को अनुचित तरीके से निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम उन्हें राष्ट्रपति को बुली करने नहीं देंगे। उनके पीछे बहुत ताकत है और भगवान उनकी रक्षा कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति ट्रम्प ने निकी मिनाज की जमकर तारीफ की। उन्होंने उन्हें इतिहास की सबसे महान और सफल महिला रैपर बताया और 'ट्रम्प अकाउंट्स में सैकड़ों हजारों डॉलर के दान के लिए धन्यवाद दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, निकी ने 1.5 लाख से 3 लाख डॉलर तक का योगदान दिया है, हालांकि सटीक राशि की पुष्टि नहीं हुई है।

संक्षिप्त समाचार

भारत और अरब विदेश मंत्रियों की बैठक कल

नई दिल्ली। भारत शनिवार (31 जनवरी) को यहां आयोजित अरब के विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेगा। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में अरब लीग के सभी 22 सदस्य देशों के विदेश मंत्री और महासचिव शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार यह बैठक भारत-अरब साझेदारी को नई दिशा देने वाला सबसे बड़ा संस्थागत मंच है। इसमें अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, शिक्षा, मीडिया और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा होगी। बैठक से एक दिन पहले, 30 जनवरी को चौथी भारत-अरब वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक भी आयोजित की जाएगी। भारत और अरब देशों के बीच यह विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक है। पहली बैठक 2016 में बहरीन में हुई थी, जिसमें सहयोग के पांच प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई थी। दस साल बाद हो रही इस बैठक से उम्मीद है कि भारत और अरब देशों के बीच रिश्ते और गहरे होंगे और नए क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि भारत और अरब लीग के बीच औपचारिक संवाद की प्रक्रिया मार्च 2002 में शुरू हुई थी। इसके बाद 2008 में अरब-भारत सहयोग मंच बनाया गया और 2013 में इसमें संशोधन किया गया। भारत अरब लीग का पर्यवेक्षक सदस्य है, जिसमें कुल 22 देश शामिल हैं। यह पहली बार है जब भारत इस बैठक की मेजबानी कर रहा है।

नेपाल में नकली भारतीय मुद्रा के साथ बिहार के दो युवक गिरफ्तार

रौतहट। नेपाल के रौतहट जिले में नेपाली सुरक्षा बलों ने बिहार के दो निवासियों को नकली भारतीय नोटों के साथ गिरफ्तार किया है। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के प्रवक्ता मनीष थापा के अनुसार, सीतामढ़ी जिले के बिक्रम कुमार पासवान और राहेश कुमार साह को मंगलवार रात पकड़ा गया। दोनों भारतीय पंजीकरण वाली मोटरसाइकिल से नेपाल में प्रवेश कर रहे थे। उसी समय नियमित सुरक्षा जांच के दौरान उनके पास से 2500 रुपये की जाली मुद्रा बरामद हुई। इसमें एक 500 रुपये का नोट और दस 200 रुपये के नोट शामिल थे। आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए आरोपियों को जिला पुलिस कार्यालय, रौतहट को सौंप दिया गया है।

न्यूयॉर्क में बिखरी भारतीय संस्कृति-पर्यटन की छटा

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में आयोजित प्रमुख प्रदर्शनी में भारत के पर्यटन व सांस्कृतिक स्थलों की छटा बिखरी। प्रदर्शनी के जरिये हजारों आगंतुकों को देश की समृद्ध विरासत व पाक कला के बारे में जानने का अवसर मिला। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने जैकब जेविट्स सेंटर में आयोजित ट्रैवल एंड एडवेंचर शो 2026 में भाग लिया। यहां 10 हजार से अधिक आगंतुकों ने भारत के पर्यटन व सांस्कृतिक परिदृश्य की झलक देखी। इस वर्ष भारत मंडप विशाल कन्वेंशन सेंटर के मुख्य प्रवेश द्वार पर ही तैयार किया गया। भारतीय महावाणिज्य दूतावास के कांसुल जनरल बिनय प्रधान ने 24-25 जनवरी को आयोजित कार्यक्रम में भारत मंडप का उद्घाटन किया। भारत मंडप में विशेष रूप से भारत की टूर एवं ट्रैवल कंपनियों ने भाग लिया और अपनी योजनाएं प्रदर्शित कीं। प्रधान ने बताया, हमारा प्रयास भारतीय पर्यटन को अमेरिका की मुख्यधारा में लाना है और भारतीय-अमेरिकी प्रवासियों की दूसरी, तीसरी और चौथी पीढ़ी को अपने पैतृक देश की यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करना है। अमेरिका में रहने वाले 52 लाख प्रवासी भारतीय सांस्कृतिक रूप से भारत से जुड़े हुए हैं।

भारत की वैश्विक भूमिका मजबूत, संसद की जिम्मेदारी अहम : सीपी राधाकृष्णन

सदस्य संसद और उसकी समितियों में रचनात्मक, सार्थक और प्रभावी योगदान दें

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि भारत की वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ती भूमिका और प्रभाव के बीच संसद सदस्यों की जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे संसद और उसकी समितियों में रचनात्मक, सार्थक और प्रभावी योगदान दें। संसद के बजट सत्र में गुरुवार को राज्यसभा के 270वें सत्र के शुभारंभ पर अपने संबोधन में सभापति ने कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। ऐसे में संसद सदस्यों की भूमिका देश की आर्थिक दिशा तय करने में निर्णायक है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के दोनों सदनों के संयुक्त संबोधन ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की स्पष्ट रूपरेखा तय कर दी है और उसी के अनुरूप यह सदन अपने विधायी और विमर्शात्मक दायित्वों का निर्वहन करेगा। सभापति ने बताया कि 30 बैठकों के दौरान सदन में केंद्रीय बजट 2026-27 और सरकार के विधायी प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही अवकाश अवधि में विभागीय स्थायी समितियां विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की अनुदान मांगों की गहन समीक्षा करेंगी।

राधाकृष्णन ने कहा कि बजट प्रस्तावों के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर भी सदन में व्यापक कार्यवाही होनी है, जो जनप्रतिनिधियों की गंभीर जिम्मेदारी को दर्शाता है। उन्होंने सदस्यों से सदन के प्रत्येक निर्धारित मिनट का सदुपयोग करते हुए जनता की आकांक्षाओं को साकार करने का आान किया। सभापति ने संसदीय गरिमा, अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि लोकतंत्र विविध विचारों और सशक्त बहस से फलता-फूलता है, लेकिन सम्मानजनक संवाद और रचनात्मक चर्चा ही संसदीय विमर्श का आधार होनी चाहिए। उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि अनुशासित और प्रबुद्ध लोकतंत्र दुनिया की सबसे उत्तम व्यवस्था है और सदन में सदस्यों का आचरण इसी भावना को प्रतिबिंबित करना चाहिए। सभापति ने सभी संसदीय दलों के नेताओं और सदस्यों से पूर्ण सहयोग की अपेक्षा जताते हुए कहा कि यह बजट सत्र एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होना चाहिए।

भारत और यूरोपीय संघ के समझौते को ट्रंप के मंत्री ने बताया बेहद निराशाजनक

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए नए व्यापार समझौते की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यूरोप ने यूक्रेन के लोगों की सुरक्षा और चिंता को छोड़कर व्यापारिक मुनाफे को ज्यादा महत्व दिया है। एक न्यूज चैनल से बातचीत में बेसेंट ने यूरोपीय संघ के इस रुख पर गहरी निराशा जताई। उन्होंने दावा किया कि यूक्रेन में जारी भीषण युद्ध के बावजूद यूरोप ने अपने आर्थिक हितों को प्राथमिकता दी है। अमेरिका का यह बयान यूरोपीय संघ और भारत के बीच लंबे समय से अट-के व्यापार समझौते के पूरा होने के ठीक एक दिन बाद आया है।

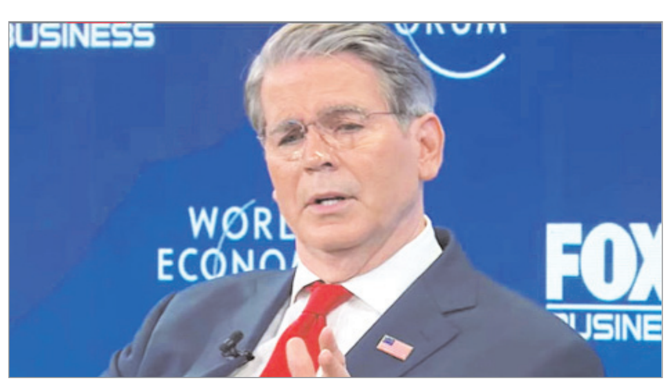

इस समझौते का मुख्य उद्देश्य आपसी व्यापार को बढ़ाना और अमेरिका पर यूरोप की निर्भरता को कम करना है। इस डील के तहत 96.6 प्रतिशत व्यापारिक सामानों पर आयात शुल्क या तो खत्म कर दिया जाएगा या काफी कम होगा। जानकारों का मानना है कि इस कदम से 2032 तक भारत को होने वाला यूरोपीय निर्यात दोगुना हो जाएगा। इससे यूरोपीय कंपनियों को करीब चार अरब यूरो की बड़ी बचत होने की उम्मीद है। बेसेंट ने कहा कि इस समझौते से अब यह साफ हो गया है कि यूरोपीय संघ ने पिछले साल भारत पर ऊंचे टैक्स लगाने के अमेरिकी फैसले का समर्थन क्यों नहीं किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि यूरोपीय देश असल में रूस के युद्ध को पैसा पहुंचा रहे हैं। उनके मुताबिक, रूस का कच्चा तेल भारत जाता है और वहां से रिफाइंड तेल उत्पाद यूरोप में जाते हैं। इस तरह यूरोप अनजाने में अपने ही खिलाफ युद्ध के लिए रूस की मदद कर रहा है। अमेरिकी वित्त मंत्री ने बताया कि अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। लेकिन यूरोपीय देशों ने इसके उलट भारत के साथ व्यापारिक डील कर ली। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप प्रशासन ने रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए यूरोप के मुकाबले कहीं ज्यादा कोशिशें की हैं। बेसेंट के अनुसार, इस संघर्ष को रोकने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूरोप की तुलना में कहीं अधिक बलिदान दिए हैं।

भाजपा नेताओं के लखनऊ आने पर छह तक रोक, बैठक और दौरे रद्द

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर सन्नाटा पसरा है। पार्टी ने कार्यकताओं, पदाधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक सबको छह फरवरी तक राजधानी लखनऊ आने पर रोक लगा दी गई है। कोई पदाधिकारी या नेता चेहरा चमकाने को कार्यालय पहुंच रहा है तो उसे कोप का भाजन बनना पड़ रहा है। खास बात यह है कि विधानसभा और विधान परिषद की सभी कमेटियों की बैठकें और दौरे भी छह फरवरी तक स्थगित कर दिए गए हैं। सारी कवायद गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर हो रही है। पार्टी की ओर से प्रदेश मुख्यालय पर एसआईआर के लिए वार रूम बनाया गया है। वहां कुछ पदाधिकारियों के साथ ही वालंटियरों की पूरी टीम लगाई गई है। कमेटियों की इन बैठकों और भ्रमण को स्थगित किए जाने को लेकर विधानसभा और विधान परिषद की ओर से आदेश जारी किए गए हैं। इसमें पूर्व निर्धारित भ्रमण व बैठकें भी तत्काल प्रभाव से निरस्त करने के निर्देश हैं।

ब्रिटिश पीएम आठ साल बाद तीन दिवसयी दौरे पर पहुंचे चीन

कोरोना काल में चीनी कंपनी हुआवे को निकाला था

एजेंसी

बीजिंग। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर 8 साल बाद तीन दिन के दौरे पर चीन पहुंचे। इससे पहले 2018 में तत्कालीन ब्रिटिश पीएम थेरेसा मे चीन पहुंची थी। पिछले 8 सालों में ग्लोबल राजनीति काफी बदल चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आक्रमक नीतियों और बयानों की वजह से यूरोपीय देश नए पार्टनर तलाश रहे हैं, ऐसे में चीन उन्हें एक मजबूत विकल्प नजर आ रहा है। चीन रवाना होने से पहले स्टार्मर ने मीडिया से कहा था कि ब्रिटेन को अमेरिका और चीन में से किसी एक को चुनने की जरूरत नहीं है।

अमेरिका के साथ रिश्ते बने रहेंगे, लेकिन चीन को नजरअंदाज करना सही नहीं होगा।

वहीं, चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच भरोसा बढ़ेगा और रिश्तों में स्थिरता आएगी। ब्रिटेन भले ही आज चीन को जरूरी देश बता रहा है, लेकिन 2020 में कोरोना के वक्त ही उसने चीनी टेक कंपनी हुआवे को जासूसी के शक में अपने देश से निकाल दिया था। ब्रिटिश सरकार ने 2010 में चीनी कंपनी हुआवे को देश में मोबाइल नेटवर्क पर काम करने की इजाजत दी। उसी समय हुआवे के ऑफिस में 'द सेलइ नाम का एक खास दफ्तर बनाया गया, जिसके जरिए सरकार कंपनी के काम पर नजर रखती थी। इसे कई सालों तक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम माना गया। इस दफ्तर में ब्रिटेन के साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट्स काम करते थे। हुआवे के खर्च पर वे उसके हर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की जांच करते थे, ताकि कोई ऐसा कोड न हो जिसका गलत इस्तेमाल किया जा सके। फिर भी ब्रिटेन की सरकार को इस सिस्टम से पूरी तरह भरोसा नहीं हुआ। करीब 10 साल तक हुआवे को काम करने देने के बाद, सरकार ने साल 2020 में फैसला किया कि उसे ब्रिटेन के 5जी नेटवर्क से बाहर कर दिया जाएगा। उसी साल संसद की एक जांच में कहा गया कि हुआवे और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बीच मिलीभगत के साफ सबूत हैं।

कोलंबिया में विमान हादसा, सांसद सहित 15 लोगों की मौत

एजेंसी

कोलंबिया। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है, जहां बुधवार, को एक विमान दुर्घटना में एक सांसद और चुनावी उम्मीदवार सहित कुल 15 लोगों की जान चली गई। विमानन अधिकारियों द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, यह हादसा वेनेजुएला सीमा के पास उत्तर संतांदर के दुर्गम पहाड़ी इलाके में हुआ। दुर्घटनाग्रस्त विमान कोलंबिया की सरकारी एयरलाइन सटेना का था। ट्विन इंजन वाले इस प्रोपेलर विमान ने कुकुटा शहर से ओकाणा के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के मात्र 12 मिनट बाद ही विमान का संपर्क एयर

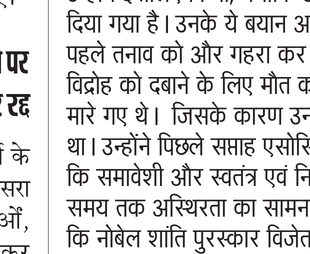

ट्रैफिक कंट्रोल (एटीएस) से टूट गया, जिससे हड़कंप मच गया। घंटों चले गहन खोजी अभियान के बाद, वायुसेना को प्लाया डी बेलन के ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्र में विमान का मलबा मिला। राहत और बचाव दल जब तक वहां पहुंचे, तब तक विमान में सवार सभी 15 यात्रियों की मृत्यु हो चुकी थी। इस हादसे में जान गंवाने वालों में 36 वर्षीय डायोजनीज क्विंटरो भी शामिल हैं, जो कोलंबिया की संसद के सक्रिय सदस्य थे। क्विंटरो कटाटुम्बो क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे, जो लंबे समय से संघर्ष और कोका की खेती के लिए चर्चा में रहता है। वह 2022 में उन 16 विशेष प्रतिनिधियों में से एक चुने गए थे, जिन्हें देश के दशकों पुराने आंतरिक संघर्ष के पीड़ितों के लिए आरक्षित सीटों पर जगह मिली थी। उनके साथ ही आगामी चुनाव के उम्मीदवार कार्लोस साल्सेडो की भी इस दुखद घटना में मृत्यु हो गई। जिस स्थान पर यह विमान क्रैश हुआ, वह एंडीज पर्वतमाला का एक बेहद ऊबड़-खाबड़ और चुनौतीपूर्ण इलाका है। यह क्षेत्र कोलंबिया के सबसे बड़े गुरिल्ला समूह, नेशनल लिबरेशन आर्मी के प्रभाव वाला माना जाता है।

भारतीय टीम के लिए टी20 विश्व कप जीतना नहीं रहेगा आसान

एजेंसी

मुंबई। भारतयी क्रिकेट टीम अगले माह अपनी ही धरती पर होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट टूनार्मेंट में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा इसे इतना आसान नहीं मानते हैं। भारतीय टीम अभी टी20 में नंबर स्थान पर है और उसने लगातार अपने मैच जीते हैं। वहीं रोहित ने कहा कि विश्वकप जीत की राह में कई कठिनाइयां हैं जो नजर नहीं आ रही हैं। इसमें टीम के लिए विजयी संयोजन बनाना सबसे कठिन काम है।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि स्पिन आक्रमण को लेकर हमें ध्यान रखना होगा। उनके अनुसार, कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के सामने सबसे मुश्किल सवाल यह होगा कि कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे दो दिग्गज स्पिनरों को एक साथ खिलाया जाए या पूरे टूनार्मेंट में सिर्फ वरुण को रखा जाए। भारत पिछले एक साल से स्पिन गेंदबाजों पर काफी निर्भर रहा है, जिसमें कुलदीप, वरुण और अक्षर पटेल ने कई मैचों का रुख पलटा है। रोहित के मुताबिक, अगर टीम प्रबंधन कुलदीप और वरुण दोनों को अंतिम ग्यारह में शामिल करना चाहता है, तो उसे केवल दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतरना पड़ेगा। टी20 क्रिकेट में यह एक बड़ा जोखिम हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि कप्तान और कोच किस तरह का संतुलन चाहते हैं। रोहित ने टूनार्मेंट के समय को भी एक अहम चुनौती बताया है। उन्होंने कहा कि फरवरी-मार्च के दौरान, जब सर्दियों से वसंत का मौसम आता है, भारत के ज्यादातर मैदानों पर शाम के मैचों में भारी ओस देखने को मिलती है। ओस की वजह से स्पिनरों के लिए गेंद पकड़ना और नियंत्रण बनाए रखना कठिन हो जाता है, जिससे टीम की रणनीति प्रभावित हो सकती है।

साथ ही कहा कि अगर अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती तीनों को एक साथ ही रखा जाता है तो टीम संतुलन बिगड़ सकता है क्योंक अर्शदीप सिंह जैसे विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को बाहर करना पड़ेगा। ऐसे में भारतीय टीम को जसप्रीत बुमराह के साथ हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे जैसे तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों को लगाना होगा। रोहित के अनुसार, यह फैसला आसान नहीं होगा क्योंकि हर खिलाड़ी अपनी जगह पर विश्व-स्तरीय है।साथ ही कहा कि वर्तमान हालतों में भारतीय टीम के लिए एक तय अंतिम ग्यारह बना दी जाये तो उसमें भी नुकसान है। उसकी जगह हालातों के अनुसार अंतिम ग्यारह तय करनी होगी।

गंभीर को कोच पद से हटाने की कोई योजना नहीं : बीसीसीआई

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 सीरीज के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर को हटाये जाने की सभी अटकलों को खारिज कर दिया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि देश में क्रिकेट को लेकर जिस प्रकार की दीवानगी रहती है। उसमें सभी अपने को विशेषज्ञ समझते हैं। साथ ही कहा कि सभी को अपनी राय देने का अधिकार है पर इस मामले में बोर्ड किसी भी प्रकार का फैसला अपने विशेषज्ञ पैनल की रिपोर्ट के आधार पर लेता है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई में एक क्रिकेट कमेटी है, जिसमें पूर्व क्रिकेटर शामिल रहते हैं। वे पूरी जिम्मेदारी के साथ सभी फैसले लेते है। वहीं टीम चयन के लिए हमारे पास पांच चयनकर्ता होते हैं, जो योग्यता के बाद इस पद तक पहुंचते हैं। ये ही लोग चयन से जुड़े फैसले लेते हैं। हर फैसले पर कोई न कोई अलग राय हो सकती है। उन्होंने आगे कहा, हम इन सभी रायों को सुनते और समझते हैं पर अंतिम फैसला हमेशा क्रिकेट कमेटी और चयनकर्ता ही लेते है। वहीं हाल में पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा था कि अगर भारतीय टीम टी20 विश्वकप कप 2026 में असफल रहती है तो बीसीसीआई को कठिन फैसला लेते हुए गंभीर को कोच पद से हटा देना चाहिए। गौरतलब है कि गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम टी20 क्रिकेट में ही अब तक सफल रही है। वहीं टेस्ट में उसका प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह दो घरेलू सीरीज हारी है। इसके अलावा एकदिवसीय में भी टीम कुछ विशेष नहीं कर पायी है।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट

शिवम दुबे बने तीसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले भारतीय

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारत ने भले ही बुधवार को एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के विरुद्ध चौथा टी20 मैच 50 रन से गंवाया, लेकिन इस मुकाबले में शिवम दुबे की पारी काबिल-ए-तारीफ थी। उन्होंने महज 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो किसी भारतीय खिलाड़ी की ओर से तीसरी सबसे तेज फिफ्टी रही। इस लिस्ट में युवराज सिंह शीर्ष पर हैं, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ डरबन के मैदान पर महज 12 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया था। वहीं, अभिषेक शर्मा ने न्यूजीलैंड के विरुद्ध इसी टी20 सीरीज में 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया था। वह लिस्ट में दूसरे पायदान पर मौजूद हैं। यह मैच गुवाहाटी में खेला गया था। तीसरे नंबर पर शिवम दुबे पहुंच गए हैं, जिन्होंने विशाखापत्तनम के मैदान पर महज 15 गेंदों में न्यूजीलैंड के विरुद्ध 50 रन पूरे किए हैं। चौथे नंबर पर हार्दिक पंड्या हैं, जिन्होंने साल 2025 में अहमदाबाद के मैदान पर साउथ अफ्रीका के विरुद्ध 16 गेंदों में अर्धशतक जमाया था। वहीं, अभिषेक शर्मा 17 गेंदों में अर्धशतक पूरा करते हुए लिस्ट में पांचवें स्थान पर भी हैं। अभिषेक शर्मा ने साल 2025 में यह कारनामा इंग्लैंड के विरुद्ध वानखेड़े स्टेडियम में किया था। न्यूजीलैंड के विरुद्ध विशाखापत्तनम में खेले गए इस मैच में शिवम दुबे ने पारी के 12वें ओवर में ईश सोढ़ी के खिलाफ दो चौके और तीन छक्के लगाने के साथ एक डबल लिया। इस ओवर में दुबे ने कुल 28 रन हासिल किए, जबकि एक रन वाइड के रूप में भी आया। इसी के साथ दुबे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के एक ओवर में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रनों के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आ गए हैं। रोहित शर्मा ने साल 2024 में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज मिचेल स्टार्क के विरुद्ध एक ही ओवर में 28 रन बनाए थे। इस लिस्ट में युवराज सिंह शीर्ष पर हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के विरुद्ध टी20 वर्ल्ड कप 2007 के मुकाबले में एक ही ओवर में 6 छक्के लगाते हुए 36 रन बनाए थे। लिस्ट में दूसरे पायदान पर संजू सैमसन हैं, जिन्होंने साल 2024 में बांग्लादेश के रिशाद हुसैन के विरुद्ध एक ही ओवर में 30 रन जुटाए थे।

आईसीसी टी20 रैंकिंग

अभिषेक शर्मा शीर्ष पर बरकरार, सूर्यकुमार यादव की लंबी छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी द्वारा बुधवार को जारी टी20 फॉर्मेट के बल्लेबाजों की रैंकिंग में सबसे ज्यादा फायदा भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को हुआ है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले तीन टी20 मैचों में खेली 2 अर्धशतकीय पारियों के दम पर सूर्यकुमार यादव की एंट्री शीर्ष दस बल्लेबाजों में हो गई है। साल 2025 में बतौर बल्लेबाज

बुरी तरह फ्लॉप रहे और एक भी अर्धशतक लगाने में असफल रहे सूर्यकुमार यादव टी20 के शीर्ष दस बल्लेबाजों की रैंकिंग से बाहर हो गए थे। 2026 की शुरुआत भारतीय कप्तान के लिए बेहतरीन रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी 5 टी20 मैचों की सीरीज के पहले तीन मैचों में 2 अर्धशतक की बदौलत उन्होंने 171 रन बनाए हैं। पिछले दोनों मैचों में वह नाबाद रहे। उनका सर्वाधिक स्कोर 82 रहा है। तीन मैचों में किए दमदार प्रदर्शन की बदौलत सूर्यकुमार यादव ने पांच स्थान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल कर लिया है। शीर्ष दस बल्लेबाजों की रैंकिंग पर नजर डालें तो भारत के अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर मजबूती से बने हुए हैं। इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे, भारत के तिलक वर्मा तीसरे, इंग्लैंड के जोस बटलर चौथे और पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान पांचवें नंबर पर हैं।

सूर्यकुमार ने हार पर निराशा जतायी

शिवम दुबे के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की

एजेंसी

विशाखापत्तनम। भारतीय क्रिकेट टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है। सूर्यकुमार ने हालांकि शिवम दुबे की पारी की सराहना की है। शिवम ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों में ही 65 रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलाने का पूरा प्रयास किया पर बदकिस्मती से वह रन आउट हो गये जिसये ये मैच भारतीय टीम के हाथों से निकल गया। सूर्या ने कहा कि अगर कोई बल्लेबाज शिवम के साथ होता तो इस मैच का परिणाम कुछ और होता। भारतीय टीम ने चौथे टी20 में छह बल्लेबाजों को उतारा पर इसके बाद भी उसे लाभ नहीं मिला। सूर्यकुमारी ने कहा कि हमने छह बल्लेबाज और पांच गेंदबाज इसलिए उतारे थे जिससे पल चल सके कि टी20 विश्व कप से पहले हम कहां पर हैं। शिवम के अर्धशतक के बाद भी इस मैच में भारतीय टीम हारी है। इस हार से अब पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 3-1 से आगे है। सूर्यकुमार ने कहा, मुझे लगता है कि ओस के बाद भी अगर कोई बल्लेबाज शिवम का साथ देतो तो मैच बच सकता था। हम 50 रनों से हार गए, लेकिन कोई बात नहीं.जैसा कि मैंने कहा, इस तरह लक्ष्य का पीछा करते हुए एक-दो साझेदारियां निर्णायक साबित हो सकती थीं। कप्तान ने कहा कि हमारे पास कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी अंतिम एकादश में शामिल करने का अवसर था पर हम उन खिलाड़ियों को अवसर देना चाहते थे जो टी20 विश्वकप टीम का हिस्सा हैं। हम पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन हम यह देखना चाहते थे कि लक्ष्य का पीछा करते हुए अगर विकेट गिरते हैं तो टीम किस प्रकार का प्रदर्शन करती है।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया

भारत के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्वॉड का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के साथ मल्टी फॉर्मेट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्क्वॉड का ऐलान हो गया. सॉफी मॉलिन्यू की कप्तानी में टीम चुनी गई. एलिसा हीली के कप्तानी छोड़ने और भारत के साथ

सीरीज के साथ संन्यास के ऐलान के चलते नेतृत्व में बदलाव करना पड़ा. हालांकि हीली भारत के खिलाफ वनडे सीरीज और इकलौते टेस्ट में कप्तानी संभालेंगे. इसके बाद वह इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ देंगी. 28 साल की मॉलिन्यू तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान बनाई गई है. वह इस भूमिका में आगाज टी20 सीरीज में कप्तानी के साथ करेंगी. उन्हें ताहलिया मैक्ग्रा और एश्ले गार्डनर पर तवज्जो दी गई है. ये दोनों भारत के खिलाफ सीरीज में उपकप्तान बनाई गई. मैक्ग्रा पहले से उपकप्तान थी और अब गार्डनर को दूसरी उपकप्तान बनाया गया है.

लगातार शतक ठोकने वाले सरफराज खान ने टीम इंडिया के सेलेक्शन पर तोड़ी चुप्पी- मॉलिन्यू ने 2018 में भारत के खिलाफ टी20 मुकाबले से इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा था. लेकिन 2024 के बाद से वह अलग-अलग चोटों के चलते ऑस्ट्रेलिया के टी20 और टेस्ट नहीं खेल पाई हैं. हाल ही में वह डब्ल्यूबीबीएल में मेलबर्न रेनेगेड्स के सारे मैच भी नहीं खेल पाई थी. लेकिन 2024-25 के सीजन में इस टीम को पहली बार विजेता बनाने का उन्हें फायदा मिला. समझा जाता है कि कप्तान बनने में यह सफलता निर्णायक रही. मॉलिन्यू जून 2026 में टी20 वर्ल्ड कप से पहले वेस्ट इंडीज दौरे के साथ तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया की कमान संभालेंगी.

एलिस पेरी ने क्रिकेट ही नहीं फुटबॉल में भी बनाये हैं रिकार्ड

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर एलिस पेरी एक शानदार क्रिकेटर के साथ ही एक अच्छी फुटबॉलर भी रही हैं। एलिस ने साल 2013 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर क्रिकेट के अलावा फुटबॉल में खेला है। एलिस ने फीफा वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल में भी गोल दागा था। यह गोल उन्होंने 2011 फीफा वर्ल्ड कप में मैटिल्डास की स्वीडन के खिलाफ 1-3 की हार के दौरान किया था। फुटबॉल में साल 2011 फीफा महिला विश्व कप में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रह है।, तब इस खिलाड़ी ने टीम को क्वार्टरफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। तब ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा पर टीम की ओर से एकमात्र गोल पेरी

ने किया था। वहीं साल 2014 में पेरी ने ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल टीम से संन्यास ले लिया पर उनके खेल खिलाड़ी आज तक याद रखते हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि फीफा में उनके नॉकआउट गोल पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो से ज्यादा हैं। . उन्होंने वर्ल्ड कप (2006, 2010, 2014, 2018 और 2022) के नॉकआउट स्टेज में एक भी गोल नहीं किया है। वहीं पेरी ने ऑस्ट्रेलिया की टीम के लिए 2010, 2012, 2014, 2018, 2020, 2023 में टी20 विश्व कप खिताब जीता था।

ऑलराउंडर साइम अयूब के दम पर पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को हराया

एजेंसी

लाहौर। साइम अयूब के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 22 रन से शिकस्त दी। गुरुवार को लाहौर में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 168 रन बनाए और फिर कसी हुई गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया को 146 रन पर रोक दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की शुरूआत बेहद खराब रही और साहिबजादा फरहान पहली ही गेंद पर शून्य पर आउट हो गए। इसके बाद साइम अयूब और कप्तान सलमान आगा ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 74 रनों की अहम साझेदारी हुई। अयूब ने 40 रन बनाए, जबकि सलमान आगा ने 39 रनों का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए लेग स्पिनर एडम जंपा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए और पाकिस्तान को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोका।

168 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरूआत भी लड़खड़ाई। साइम अयूब ने गेंद से भी कमाल दिखाते हुए पहले मैथ्यू शॉर्ट और फिर कार्यवाहक कप्तान ट्रेविस हेड (23) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को दबाव में डाल दिया। रन आउट के चलते भी ऑस्ट्रेलिया को नुकसान उठाना पड़ा। कैमरन ग्रीन ने 36 रनों की जुझारू पारी खेली, लेकिन मोहम्मद नवाज ने उन्हें आउट कर पाकिस्तान की जीत लगभग तय कर दी। निचले क्रम में जेवियर बार्टलेट ने नाबाद 34 रन बनाए, लेकिन वह हार का अंतर ही कम कर सके। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। बाकी दो मुकाबले इसी मैदान पर शनिवार और रविवार को खेले जाएंगे।

कार्रवाई - टी20 विश्व कप से पहले अमेरिका का स्टार बल्लेबाज सस्पेंड

दुबई। आईसीसी ने 2023-24 में बारबाडोस में आयोजित बीआईएम10 लीग के दौरान कथित फिक्सिंग के मामले में अमेरिका के बल्लेबाज आरोन जोन्स को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। जोन्स 2024 में टी20 विश्व कप में डेब्यू करते हुए सुपर-8 चरण तक पहुंचने वाली अमेरिकी टीम का हिस्सा थे। उन पर भ्रष्ट प्रस्ताव की जानकारी संबंधित अधिकारियों को न देने और कथित अपराध की जांच में सहयोग न करने का भी आरोप लगाया गया है। आरोन जोन्स को लेकर आईसीसी ने बयान जारी किया। आईसीसी की तरफ से कहा गया, 'आईसीसी ने अमेरिका के खिलाड़ी आरोन जोन्स पर क्रिकेट वेस्टइंडीज और आईसीसी के भ्रष्टाचार-रोधी संहिता के तहत पांच उल्लंघनों का आरोप लगाया है। ये आरोप मुख्य रूप से 2023-24 के बीआईएम10 टूर्नामेंट से जुड़े हैं, जो सीडब्ल्यूआई की भ्रष्टाचार-रोधी संहिता के अधिकार क्षेत्र में आता है। जबकि दो अन्य आरोप अंतरराष्ट्रीय मैचों से संबंधित हैं, जो आईसीसी संहिता के अंतर्गत आते हैं।'

19 प्रतिशत लुढ़का अडानी की कंपनी का मुनाफा, 135 पर शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी समूह की कंपनी अडानी पावर ने दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में अडानी पावर का मुनाफा करीब 19 पर्सेंट कम हो या है। दिसंबर तिमाही में मुनाफा 2479 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष के 3057 करोड़ के आंकड़े से 19 प्रतिशत कम है। इसके अलावा, तिमाही राजस्व में 8.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 13,671 करोड़ से घटकर 12,451 करोड़ रह गया। मानसून के जल्दी आने और लंबे समय तक रहने के कारण मांग में आए व्यवधान के बावजूद, कंपनी की बिजली बिक्री की मात्रा 23.6 अरब यूनिट (बीयू) रही। पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में यह आंकड़ा 23.3 अरब यूनिट था। इस तिमाही के दौरान कंपनी को असम की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) से 3,200 मेगावाट का नया दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौता (पीपीए) हासिल हुआ है। अडानी पावर लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एस बी ख्यालिया ने कहा– हम अपनी आगामी क्षमताओं के लिए तेजी से लॉन्ग टर्म बिजली खरीद समझौते सुरक्षित कर रहे हैं। हमारी 23.7 गीगावाट की विस्तार योजना का लगभग आधा हिस्सा पहले ही राज्य डिस्कॉम के साथ पीपीए के तहत जुड़ चुका है। परियोजना को लागू करने की प्रक्रिया भी बेहद शानदार रही है और हम अपने लक्ष्यों को समय पर या उससे पहले हासिल कर रहे हैं। सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार को अडानी पावर के शेयर बिकवाली मोड में थे।

आईएमडी बिज़नेस स्कूल, स्विटज़रलैंड ने 'पथ्य' पर आधारित स्ट्रक्चर्ड सस्टेनेबिलिटी पर एक केस स्टडी प्रस्तुत की

मुंबई, एजेंसी। सस्टेनेबल और दायित्वपूर्ण आतिथ्य हेतु की गई इंडियन होटल्स कंपनी (आईएचसीएल) की पहल 'पथ्य' को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट (आईएमडी बिज़नेस स्कूल), लूज़ान, स्विटज़रलैंड की एक विस्तृत केस स्टडी में शामिल किया गया है। यह स्टडी सस्टेनेबिलिटी के लिए आईएचसीएल के संरचित तरीके और व्यापार रणनीतिक में इसके एकीकरण की पड़ताल करती है। आईएचसीएल के कार्यकारी उपाध्यक्ष – मानव संसाधन श्री गौरव पोखरियाल ने कहा, ''भारत की हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में अग्रदूत के तौर पर आईएचसीएल ने इस क्षेत्र में कई मानक स्थापित किए हैं, जो लगातार विकसित हो रहे हैं। आज, हॉस्पिटैलिटी को सस्टेनेबल बनाना एक साझा ज़िम्मेदारी है। पथ्य एक ऐसे भविष्य की राह है जहां वृद्धि और ज़िम्मेदारी साथ-साथ चलें। हमने अपने 2030 के लक्ष्यों की ओर सार्थक रूप से आगे बढ़ते हुए उल्लेखनीय तरक्की की है; 70 से ज्यादा बॉटलिंग प्लांट, 51 प्रतिशत पानी रीसायकल, 41 प्रतिशत ऊर्जा नवीकरणीय स्त्रोतों से और साझेदारियां कर के 73 कौशल केन्द्र को सक्षम बनाया है, जिन्होंने 35,000 से अधिक वंचित युवाओं को प्रशिक्षित किया है।

हिमालया वेलनेस और आरसीबी महिला टीम ने भारत की भावी महिला क्रिकेटरों को तैयार करने के लिए हाथ मिलाया

भोपाल । अगर आपका क्रिकेट रोल मॉडल आपके फोन से ही आपका मार्गदर्शन कर सके, आपको प्रेरित कर सके और आपके सफर को दिशा देने में मदद कर सके तो कैसा रहेगा? भारत के नंबर 1 फेस वॉश ब्रांड हिमालया वेलनेस ने राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 1डरवुमन एकेडमी का अनावरण किया। यह शुरुआत 1डरवुमन पहल की गति को आगे बढ़ाते हुए, जो युवा लड़कियों को चुनौतियों से उबरने में सहायता करती है और उन्हें अपने चुने हुए क्षेत्रों में नंबर 1 बनने के लिए प्रेरित करती है। यह प्लेटफॉर्म युवा लड़कियों और उनकी पसंदीदा महिला क्रिकेटरों के बीच की दूरी को कम करणे के लिए तैयार किया गया है। 1डरवुमन एकेडमी महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए असली और ठोस मौके देने के उद्देश्य से बनाई गई है। इस पहल का मूल आधार एक संवाद-आधारित, इंटरएक्टिव अनुभव है जो मेंटरशिप को पहले से कहीं अधिक सुलभ बनाता है।

आम आदमी की जेब पर नया वार – सारे रिकॉर्ड तोड़ 92 के पार पहुंचा रुपया

डॉलर की दादागिरी के आगे बेबस रुपया, मजबूत अर्थव्यवस्था के दावों के बीच रुपये की ऐतिहासिक फिसलन

टैरिफ का तगड़ा असर, ट्रंप फैक्टर भी जिम्मेदार, शेयर बाजार भी सहमा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रुपये को गुरुवार को बड़ा झटका लगा, जब वह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर 92.00 तक फिसल गया। डॉलर की मजबूत मांग, एशियाई मुद्राओं की कमजोरी और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच रुपया अब तक के सबसे कमजोर स्तर पर पहुंच गया है। यह गिरावट ऐसे समय में आई है, जब सरकार अर्थव्यवस्था की मजबूती के दावे कर रही है। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 91.95 पर खुला और शुरूआती कारोबार में ही 92.00 के स्तर तक टूट गया। बुधवार को भी रुपया 31 पैसे की गिरावट के साथ 91.99 पर बंद हुआ था, जो अपने आप में अब तक का सबसे कमजोर क्लोजिंग स्तर था।

फॉरेक्स बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, रुपये की गिरावट के पीछे सबसे बड़ा कारण अमेरिकी डॉलर की वैश्विक मजबूती है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को फिलहाल स्थिर रखने के संकेत के बाद डॉलर इंडेक्स में मजबूती आई है, जिससे उभरते बाजारों की मुद्राओं पर दबाव बढ़ गया। इसके साथ ही, एशियाई मुद्राओं में व्यापक कमजोरी और भू-राजनीतिक तनावों ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश की ओर मोड़ दिया है। नतीजतन, डॉलर की मांग बढ़ी और रुपया कमजोर होता चला गया। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के निर्यात पर भारी टैरिफ लगाए जाने के बाद से रुपये पर अतिरिक्त दबाव बना हुआ है। इस साल अब तक रुपया करीब 2 प्रतिशत कमजोर हुआ है, जबकि टैरिफ एलान के बाद इसमें लगभग 5 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की जा चुकी है।

सीआर फॉरेक्स एडवाइजर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित पाबरी के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी भी रुपये के लिए परेशानी बढ़ा रही है। इस सप्ताह ब्रेंट क्रूड में 4 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई है और यह 69.30 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिका द्वारा ईरान को लेकर संभावित सैन्य कार्रवाई की चेतावनी के बाद तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका बढ़ी है। भारत एक बड़ा तेल आयातक देश है, ऐसे में तेल की महंगाई सीधे रुपये की सेहत पर असर डालती है। फॉरेक्स बाजार में 92.00 का स्तर तकनीकी रूप से बेहद अहम माना जा रहा है।

92.20 से 92.50 तक फिसल सकता है रुपया

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह स्तर स्थायी रूप से टूटता है, तो रुपया 92.20 से 92.50 तक और फिसल सकता है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक के संभावित हस्तक्षेप से गिरावट कुछ हद तक थम सकती है और रुपया 91.00झ्र91.20 की ओर लौट सकता है। रुपये की कमजोरी का असर शेयर बाजार पर भी दिखा। शुरूआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 343 अंक गिरकर 82,001 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी 94 अंकों की गिरावट के साथ 25,248 पर कारोबार करता दिखा। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा 480 करोड़ रुपये की खरीद ने बाजार को कुछ सहारा दिया। दिलचस्प बात यह है कि इसी बीच दिसंबर 2025 में औद्योगिक उत्पादन 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा, जो दो साल का उच्चतम स्तर है। इसके बावजूद रुपये की गिरावट ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि मजबूत आंकड़ों के बावजूद भारतीय मुद्रा क्यों लगातार कमजोर हो रही है। अब नजरें आरबीआई की रणनीति और वैश्विक हालात पर टिकी हैं।

चांदी ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड, भाव चार लाख के पार, सोना 1.76 लाख प्रति 10 ग्राम

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 5,500 डॉलर और चांदी 120 डॉलर के नजदीक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। दोनों कीमती धातुओं ने नए रिकॉर्ड कायम करते हुए ऑल टाइम हाई स्तर छू लिए। घरेलू बाजार में सोना 1.71 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया है, जबकि चांदी चार लाख रुपये प्रति किलो के ऐतिहासिक स्तर पर कारोबार कर रही है। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क फरवरी वायदा कॉन्ट्रेक्ट 3,967 रुपये की तेजी के साथ 1,69,882 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,65,915 रुपये था। कारोबार के दौरान सोने में तेज उछाल देखने को मिला और यह 8,563 रुपये की मजबूती के साथ 1,75,655 रुपये के स्तर पर कारोबार करता दिखा। दिन के दौरान सोने ने 1,76,990 रुपये का सर्वोच्च स्तर छूकर नया रिकॉर्ड बना लिया, जबकि इसका निचला स्तर 1,68,000 रुपये रहा। चांदी के वायदा भाव में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 8,542 रुपये की बढ़त के साथ 3,99,000 रुपये प्रति किलो पर खुला। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 3,85,366 रुपये था।

इस समय चांदी 19,245 रुपये की तेजी के साथ 4,04,611 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रही थी। दिन के दौरान इसने 4,07,456 रुपये प्रति किलो का अब तक का सर्वोच्च स्तर छू लिया, जबकि निचला स्तर 3,95,001 रुपये रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी रिकॉर्ड तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना पहली बार 5,500 डॉलर प्रति औंस के पार निकल गया। यह 5,415.70 डॉलर पर खुला और कारोबार के दौरान 5,584.30 डॉलर के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। वहीं चांदी भी मजबूत रही और 119.51 डॉलर प्रति औंस के नए उच्च स्तर को छू लिया।

यूरोपीय कारों पर टैक्स कटौती का भारतीय ग्राहकों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। हाल ही में भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के बीच हुई डील के लागू होने पर भारत में यूरोप से आयात होने वाली प्रीमियम कारों पर लगने वाले भारी टैक्स में बड़ी कटौती हो सकती है।

इस कटौती का भारतीय ग्राहकों को फायदा मिल सकता है। फिलहाल भारत में पूरी तरह इम्पोर्ट होकर आने वाली कारों पर 70 फीसदी से 110फीसदी तक टैक्स लगता है, जिसकी वजह से बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज-बेंज, फॉक्सवैगन और रेनो जैसी कारें महंगी हो जाती हैं। प्रस्तावित इंडियाझ्रईयू एफटीए के तहत इन कारों पर टैक्स 40फीसदी तक घट सकता है, और भविष्य में इसे 10 फीसदी तक भी लाया जा सकता है। शुरूआत में यह रियायत सीमित संख्या में कारों पर लागू होगी। डील के लागू होने पर हर साल लगभग 2 लाख पेट्रोल और डीजल कारों पर 40 फीसदी ड्यूटी लागू हो सकती है। हालांकि, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवीएस) को फिलहाल इस टैक्स कटौती से बाहर रखा जाएगा, ताकि टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी घरेलू कंपनियों के निवेश सुरक्षित रहें। कम टैक्स का सीधा फायदा फॉक्सवैगन, रेनो, स्कोडा, मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियों को होगा। इससे ये कंपनियां भारत में ज्यादा मॉडल्स लॉन्च कर सकेंगी और उन्हें किफायती कीमतों पर बेच पाएंगी। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार बाजार है और इस डील के लागू होने के बाद ग्राहकों को बेहतर टेक्नोलॉजी, ज्यादा विकल्प और प्रीमियम कारों की कम कीमत देखने को मिल सकती है। कुल मिलाकर, इंडियाझ्रईयू एफटीए भारत के ऑटो सेक्टर के लिए एक गेमचेंजर साबित हो सकता है।

रेनो ने की अपनी प्रतिष्ठित डस्टर की वापसी

एजेंसी

चेन्नई। रेनो ग्रुप की पूर्ण स्वामित्व की सब्सिडरी रेनो इंडिया ने आज नई रेनो डस्टर का अनावरण किया, यह एक ऐसी नेमप्लेट की वापसी है जिसने देश में मिड-साइज एसयूवी कैटेगरी की स्थापना में उल्लेखनीय योगदान दिया था। नई रेनो डस्टर में भारतीय एसयूवी खरीददारों के लिए महत्वपूर्ण पहलुओं- डिजाइन, पावरट्रेन टेक्नोलॉजी, सुरक्षा एवं स्वामित्व के अनुभव- को ध्यान में रखते हुए इसके रग्ड, एडवेंचर-फर्स्ट कैरेक्टर को बरक?ार रखा गया है। अपनी आइकोनिक इमेज पर खरी उतरते हुए, नई रेनो डस्टर का अनावरण उद्योग जगत में पहली बार एक अनूठे कार्यक्रम में हुआ, जहां डस्टर कम्युनिटी के गैंग के साथ 15000 से अधिक लोग इक्_ा हुए। इसी के साथ चेन्नई जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में डस्टर की शानदार वापसी हुई। नई रेनो डस्टर, भारत में रेनो ग्रुप के इंटरनेशनल गेम प्लान के तहत अनावरित पहला प्रोडक्ट है। गौरतलब है कि ब्राण्ड दुनिया भर में अपनी व्यापक विस्तार योजनाओं के तहत विशेष निवेश एवं प्रोडक्ट के विस्तार को प्राथमिकता दे रहा है। 'रेनो इंटरनेशनल गेम प्लान 2027 के तहत, हम भारत को यूरोप के बाहर अपने विकास का मुख्य स्तंभ बना रहे हैं। चेन्नई में हमारा इकोसिस्टम बेहद मजबूत है, ऐसे में सर्वोच्च स्तर पर डिजाइन, इंजीनियरिंग, मैनुफैक्चरिंग और स्थानीय संचालन को एक साथ लाना- भारत को रेनो के ग्लोबल नेटवर्क में सबसे शक्तिशाली एवं संपूर्ण हब्स में से एक के रूप में स्थापित करता है।

बीते एक साल में एटीएम से पैसा निकालने में आया बड़ा बदलाव

राज्यों और शहरों में एटीएम निकासी में भारी अंतर देखा गया

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के एटीएम अब पहले जैसी भीड़ नहीं देखते। एक रिपोर्ट के अनुसार 2025 में एटीएम से औसत मासिक नकद निकासी घटकर 1.21 करोड़ रुपए प्रति मशीन हो गई, जबकि 2024 में यह 1.30 करोड़ रुपए थी। हालांकि, एक बार में निकाली जाने वाली रकम बढ़कर 5,835 रुपए हो गई, जो यह दशार्ता है कि लोग अब बार-बार नकद निकालने के बजाय बड़ी रकम एक साथ निकाल रहे हैं। रोजमर्रा की खरीदारी जैसे किराना, बस टिकट, मोबाइल रिचार्ज और छोटे बिलों में नकद की जगह डिजिटल भुगतान, यूपीआई और कार्ड ने ले ली है। ?रिपोर्ट के अनुसार डिजिटल भुगतान आंकड़े हर महीने नए रिकॉर्ड बना रहे हैं, लेकिन नकद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। बड़ी निकासी यह संकेत देती है कि लोग आपातकाल, स्थानीय सेवाओं और उन जगहों के लिए नकद रखना जारी रख रहे हैं जहां डिजिटल भुगतान स्वीकार नहीं किया जाता। राज्यों के बीच नकद निकासी में बड़ा अंतर देखा गया। कर्नाटक में प्रति एटीएम औसत 1.73 करोड़ निकाला गया, जबकि जम्मू-कश्मीर में यह मात्र 83 लाख रहा। महानगरों की चमक के बावजूद नकद की वास्तविक जरूरत सेमी अर्बन और ग्रामीण इलाकों में अधिक रही, जहां प्रति एटीएम औसत 1.30 करोड़ रुपए निकासी हुई। सीजन और मौसम भी नकद निकासी पर असर डालते हैं। मानसून, गर्मी, प्रदूषण और त्योहारों के समय लोग अधिक नकद निकालते हैं। सीएमएस के खर्च से जुड़े आंकड़े बताते हैं कि घरों की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। 2025 में बीमा खर्च कुल खर्च का 25 प्रतिशत बन गया, जबकि शिक्षा, होटल और मनोरंजन खर्चों में गिरावट दर्ज की गई। नकद अब आदत नहीं, बल्कि भरोसे का सहारा बनकर रह गया है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच रिकॉर्ड बना रहा हमारा निर्यात : आर्थिक सर्वेक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक चुनौतियों के बीच देश का निर्यात लगातार रिकार्ड बना रहा है। साल 2005 से 2024 तक भारत का सेवा क्षेत्र का निर्यात ढाई गुना बढ़ा है और इसकी हिस्सेदारी वैश्विक सेवाओं के निर्यात में लगभग 2 प्रतिशत से बढ़कर 4.3 प्रतिशत हो गई है। इसी अवधि में वस्तु व्यापार (मर्चेंडाइज) निर्यात भी दोगुना होकर 1 प्रतिशत से बढ़कर 1.8 प्रतिशत तक पहुंच गया है। वित्तवर्ष 2025-26 में भारत का कुल निर्यात रिकॉर्ड 825.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें सेवा क्षेत्र का योगदान सबसे अधिक रहा। यह पिछले वित्तवर्ष की तुलना में 13.6 प्रतिशत बढ़कर 387.6 बिलियन डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद भवन में पेश किए आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में यह जानकारी दी। सर्वेक्षण में बताया गया कि वैश्विक झटकों और अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। वित्तवर्ष 2025-26 में देश का कुल निर्यात रिकॉर्ड 825.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। साथ ही दूरसंचार उपकरणों के निर्यात में 51.2 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई। इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में निर्यात में तेजी से उछाल आया। कृषि निर्यात की बात करें तो पिछले पांच सालों में कृषि निर्यात में 16 बिलियन डॉलर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। साल 2020-21 में जहां कृषि निर्यात 34.5 बिलियन डॉलर था, यह वित्तवर्ष 2025-26 तक बढ़कर 51.1 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। आने वाले चार सालों में कृषि, समुद्री उत्पादों और खाद्य-पेय पदार्थों का संयुक्त निर्यात 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया कि देश की वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी लगातार बढ़ा रही है, नए बाजारों और उत्पादों में विविधता आ रही है और उच्च मूल्य वाले विनिर्माण क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन कर रहा है।

बाजार में उतरते ही 34 प्रतिशत का मुनाफा, आईपीओ ने किया कमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में केआरएम आयुर्वेद आईपीओ ने शानदार एंट्री की और निवेशकों को खुश कर दिया। कंपनी के शेयर 135 के इश्यू प्राइस के मुकाबले 28 फीसदी प्रीमियम के साथ 172.10 पर एनएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। यानी जिन निवेशकों को आईपीओ में शेयर मिले थे, उन्हें लिस्टिंग के दिन ही जबरदस्त मुनाफा देखने को मिला। इतना ही नहीं कंपनी के शेयर कारोबार के दौरान 180.70 रुपये पर पहुंच गए थे। यानी पहले ही दिन निवेशकों को करीबन 34 पर्सेंट तक का मुनाफा हुआ था। शेयर कारोबार के दौरान 4 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए थे। केआरएम आयुर्वेद का यह एसएमई आईपीओ 21 जनवरी से 23 जनवरी तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था और इसे निवेशकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। आईपीओ को कुल मिलाकर 74.27 गुना सब्सक्राइब किया गया। इसमें रिटेल निवेशकों की हिस्सेदारी 54.21 गुना रही, वहीं क्यूआईबीएस ने 63.31 गुना और एनआइआइ सेगमेंट में तो 135.37 गुना तक की भारी मांग देखने को मिली। कंपनी ने इस बुक-बिल्ट इश्यू के जरिए 77.49 करोड़ जुटाए, जो पूरी तरह से फ्रेश इश्यू था। आईपीओ से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल कंपनी अपने टेलीमेडिसिन नेटवर्क के विस्तार, टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन, कर्ज चुकाने, वर्किंग कैपिटल और अन्य कॉरपोरेट जरूरतों के लिए करेगी। केआरएम आयुर्वेद देशभर में आयुर्वेदिक अस्पतालों और क्लीनिकों का नेटवर्क चलाती है और आयुर्वेदिक व हर्बल उत्पादों का निर्माण व बिक्री भी करती है। दिसंबर 2025 तक कंपनी के पास 6 अस्पताल और 5 क्लीनिक, करीब 443 कर्मचारी और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत मौजूदगी थी।

रीतु बसंत

रामदेव बड़ाईक, रांची

रीतु बसंत में,
कोइली कांदऽथे,
कोइल राजा के, कोइली
खोजऽथे, कोइल...

तोंय कहाँ -तोंय कहाँ ,
कोइली कहऽथे,
ई डारी - ऊ डारी, कोइली
भुलऽथे, ई डारी...

गछ-बिरिछ में देखु,
नावां फूल - पतई नोजगऽथे
,
बन - झार देखु, सिंगार
करऽथे,बन - झार...

सरई - परास देखु,
सेमइर फूलऽथे ,
अंबा जाम महुआ, मंजर
धरऽथे, अंबा जाम..

कतइ-कतइ रंग में,
देखु सपरऽथे,
धरती-अम्बर देखु ,सुन्दर
दिसऽथे,धरती-अम्बर...

लेह में नागर बिमानन बुनियादी ढांचा कर बिकास परियोजना कर उद्घाटन

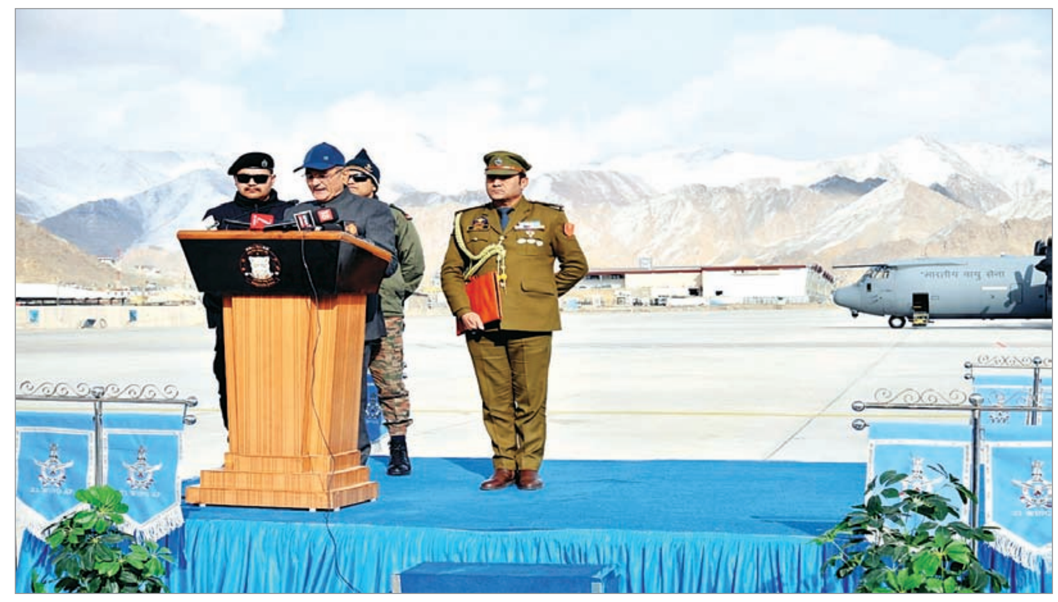

बुनियादी ढांचा कर रिकॉर्ड समय में उन्नयन करल गेलक

प्रातः नागपुरी संवाददाता

लेह। केंद्र सासित प्रदेस लद्दाख कर उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता पछिमी बायु कमान कर बरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर एयर मार्शल जेएस मान कर उपस्थिति में 28 जनवरी के एयर फोर्स स्टेसन लेह में नागर बिमानन बुनियादी ढांचा के बिकसित करेक कर उद्देस से एगो परिजोजना कर उद्घाटन करलयं। ई उद्घाटन लद्दाख में नागर बिमानन बुनियादी ढांचा के मजबूत करेक आउर सिविल परसासन आउर छेतर कर बिकास में सामिल सउब एजेंसीमन कर बीच घनिष्ठ सहजोग कर भावना के परिपुस्ट बनायेक में महतपूर्न उपलब्धि आहे। ढेइरे चुनौती भरल ऊंचाई वाला छेतर आउर प्रतिकूल मौसम कर स्थिति कर बावजूद बुनियादी ढांचा कर रिकॉर्ड समय में उन्नयन करल जाए हे।

बिकसित करल गेल बुनियादी ढांचा बिमानमन कर जमीनी आवाजाही के आसान बनायेक कर संगे-संगे नागरिक उड़ान कर प्रस्थान के तेज करी। ई सुधार से यात्रीमन के सुबिधा मिली आउर बेरा कर बचत होवी। बेहतर बायु संपर्क लेह छेतर में पर्यटन के जबरदस्त बढ़ावा देवेक कर संगे-संगे आर्थिक अवसर कर सृजन करी आउर स्थानीय आजीविका कर समर्थन करी। संगे, बेहतर सुबिधा निवासीमन आउर घुमवईया दुईयों ले बेसी बिसवसनीय हवाई सेवा सुनिश्चित करी, जबकि मानवीय सहायता आउर आपदा राहत आवसकतामन उपरे तेजी से प्रतिक्रिया देवेक कर छेतर कर छमता के भी मजबूती मिली।

हर बर्ग के आगे लेगेक वाला बजट होवे : मुख्यमंत्री

अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी 2026-27 में सामिल होलयं

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आइज बित्त बिभाग कर दन से आयोजित अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी-2026-27 में सामिल होलयं। मुख्यमंत्री बयापक, संतुलित, समावेसी आउर सतत बिकास आधारित बजट बनायेक उपरे जोर देलयं। कहलयं कि हर बर्ग के आगे लेगेक वाला बजट हो।

मुख्यमंत्री बिकास आधारित बहुआयामी बजट बनायेक में आम अदमी कर बेसी से बेसी भागीदारी बढ़ायेक उपरे जोर देलयं। मुख्यमंत्री कहलयं दावोस आउर लंदन दौरा में मिलल अनुभव से राइज में बिकास कर गति के नवा डहर देवेक कर प्रयास करबयं। मुख्यमंत्री कहलयं कि नवा पीढ़ी नवा डहर खोजत हे, अइसन में उनकर जरूरत आउर आवसकता कर अनुरूप अवसर उपलब्ध करुवायेक ले बजट बनायेक कर जरूरत आहे। बजट अइसन होवे, जे ई जुवा राइज कर संभावना के आकार देइ सके। मुख्यमंत्री कहलयं कि बजट में जन आकांछा परिलिछित होवे आउर बिकास के भी गति मिइल सके। बेहतर प्रबंधन कर माध्यम से आपन संसाधन आउर छमता के बेहतर इस्तेमाल कर दिसा में आगे बढ़ते रहे।

श्री श्याम मंदिर में आइज भक्तमन कर बगरा भीड़ उमड़लक

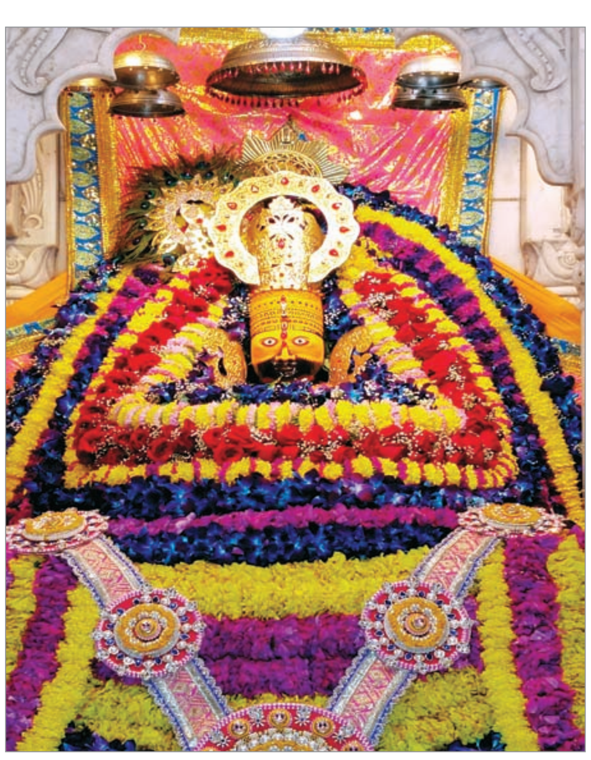

बाबा श्याम कर भब्य आउर दिब्य अनुपम दरबार सजाल गेलक

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। हरमू रोड कर श्री श्याम मंदिर में आइज भक्तमन कर बगरा भीड़ उमड़लक। जया एकादसी में बाबा श्याम कर भब्य आउर दिब्य अनुपम दरबार सजाल गेलक। मंडल कर अध्यछ गोपाल मुरारका, कोसाध्यछ मनोज खेतान, बरिष्ठ कार्यकारी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा कर सानिध्य में मंदिर कर आचार्यमन मिइल के बाबा कर गुलाब रूप के इत्र से मालिस करलयं। नवीन के सांग भाग पिंधाय के सिंगार करलयं।

मंगला आरती में नियमित भक्तमन कर दरसन कर अलावा एकादसी में आवेक वाला भक्तमन भी सामिल होलयं। सिंगार आरती कर बाद भोग भजन गाए के भोग लगाल गेलक। बिहाने सिंगार आरती से हे लंबा पांइत मंदिर परिसर कर भितरे आउर बाहरे देखेक ले मिललक। भक्त आपन हाथ में अर्जी लेइ के खाटूनरेश कर जय जयकार करत रहयं। हजारों हजार कर संख्या में श्याम मंदिर में भक्तमन अर्जी लगालयं। मध्याह्न बिश्राम आरती कर बाद पट मंगल करल गेलक। सांझ कर 4:30 बजे जखन पट खुललक, तब मंदिर परिसर भक्तमन भरल रहे। सांझ कर 5 बजे से निसान संकीर्तन कर तैयारी श्याम सेवकमन खाटू जायेक वाला ध्वजा निसान के बांइध के सुरु करलयं। राइत कर 9 बजे मंडल कर निर्वतमान अध्यछ सुरेश सरावगी धर्मपत्नी अन्नपूर्णा सरावगी खाटू जायेक वाला सउब ध्वजामन कर संकल्प पूजन अनुष्ठान बिधि बिधान से सम्पन्न करालयं।

राइज कर 9.30 बजे मंडल कर उपाध्यछ अशोक लड़ियां श्रीमती रेखा लड़ियां आपन परिवार कर संगे बाबा श्री श्याम कर अखंड ज्योति प्रज्वलित कइर के केसरिया पेड़ा फल रबड़ी प्रसाद मगही पान कर भोग लगालयं। मंडल कर महामंत्री गौरव अग्रवाल बतालयं कि श्री श्याम मित्र मंडल कर दल दू फरवरी के बिमान से रांची से दिल्ली होते खाटू इस्थित श्री श्याम मित्र मंडल कर बिश्राम भवन पहुंची।

मोय परदेसी

संतोष महली, ईटा, लोहरदगा

कमाएक ले घर से
निकइल रहों,
डहरे में उनके पालों।
पीठे टंगाल बेग
थइला खाली -खाली,
धिरे -धिरे कदम बढ़ालों।
मन तो रहे तनिक देरी
संगे बिताएक कर ,
जलदी -पलदी बतियालों,
उनकर आंईख के देईख
मोय भी लोर बहालों।
हकइंद के काइंद देलक
पगली
ओंठ कपकपाते पालों,
नी भुलाएक कर वादा कइर
किरिया -कसम भी खालों।
बेरोजगार के समाज छी थू
करेला
कोढ़ी -कादर कइह ताना
मारेला,
बड़ी मुसकिल से समुझालों ,
मुरती बइन ठड़ाय रहे
मोय जेनरल डिब्बा में
ठुसालों।
टिसने टिसन रूकत रहे
घेचा घरी -घरी सुखत रहे,
उतइर -उतइर के लागल
नल से
बोतले पियास बुझालों,
हाय अपन राईज छोइड़
मोय काहां आय गेलों ,
मोय परदेसी बइन गेलों।
--*-

मुद्रक व प्रकाशक नीलम सिंह द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : रतनलाल अग्रवाल, **एग्जीक्यूटिव एडिटर** : शिव कुमार सिंह, **स्टेट ब्यूरो हेड** : कुमार राजेश। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ई-मेल आईडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com